WWW.NAVPRADESH.COM

दैनिक **नव प्रदेश**

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर...
4 | अभिव्यक्ति
5 | राजधानी
8 | छत्तीसगढ़
11 | देश विदेश

बिलासपुर, रविवार, 16 नवंबर 2025 शुक्ल पक्ष- एकादशी, विक्रम संवत -2082 / वर्ष-11 अंक- 208 पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

बहुत बेइंसाफी है ये। ठीक है कि चुनाव में किसी की जीत और किसी की हार होती है लेकिन कोई किसी को ऐसे भी हराता है क्या कि हारने वाला किसी को अपना मुंह दिखाने के लायक ही न रहे। बिहार में एनडीए की सुनामी ने छठी मैया का अपमान करने वाले महागठबंधन को छटी का दूध याद दिला दिया। महागठबंधन वालों को समझना चाहिए कि बबूल का जंगल उगाने वाले को आम नहीं मिलते। एनडीए की जीत के कई नायक हैं। महागठबंधन को हार के लिए जिम्मेदार खलनायकों की खोजखबर लेनी चाहिए वरना आगे भी घर के भेदी लंका ढाएंगे।

दिल्ली में अटकी है 266 करोड़ की केशकाल बाइपास सड़क

परियोजना को स्क्रीनिंग कमेटी नई दिल्ली से हरी झंडी का इंतजार

जगदलपुर/नवप्रदेश । बस्तर की लाइफ लाइन कहे जाने वाले नेशनल हाईवे क्रमांक 30 में केशकाल घाट के विकल्प के रूप में 266 करोड रुपए की लागत से बनने वाली फोरलेन सड़क 7 साल बाद भी अधूरी पड़ी है। इस परियोजना को बनाने के लिए राजमार्ग विभाग को स्क्रीनिंग कमेटी नई दिल्ली से हरी झंडी का इंतजार है। इधर केशकाल घाट में लगने वाले जाम से प्रतिदिन कम से कम 20 हजार लोग परेशान हो रहे हैं। 11.38 किमी लंबी फोरलेन युक्त बाइपास सड़क को बनाने का कार्य 7 साल पहले शुरू किया गया था, किंतु ठेकेदार काम छोड़कर भाग गया, इसलिए ☐ शेष पृष्ठ 6 पर

6 महीने पहले भेजी गई है फाइल

बताया गया कि 266 करोड़ रुपए की लागत से 11.38 किमी लंबी बाईपास सड़क को फोर लाइन करना हा।. इस मार्ग में दो बड़े पुल और सात मध्यम पुल का निर्माण भी किया जाना है. पूरी फॉर्मेलिटी करने के बाद रिपोर्ट नईदिल्ली स्थित स्क्रीनिंग कमेटी को भेजी गई है। बताया गया की 6 महीने पहले भेजी गई इस रिपोर्ट पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है इसलिए बाईपास निर्माण शुरू नहीं हो पाया है।

करणी सेना अध्यक्ष शेखावत पर एफआईआर दर्ज

रायपुर /नवप्रदेश । हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र तोमर के जुलूस पर सोशल मीडिया पर पुलिस अधिकारियों के घर घुसकर प्रदर्शन करने की धमकी देना करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राज शेखावत को भारी पड़ा है। शेखावत के खिलाफ मौदहा पारा थाना में गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी और शासकीय कर्मचारी को धमकी देने की धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है. कयास लगाए जा रहे है कि जल्द ही उनकी गिरफ्तारी हो सकती है। बता दें कि सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राज शेखावत ने वीरेंद्र तोमर के जुलूस निकालने का विरोध किया था. सोशल मीडिया पर लाइव आकर शेखावत ने एसएसपी रायपुर और तात्कालिक टीआई पुरानी बस्ती का नाम लेकर कहा था कि पुलिस ने गलत किया है. तोमर कोई आतंकवादी था क्या, जिसका जुलूस निकाला गया।

टॉप नक्सली लीडर आजाद सहित 8 माओवादी डालेंगे हथियार

मुलुगु/नवप्रदेश । नक्सल संगठन को फिर बड़ा झटका लगने वाला है। छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्य तेलंगाना में बड़े कैडर के नक्सली लीडर आजाद समेत 8 नक्सलियों ने हथियार डालने वाले हैं। बताया जा रहा है कि एएसआर ज़िले के चिंतूर और वीआर पुरम, भद्राद्री कोठागुडेम ज़िले के चरला और वेंकटपुरम जैसे सीमावर्ती इलाकों में आजाद का प्रभाव काफी मजबूत रहा है। जानकारी के अनुसार, एजेंसी क्षेत्रों में माओवादियों के शीर्ष नेताओं में शामिल आज़ाद शनिवार को मुलुगु जिला पुलिस कार्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में आत्मसमर्पण करेंगे. इस दौरान उनके साथ अन्य माओवादी मुख्याधारा में शामिल होंगे. (बीकेएएसआर, जिला सचिव) आज़ाद उर्फ कोयाडा सम्बय्या उर्फ गोपन्ना, विशेष क्षेत्रीय समिति सदस्य और तेलंगाना राज्य समिति सदस्य के रूप में लंबे समय से सक्रिय था. आजाद कई वर्षों से दोनों जिलों के एजेंसी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पद पर रहा है। साथ ही माओवादी गतिविधियों का संचालन करता रहा है.

भिलाई में फायरिंग, पुलिस ने किया मामला रफा-दफा

भिलाई /नवप्रदेश । इस्पात नगरी भिलाई के जामुल थाना क्षेत्र में फायरिंग से इलाके में सनसनी फैल गई है। हमलावरों ने युवक पर फायरिंग की, लेकिन आरोपियों का निशाना चूक गया, जिससे युवक बाल-बाल बच गया। इस घटना को पुलिस ने सिर्फ मामूली विवाद बताकर मामला रफा-दफा कर दिया। वहीं पीड़ित विकास उर्फ राजू प्रजापति ने अस्पताल पहुंचकर अपने कान के पास लगी चोट का इलाज कराया। यह घटना शुक्रवार 14 नवंबर रात की है। अज्ञात हमलावरों ने एक युवक को निशाना बनाकर उस पर गोली चलाई। निशाना चूक जाने से युवक की जान तो बच गई, लेकिन फायरिंग के दौरान उसे कान के पास हल्की चोट जरूर आई है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया। पुलिस ने घटना स्थल से गोली के अवशेष बरामद किए हैं। साथ ही आसपास की दीवारों पर फायरिंग के स्पष्ट निशान पाए गए हैं, जिससे यह पुष्टि होती है कि हमलावर एक से अधिक बार गोली चलाकर विकास प्रजापति को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे थे।

एफएसएल की टीम बरामद विस्फोटकों की जांच कर रही थी उसी दौरान हुआ हादसा

नौगाम पुलिस थाने में धमाका इंस्पेक्टर समेत 9 लोगों की मौत

श्रीनगर। फरीदाबाद से सफेदपोश आतंकी नेटवर्क से जब्त अमोनियम नाइट्रेट में शुक्रवार देर रात को श्रीनगर के नौगाम पुलिस स्टेशन में विस्फोट हो गया। विस्फोट इतना जोरदार था कि धमाके से थाने का एक हिस्सा ढह गया और वहां पार्किंग में खड़ी गाडिय़ों में आग लग गई। धमाकों में पुलिस इंस्पेक्टर समेत 9 लोगों की मौत हो गई, हालांकि पुलिस ने अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

धमाके के समय थाने की इमारत में डीएसपी रैंक के एक अधिकारी व तहसीलदार समेत करीब 50 लोगों के उपस्थित होने का दावा किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार 32 लोग घायल हुए हैं। इनमें से 24 पुलिसकर्मी हैं। पांच घायलों को सेना के बेस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शेष को श्रीनगर के अन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आतंकी हमले से इनकार किया है और इसे हादसा बताया है।

बताया जा रहा है कि यह धमाका दिल्ली विस्फोट में लिप्त जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवात-उल-हिंद के पकड़े गए सफेदपोश आतंकियों के गिरोह से फरीदाबाद में बरामद अमोनियम नाइट्रेट में विस्फोट के कारण हुआ है। एफएसएल की टीम और अधिकारी आतंकी नेटवर्क से बरामद विस्फोटकों की जांच कर रहे थे और उसी दौरान यह धमाका हुआ।

फरीदाबाद में पकड़े गए कश्मीरी आतंकी डॉ. मुजम्मिल के ठिकाने से जब्त किए गए 360 किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट का कुछ हिस्सा एफएसएल लैब में था और शेष को नौगाम थाने के माल गोदाम में रखा गया था। अधिकारियों के अनुसार 24 पुलिसकर्मियों और तीन अन्य को अलग-अलग अस्पताल में रखा गया है।

श्रीनगर के नौगाम थाने में विस्फोट दुर्घटनावश हुआ, इसे लेकर अनावश्यक अटकलें न लगायी जाएं: गृह मंत्रालय

नयी दिल्ली/श्रीनगर (वार्ता) केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने जम्मू और कश्मीर के नौगाम पुलिस स्टेशन में शुक्रवार रात हुए विस्फोट को दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना बताते हुए कहा है कि यह जब्त किये गये विस्फोटक पदार्थों और रसायनों को परीक्षण के लिए भेजे जाने से पहले हुआ जिसके कारणों की जांच की जा रही है और इसे लेकर अनावश्यक अटकलें नहीं लगायी जानी चाहिए। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में नौ लोगों की मृत्यु हो गई और 27 पुलिस कर्मी, दो राजस्व अधिकारी और तीन अन्य लोग घायल हुए हैं।

गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव (जम्मू कश्मीर) प्रशांत लोहखंडे ने शनिवार को नयी दिल्ली में संवाददाताओं को बताया कि शुक्रवार रात को 11 बजकर 20 मिनट पर दुर्भाग्यपूर्ण घटना में जम्मू और कश्मीर के नौगाम पुलिस स्टेशन के अंदर एक बड़ा विस्फोट हुआ।

उन्होंने कहा कि नौगाम पुलिस स्टेशन के पुलिसकर्मियों ने वहां हाल ही में लगाये गये एक पोस्टर से मिली जानकारी के आधार पर एक आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया था। इस संबंध में दायर प्राथमिकी 162/2025 की जांच के दौरान विस्फोटक पदार्थों और रसायनों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया गया था। बरामद किये गए विस्फोटकों को लाकर पुलिस स्टेशन नौगाम के खुले क्षेत्र में सुरक्षित रूप से रखा गया था ।

अचानक दुर्घटनावश विस्फोट : लोहखंडे ने बताया कि जांच में शामिल सभी एजेंसियां समन्वित और वैज्ञानिक तरीके से एक साथ काम कर रही थी और निर्धारित प्रक्रिया के तहत, बरामद रासायनिक और विस्फोटक नमूनों को आगे फोरेंसिक और रासायनिक ☐ शेष पृष्ठ 6 पर

पीएम ने कांग्रेस पर आदिवासियों की अनदेखी का लगाया आरोप

कहा- उनके योगदान को भुला दिया गया

अहमदाबाद(ए.)। गुजरात में आदिवासियों के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, आदिवासियों ने हमारे देश के स्वतंत्रता संग्राम में बहुत बड़ा योगदान दिया, लेकिन कांग्रेस ने 60 साल के शासन में आदिवासियों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को गुजरात पहुंचे। पीएम मोदी प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत बने एक लाख घरों के गृह प्रवेश कार्यक्रम में भी शामिल। इसके बाद धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसभा को संबोधित किया।

आदिवासियों ने स्वाधीनता संग्राम में दिया बड़ा योगदान : कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पीएम मोदी ने कहा, डेडियापाड़ा और सागबारा का एक क्षेत्र कबीर की शिक्षाओं से प्रेरित है। मैं संत कबीर की भूमि वाराणसी से सांसद हूं। इसलिए, यह स्वाभाविक है कि संत कबीर का मेरे जीवन में एक विशेष स्थान है। मैं उन्हें इस मंच से नमन करता हूं। हमने यहां एक लाख परिवारों को पक्के घर दिए गए। एकलव्य मॉडल स्कूलों का शिलान्यास किया गया। ऐसा कई सारी कल्याण योजनाओं के लिए जनजातीय परिवारों को बहुत बधाई। पीएम मोदी ने कहा कि आदिवासियों ने हमारे देश के स्वतंत्रता संग्राम में बहुत बड़ा योगदान दिया, लेकिन कांग्रेस ने 60 साल के शासन में आदिवासियों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया।

बीते 10 वर्षों में कई धामों का विकास हुआ

उन्होंने कहा, 'पहले बिरसा मुंडा को याद नहीं किया जाता था। हमने तय कि हमारी अगली पीढ़ी को पता चले कि बिरसा मुंडा ने हमारे लिए क्या किया है। इसलिए हमने देश में कई जनजातीय संग्रहालय बनाए जा रहे हैं। मैं छत्तीसगढ़ गया था वहां मैंने शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय का शिलान्यास किया।ó नरेंद्र मोदी ने कहा कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन महाकाल, अयोध्या का राम मंदिर और केदारनाथ धाम की चर्चा अक्सर होती रहती है। पिछले 10 वर्षों में ऐसे कई धार्मिक और ऐतिहासिक धामों का विकास हुआ है। लेकिन बहुत कम लोग जानते होंगे कि 2003 में जब मैं मुख्यमंत्री के तौर पर डेडियापाड़ा आया था, तो मां के चरणों में प्रार्थना करने गया था। ☐ शेष पृष्ठ 6 पर

हाईकोर्ट ने बच्चे की कस्टडी के लिए की नई व्यवस्था

मां के पास सोमवार से शनिवार, पिता के साथ त्यौहार की छुट्टियों पर रहेगा साथ

बिलासपुर/नवप्रदेश। हाईकोर्ट ने बच्चे के कस्टडी के मामले में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए किशोर की जिंदगी में संतुलन बनाने की नई शर्तें तय की है. जस्टिस रजनी दुबे और जस्टिस ए के प्रसाद की डिवीजन बेंच ने अलग रह रहे दंपती के बीच किशोर की जिंदगी को संतुलित बनाने के लिए नया फार्मूला तय किया है।

आदेश में तय किया गया है कि सोमवार से शनिवार सुबह तक बच्चा मां के पास रहेगा, शनिवार सुबह तक बच्चा मां के पास रहेगा, शनिवार को स्कूल से किशोर के पिता उसे ले जाएंगे और सोमवार सुबह तक वह अपने पिता के साथ रहेगा. इस बीच कोर्ट ने लंबी छुट्टियों में 5 से 10 दिन और त्यौहारों में भी पिता के साथ समय बिताने का आदेश जारी किया है। बता दें कि रायपुर निवासी दंपती की वर्ष 2009 में शादी हुई और 2010 में उनका बेटा हुआ. कुछ साल बाद दोनों के बीच विवाद हुआ ☐ शेष पृष्ठ 6 पर

पूर्व केंद्रीय मंत्री सिंह बीजेपी से 6 साल के लिए निष्कासित

नई दिल्ली(वार्ता)। बीजेपी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री आर.के. सिंह को हालिया बयानों और पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है। चुनाव के दौरान उन्होंने नीतीश सरकार पर गंभीर आरोप लगाए, प्रशांत किशोर के बयानों का समर्थन किया और प्रधानमंत्री व पार्टी की सभाओं से दूरी बनाए रखी, जिससे बीजेपी असहज थी। पूर्व केंद्रीय मंत्री आर.के. सिंह पर बीजेपी ने कड़ा एक्शन लिया है. पार्टी ने उन्हें छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है। पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते बीजेपी ने यह कदम उठाया है.

पश्चिम बंगाल की जनता भी जंगलराज से चाहती है छुटकारा: मुख्यमंत्री साय

बिहार चुनाव में एनडीए की बड़ी जीत

रायपुर/नवप्रदेश। बस्तर दौरे पर रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बिहार चुनाव के परिणाम को लेकर कहा कि जनता ने पीएम मोदी पर भरोसा जताया है। बिहार में एनडीए की बड़ी जीत हुई है। पहले बिहार को कुशासन और जंगलराज से जोड़कर देखा जाता था. लेकिन अब एनडीए सरकार में सुशासन और विकास हो रहा है. उन्होंने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की ओर इशारा करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में भी जंगलराज है, वहां की जनता भी उससे छुटकारा चाहती है।

धान खरीदी पर कांग्रेस के आरोप पर सीएम साय का पलटवार: धान खरीदी को लेकर सीएम ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष मुद्दाविहीन है, हार से बौखलाए हुए हैं. पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने वहां की कमान संभाली थी, लेकिन उनके पास कुछ नहीं है, इसलिए कुछ भी बोल रहे हैं. पूरे प्रदेश में आज से धान खरीदी की भव्य शुरुआत हो रही है।

सरकार ने ड्यूटी पर लगे कर्मचारियों पर लगाया एस्मा: धान खरीदी के दौरान किसानों को किसी तरह की कोई अड़चन न आए, इसके लिए सरकार ने खरीदी में लगे कर्मचारियों पर छत्तीसगढ़ आवश्यक सेवा संधारण एवं विच्छिन्नता निवारण अधिनियम 1979 लागू कर दिया है। यह धान खरीदी की पूरी अवधि 15 नवंबर 2025 से ☐ शेष पृष्ठ 6 पर

गरमा-गरम

क्राइम कंट्रोल को लेकर बैठक | एसपी,सीएसपी और सभी थाना प्रभारियों को निर्देश

डीजीपी-आईजी कॉन्फ्रेंस से पहले पुलिस अलर्ट

रायपुर।/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में आगामी डीजी-आईजी कॉन्फ्रेंस को ध्यान में रखते हुए राजधानी रायपुर में पुलिस विभाग की महत्वपूर्ण क्राइम बैठक जारी है, जिसमें शहर में बढ़ते अपराधों पर नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए विस्तृत रणनीतियों पर मंथन किया जा रहा है। यह बैठक कंट्रोल रूम स्थित सीवाय सभागार में हो रही है, जहां आईजी और एसएसपी अधिकारियों को दिशा-निर्देश दे रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, बैठक का मुख्य फोकस हाल के दिनों में बढ़ रहे चाकूबाजी के मामलों पर सख्ती से नकेल कसना है। पुलिस अधिकारी शहर के ऐसे संवेदनशील इलाकों की पहचान कर रहे हैं, जहां इस तरह की वारदातें अधिक हो रही हैं। इसके साथ ही साल के अंत (ईयर-एंडिंग) से पहले लंबित मामलों के निराकरण में आ रही दिक्कतों पर भी विस्तृत चर्चा की जा रही है। 28 से 30 नवंबर तक नवा रायपुर स्थित IIM परिसर में 60वां अखिल भारतीय डीजीपी-आईजी सम्मेलन होगा। इसे ध्यान में रखते हुए राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी विशेष रूप से समीक्षा की जा रही है। बैठक में बताया गया कि इस राष्ट्रीय स्तर की कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री, देशभर के लगभग 70 डीजी/आईजी रैंक के अधिकारी और 6 अन्य विशेष डिग्निट्री शामिल होंगे। ऐसे में रायपुर पुलिस के लिए सुरक्षा प्रबंधन चुनौतीपूर्ण होने वाला है, जिसे देखते हुए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। बैठक में शहर के सभी एएसपी, सीएसपी और प्रत्येक थाना प्रभारी मौजूद हैं। पुलिस अधिकारियों को शहर में फ्लैग मार्च, नाइट पेट्रोलिंग, असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई और संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए जा रहे हैं। पुलिस प्रशासन का मानना है कि संयुक्त प्रयासों और सख़्त मॉनिटरिंग से न केवल शहर में अपराध नियंत्रण के प्रयासों को गति मिलेगी, बल्कि आगामी बड़े कार्यक्रमों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद रहेगी।

नीतीश से गर्मजोशी से मिले चिराग

नई सरकार की रूपरेखा क्या रहेगी, मंथन शुरू

पटना /नवप्रदेश । 10वीं बार मुख्यमंत्री की शपथ लेने जा रहे नीतीश कुमार से मुलाकात करने वालों का तांता लगा है। कल रात ही भाजपा-जदयू के दिग्गज आने लगे थे। आज चिराग पासवान भी बधाई के साथ आगे की योजना पर बात करने पहुंचे। बिहार चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को प्रचंड बहुमत के बाद नीतीश कुमार का दसवीं बार मुख्यमंत्री बनना परिणाम आने के साथ ही स्पष्ट हो गया था। शुक्रवार दोपहर जैसे ही रुझान आना शुरू हुआ, एनडीए में खुशी की लहर दौड़ गई। शाम होते-होते सीएम आवास में चहलकदमी बढ़ गई। जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा, केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर के अलावा भारतीय जनता पार्टी के भी कई नेताओं ने सीएम आवास पहुंचकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बधाई दी। दिल्ली से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी। इसके बाद भाजपा सहित एनडीए के बाकी दलों ने भी एक-एक कर सीएम नीतीश को बधाई दी और नई पारी की शुभकामनाएं भी। आज, यानी शनिवार सुबह से ही गहमागहमी ☐ शेष पृष्ठ 6 पर

प्राचीन एवं समृद्धशाली श्रीमहंत परम्परा से संबंधित है महादेव का मंदिर'

– राजेंद्र बहादुर सिंह

राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के करीब ग़ाज़ियाबाद स्थित श्री दूधेश्वर नाथ मठ दूधेश्वर महादेव के नाम से जाना जाता है। यहां श्री दूधेश्वर नाथ शिवलिंग का प्राकट्य सोमवार, कार्तिक शुक्ल, वैकुन्ठी चतुर्दशी संवत् 1511 वि0 तदनुसार 3 नवंबर, 1454 ई0 को हुआ था। इस दिव्य शिव लिंग की प्राकट्य कथा भी बड़ी अद्भुत है। कलियुग में प्राकट्य कैला गाँव श्री दूधेश्वर नाथ महादेव ज्योतिर्लिंग के निकट ही है। पुराणों में वर्णित हरनंदी (हिन्डन) आज भी पास ही बहती है। यह भी किसी से छिपा नहीं है कि भगवान् दूधेश्वर अपने जिस भक्त पर अति प्रसन्न होते हैं, उसे स्वर्ण प्रचुर मात्रा में मिलता है। ऋषि विश्वेश्रवा और रावण को भी तो दूधेश्वर की पूजा-अर्चना से ही सोने की लंका प्राप्त हुई थी। भगवान दूधेश्वर की कृपा और मठ के सिद्ध संत-महंतों के निर्मल आशीर्वाद से लाखों लोग कष्टों से मुक्ति पा रहे हैं। यह सिलसिला त्रेता युग से आज तक निरंतर जारी है।

■ छत्रपति शिवाजी महाराज ने यहां की थी श्री दूधेश्वर नाथ महादेव की आराधना

■ रावण ने दूधेश्वर महादेव की पूजा अर्चना कर प्राप्त की थी सोने की लंका

दूधेश्वर नाथ की महिमा एवं प्राकट्य

मान्यता है कि गांव कैला की गायों को चरवाहे टीले पर चराने के लिये लाते थे । गायों को चरने के लिये छोड़कर ग्वाले पेड़ों के नीचे विश्राम करते थे। टीले के निकट ही एक तलाब था ,उससे गायें जल पिया करतीं थी। जब गायें टीले पर एक स्थान विशेष पर पहुंचतीं तो उनके थनों से स्वतः दूध टपकने लगता था। यह बड़ी विचित्र बात थी, जिसकी ओर ग्वालों ने कभी ध्यान ही नहीं दिया था । लेकिन कभी-न-कभी तो किसी का ध्यान इस ओर जाना ही था । हुआ यूं कि जब शाम के समय गायें अपने-अपने मालिकों के घर पहुंचतीं और उनका दूध निकालने का उपक्रम किया जाता तो कई गायें बिल्कुल दूध नहीं देती थीं अथवा बहुत कम दूध देती थीं। जब किसी न किसी गाय के साथ ऐसा होता पाया गया तो चर्चा शुरू हुई । चर्चा मे सबसे पहली बात तो यही कही गयी कि यह चरवाहों की करतूत हो सकती है । गायों को घर पहुंचाने से पहले ही वे उनका दूध निकाल लेते हैं। लेकिन सभी लोग इस बात से सहमत नहीं थे। क्योंकि ज्यादातर चरवाहे पीढियों से नगरवासियों की गायें चरते आ रहे थे और कभी किसी की ऐसी शिकायत नहीं मिली थी। लगातार चर्चा के बाद यही निर्णय हुआ की हो न हो चरवाहे ही गायों का दूध निकाल कर पी जाते हैं , इसलिये उन्हें धमकाया जाये ताकि वे अपनी हरकत से बाज आयें। इस विचार के साथ ही गांव वालों ने ग्वालों को धमकाया कि 'तुम गायों का दूध निकालकर पी जाते हो ,ऐसा करते तुम्हें शर्म नहीं आती । गाय के दूध की चोरी जैसा पाप क्यों करते हो ?' ग्वालों ने कहा कि 'हम कसम खा कर कहते हैं कि गायों का एक बूंद दूध भी हमने आज तक नहीं निकाला। हम पर ऐसा लांछन मत लगाओ, हम बिल्कुल निर्दोष हैं। चरवाहे थे तो बिल्कुल निरपराध ,निर्दोष मगर मामला उन्हें ही सुलझाना था। ग्वालों ने परस्पर विचार-विमर्श किया और निर्णय किया कि सभी ग्वाले गाय चराते समय पूरी तरह से सजग व सतर्क रहेंगे। समस्त ग्वाले दिनभर चौकस रहते। पेड़ों के नीचे बैठते जरुर ,मगर सोते नहीं थे। उन्होंने इस बात का पता लगाना शुरू किया कि कौन उन्हें बदनाम करने के लिये यह नीच हरकत कर रहा है। एक दिन अचानक ग्वालों ने देख की गायें इधर-उधर चरती रहीं तो कुछ नहीं हुआ लेकिन जैसे ही टीले के ऊपर एक स्थान विशेष पर पहुँची तो उनके थानों से दूध स्वतः ही टपकने लगा। कुछेक गायों के थनों से तो बाकायदा दूध की धार ही बहने लगी । जैसे ही गायें उस स्थान विशेष से अलग हटीं उनके थनों से दूध टपकना बन्द हो गया। इस अनोखी घटना को देख सभी चरवाहे हतप्रभ रह गये । यह महान आश्चर्यजनक घटना थी। चकित ग्वालों को एक बात की तो तसल्ली हो गयी कि अब उनपर लगा दूध चोरी का लांछन हट जायेगा ।शाम को लोटकर चरवाहों ने गाँवमें गायों के मालिकों से उक्त घटना के बारे में बताया तो सभी ने उनकी इस बात को मानने से इंकार कर दिया । गाँव वालों ने ग्वालों से कहा कि 'तुम एक झूठ को छिपाने के लिये अब दूसरा झूठ बोल रहे हो। ऐसी मनगढंत कहानी किसी और को सुनाना । हम क्या तुम्हें इतने मूर्ख दिखाई देते हैं कि तुम्हारी इस बे सिर-पैर की कहानी को सच मान लेंगे। काफी बहस के बाद तय हुआ कि अगले दिन ग्वालों के साथ गोपालक भी जायेंगे और घटना की सत्यता की स्वयं जाँच करेंगे। दूसरे दिन गायों के साथ ग्वाले व गाँव वाले भी टीले की ओर चल पड़े। टीले के पास गायों को चरने के लिये छोड़ दिया गया। गायें टीले पर इधर-उधर बिखर गयीं । ग्वालों के साथ ही उत्सुक गाँव वाले भी पेड़ों की छांव में बैठ गये। काफी देर के इंतजार के बाद गाँव वालों ने अपनी आँखों से उस चमत्कार को अपने सामने होते देखा ,जिसके बारे में चरवाहों ने उन्हें बताया था। टीले के स्थान विशेष पर पहुँची कुछ गायों के थानों से स्वतः ही दूध टपकने लगा। बाद में कुछ गायों के थानों से दूध की धार भी बहते देखी ।

गाँव वालो को ग्वालों की बात पर विशवास हो गया था ,उन्होंने ग्वालों से क्षमा मांगी और उन्हें गाँव में पहुँच कर सबके सामने दोषमुक्त कर दिया। इस विचित्र चमत्कारी घटना की खबर जंगल में आग की तरह आस-पास के तमाम क्षेत्रों में फैल गई। गाँव वालों ने फैसला किया की उस स्थान की खुदाई करके इस अदभुत दैवी रहस्य से पर्दा उठाया जाये। उधर कोट नामक गाँव में उच्चकोटि के ,दसनामी जूना अखाड़े के एक जटिल सन्यासी सिद्ध महात्मा को स्वप्न मे भगवान् शिव ने दर्शन देकर इस महत्वपूर्ण स्थान पर पहुँचने का आदेश दिया । भगवान् शंकर के आदेश का पालन करते हुए सिद्ध संत शिष्यों सहित इस पावन स्थल पर पहुँच गये। खुदाई का काम शुरू हुआ, शीघ्र ही एक जलहरी और एक दिव्य शिवलिंग द्रष्टिगोचर हुआ । गाँव वाले इस अदभुत शिवकृपा से अभिभूत थे । इस दिव्य स्थान पर जल स्रोत भी होना चाहिए कृऐसा बुजुर्गों ने विचार किया । खुदाई करने पर पास ही एक अनोखा कुआं निकला । जिसका जल कभी गंगाजल जैसा ,कभी दूध जैसा सफ़ेद तो कभी मीठा होता था। यह कुआँ आज भी सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर में विधमान है।

गाजियाबाद का श्रीदूधेश्वर नाथ महादेव मंदिर

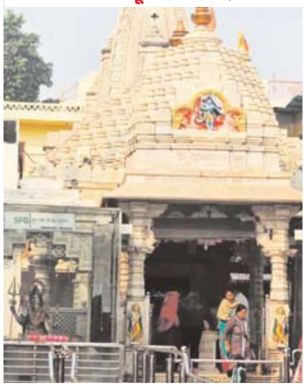

लगभग 350 वर्ष पूर्व औरंगजेब काल में मराठा वीर शिरोमणि छत्रपति शिवाजी अपने लाव लश्कर के साथ यहाँ पधारे थे। मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया और यज्ञशाला भी बनवाई थी जो आज भी मौजूद है और इच्छित मनोकामना पूर्ण होने के बाद वर्तमान में धर्मपाल गर्ग जी और उनके परिवार जनो ने मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया है। वहीं, भगवान् दूधेश्वर लिंग के दर्शन कर छत्रपति महाराज धन्य हो गये। उन्होंने मंदिर के जीर्णोद्धार का संकल्प लिया। शिवाजी महाराज ने यहाँ हवन भी किया था। उनके द्वारा जमीन खुदवा कर गहराई में बनवाया गया हवन-कुंड आज भी यहाँ मौजूद है। इसी हवन-कुंड के निकट वेद विद्यापीठ की स्थापना वर्तमान श्रीमहंत नारायण गिरी जी महाराज ने की है, जिसमे देश के कोने-कोने से आये विद्यार्थी वेद का ज्ञान अर्जित कर रहें हैं। कहा जाता है कि औरंगजेब के कारागार से निकल भागने के बाद छत्रपति शिवाजी यहाँ आये थे और यहाँ एकांत में हवन-पूजन व भगवान् दूधेश्वर का अभिषेक करने के बाद ही मराठा सैनिक मुगलों के दांत खट्टे करने के लिये निकला करते थे । यह क्रम काफी लम्बे समय तक चला था । पण्डित गंगा भट्ट द्वारा राजतिलक किये जाने के उपरांत शिवाजी ने श्री दूधेश्वर नाथ महादेव की महिमा से प्रभावित होकर महाराष्ट्र में एक गाँव बसाकर उसका नाम दूधेश्वर ग्राम रखा ,जो आज भी स्थित है । यह भी कहा जाता है कि शिवाजी महाराज ने महाराष्ट्र प्रस्थान से पूर्व पूर्ण विधि-विधान से श्री दूधेश्वर नाथ मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया था।

पीठाधीश्वर नारायण गिरी जी का बचपन भी अद्भुत रहा जिस उम्र बचपन में लोग खेलने में निकाल देते है, उस उम्र में इन्होने सन्यास लेकर कश्मीर से कन्याकुमारी तक पद यात्रा की। और श्री महंत जी ने जन जीवन को बहुत नज़दीक से देखा, समझा और जाना है। उन्होंने अपने पिता जी से मूल शिक्षा प्राप्त की। वहीं, साधनहीन मनुष्यों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा सुलभ कराने के उद्देश्य से श्रीमहंत नारायण गिरी जी महाराज ने अपने गुरूजी की पावन स्मृति में 'श्रीमहंत रामगिरी औषधालय' की स्थापना की। आने वाले साधुओं के विश्राम के लिये मंदिर परिसर में गौशाला के पास बरामदे में रुकने की व्यवस्था पूज्य श्रीमहंत नारायण गिरी जी ने बना रखी है। पीठाधीश्वर ने नित्य प्रति साधु-महात्माओं, अभ्यागतों के लिये अन्पूर्णा भंडार प्रातः चाय-नाश्ता, मध्यान्ह भोजन, सायंकालीन चाय-नाश्ता व रात्रि भोजन की व्यवस्था निःशुल्क मंदिर समिति की ओर से कराई है। नारायण जी ने कहा यह हमारी विरासत की छोटी सी कोशिश है जो हमारे भारतीय संतों की, महंतों की महापुरुषों की महानता को आने वाली पीढ़ियों को दिखा सके।

मठ-मंदिर का संचालन एवं पीठाधीश्वर नारायण गिरी का योगदान

मठ का संचालन श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा से संबंध महंत परंपरा से होता है। ऐतिहासिक सिद्ध पीठ श्री दूधेश्वरनाथ महादेव मठ मंदिर की श्रीमहंत परम्परा अति प्राचीन एवं समृद्धशाली है। इस परम्परा में ऐसे-ऐसे सिद्ध संत-महात्मा हुए हैं, जिन्होंने न केवल मंदिर के उत्थान के लिये कार्य किया बल्कि आध्यात्मिक एवं सामाजिक क्षेत्र में ऐसे अभूतपूर्व कार्य किये जो आम आदमी को अचंभित कर देने वाले हैं। लगभग 560 वर्ष पूर्व ज्ञात प्रथम श्रीमहंत वेणी गिरी जी महाराज से लेकर वर्तमान श्रीमहंत नारायण गिरी जी महाराज तक समस्त सोलह श्रीमहंत विद्वान, सहज और मठ के प्रति पूर्ण समर्पण का भाव रखने वाले हुए हैं। नारायण गिरी जी ने अपना जीवन मंदिर के लिए समर्पित कर रखा है।

मुख्यमंत्री ने किया रुद्राभिषेक

महंत नारायण गिरी ने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है जब कोई मुख्यमंत्री कावड़ मेले के दौरान दूधेश्वर नाथ मंदिर में तैयारी का जायजा लिया हो। मंदिर का महंत रहते हुए मुझे 40 साल हो गए। मुख्यमंत्री ने कावड़ मेल को लेकर हो रही तमाम तैयारियां के बारे में जानकारी ली थी। मुख्यमंत्री योगी ने इस मंदिर में रुद्राभिषेक भी किया। इसके बाद कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा कर अपनी श्रद्धा निवेदित की। सावन के महीने में लाखों श्रद्धालु मंदिर में दर्शन करने को पहुंचे है।

अब तक हुए मठ-मंदिर के महंतरू

दूधेश्वरनाथ महादेव मठ-मंदिर की श्रीमहंत परम्परा से अब तक 16 महंत हुए। इसकी शुरुआत 1511 में श्री श्री 1008 श्रीमहंत वेणी गिरी जी महाराज से शुरु हुई जो वर्तमान में श्री श्री 1008 श्रीमहंत नारायण गिरी जी महाराज इस परंपरा को अपना जीवन समर्पित कर आगे बढ़ा रहे हैं।

करारी हार के बाद राजद गरीबों के बीच आवाज बुलंद करते रहेंगे

पटना(आईएएनएस)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में मिली करारी हार के बाद राजद ने शनिवार को अपनी हार स्वीकार करते हुए कहा कि वह गरीबों की पार्टी है और गरीबों के बीच उनकी आवाज बुलंद करती रहेगी। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने शनिवार को सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर अपने आधिकारिक अकाउंट पर लिखा, ÷जनसेवा एक अनवरत प्रक्रिया है, एक अंतहीन यात्रा है। इसमें उतार-चढ़ाव आना तय है। हार में विषाद नहीं, जीत में अहंकार नहीं। राष्ट्रीय जनता दल गरीबों की पार्टी है, गरीबों के बीच उनकी आवाज़ बुलंद करते रहेगी। विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री और राजद के नेता तेजस्वी यादव ने अब तक कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है। जबकि विपक्षी दलों का महागठबंधन उनके नेतृत्व में ही चुनाव लड़ा था। महागठबंधन ने तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री उम्मीदवार भी घोषित कर रखा था। उल्लेखनीय है कि तेजस्वी यादव ने अपनी राघोपुर सीट किसी तरह बचा लिया, लेकिन इस चुनाव में राजद सहित महागठबंधन को करारी हार का सामना करना पड़ा। बिहार में 243 विधानसभा सीटें हैं। महागठबंधन में शामिल राजद ने 25 सीटों पर जीत हासिल की है जबकि कांग्रेस को 6 सीटों पर जीत मिली है। सीपीआई (एमएल) को 2 सीटें, जबकि सीपीआई (एम) और आईआईपी को एक-एक सीट मिली है। महागठबंधन में शामिल विकासशील इंसान पार्टी का सूपड़ा साफहो गया और उसका खाता भी नहीं खुल सका। दूसरी ओर, इस चुनाव में एनडीए को बंपर सीट मिली है। इस चुनाव में भाजपा 89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जबकि उसकी सहयोगी पार्टी जदयू को 85 सीटों पर जीत मिली है। लोजपाको 19 सीटों पर जीत मिली है, जबकि हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) पार्टी को 5 सीटों पर और राष्ट्रीय लोक मोर्चा को 4 सीटों पर जीत मिली है।

लालू की बेटी रोहिणी आचार्य ने छोड़ी राजनीति, परिवार से भी तोड़ा नाता

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की पुत्री रोहिनी आचार्या ने राजनीति छोड़ने का एलान किया है। इतना ही नहीं उन्होंने अपने परिवार से दूरी बनाने की भी घोषणा कर दी है। रोहिणी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मैं राजनीति छोड़ रही हूं और अपने परिवार से भी नाता तोड़ रही हूं। यह वही बात है जो संजय यादव और रमीज़ ने मुझसे कहने को कहा था। राजद की हार की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि मैं सारी ज़िम्मेदारी ले रही हूं।

दरअसल, रोहिणी आचार्य, तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव की राजद में दखल से नाराज चल रही हैं। 18 सितंबर को भी उन्होंने किसी अन्य के सोशल मीडिया पोस्ट को शेयर करते हुए तेजस्वी यादव के साये बने राज्यसभा सांसद संजय यादव को निशाने पर लिया था। उन्होंने अपने भाई तेजस्वी यादव के करीबी सांसद संजय यादव को निशाना साधते हुए लिखा था कि लालू-तेजस्वी की जगह लेने की कोशिश करने वालों को देखना पसंद नहीं करती हैं। रोहिणी आचार्य ने जो शेयर किया था, उसमें लिखा था कि- ÷फ्रंट सीट सदैव शीर्ष के नेता - नेतृत्वकर्त्ता के लिए चिन्हित होती है और उनकी अनुपस्थिति में भी किसी को उस सीट पर नहीं बैठना चाहिए .. वैसे अगर ÷कोई÷ अपने आप को शीर्ष नेतृत्व से भी ऊपर समझ रहा है, तो अलग बात है।

मेरे लिए मेरा आत्म-सम्मान सर्वोपरि

रोहिणी ने अपने पिता लालू प्रसाद यादव को जीवनदान देने वाला फेटो-वीडियो शेयर करते हुए लिखा है- "जो जान हथेली पर रखते हुए बड़ी से बड़ी कुर्बानी देने का जज्बा रखते हैं, बेखौफी-बेबाकी-खुद्दारी तो उनके लहू में बहती है। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी लिखा था कि ÷मैंने एक बेटी व बहन के तौर पर अपना कर्त्तव्य एवं धर्म निभाया है और आगे भी निभाती रहूंगी। मुझे किसी पद की लालसा नहीं है, न मेरी कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा है। मेरे लिए मेरा आत्म-सम्मान सर्वोपरि है।"

अब रोहिणी की यह दोनों पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। रोहिणी के समर्थकों ने लिखा कि बिहार एक बेटी की यह कुर्बानी कभी नहीं भूलेगा। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के लिए आपने जो किया उसे भूला नहीं जा सकता। दूसरे समर्थक ने लिखा कि अपनी किडनी अपने पिता को देकर आपने उन्हें जीवनदान दिया।

राजद में किसी तरह की गलतफहमी नहीं है

रोहिणी ने पोस्ट के बाद राजद के सांसद, तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव रोहिणी आचार्य के आरोपों पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने साफ कहा कि रोहिणी दीदी ने जो कहा, उसका संदर्भ हम सब भली-भांति समझते हैं। पार्टी पूरी तरह से एकजुट है, और किसी प्रकार का कोई भ्रम या मतभेद नहीं है। राजद में किसी तरह की गलतफहमी नहीं है।

करेंसी प्रिंटिंग के लिए चीन का रुख कर रहे भारत के पड़ोसी देश

पाकिस्तान में घरेलू प्रिंटिंग प्रेस में छापता है करेंसी

नई दिल्ली। चीन करेंसी प्रिंटिंग का नया हब बनता जा रहा है। कई अन्य देशों की तरह नेपाल भी करेंसी प्रिंटिंग के लिए चीन का रुख कर रहा है। नेपाल के केंद्रीय बैंक ने 1000 रुपए के 43 करोड़ नोटों की प्रिंटिंग के लिए टेंडर जारी किया था और यह टेंडर चीन की एक कंपनी ने जीत लिया। भारत के कई पड़ोसी जैसे- नेपाल, श्रीलंका, थाइलैंड, बांग्लादेश अपने करेंसी नोट चीन में ही छपवाते हैं। पिछले कुछ सालों में चीन एशियाई देशों में करेंसी प्रिंटिंग का सबसे बड़ा हब बनकर उभरा है। जिसका सीधा असर अमेरिका और ब्रिटेन के प्रिंटिंग मार्केट पर पड़ रहा है।

पाकिस्तान की बात करें तो वो अपनी करेंसी नोट ज्यादातर घरेलू प्रिंटिंग प्रेस में ही छपवाता है, लेकिन कुछ मीडिया रिपोर्ट्स बताती हैं कि पाकिस्तान चीन से भी इसके लिए सहयोग लेता है।

सीबीपीएमसी दुनिया का सबसे बड़ा करेंसी प्रिंटर है, जो चीन में स्थित है। इसमें 18,000 से अधिक कर्मचारी काम करते हैं। अमेरिका और ब्रिटेन की तुलना में चीन में करेंसी प्रिंटिंग काफी सस्ती है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के पड़ोसी देश नेपाल की तरह ही चीन की कोलोरडांस तकनीक और 30-40त्न कम लागत के कारण यहां से अपनी करेंसी प्रिंट करा रहे हैं।

अमेरिका और ब्रिटेन के बाजार पर पड़ रहा असर

चीन की सस्ती करेंसी प्रिंटिंग का असर अमेरिका और ब्रिटेन के प्रिंटिंग बाजार पर पड़ रहा है। इन बाजारों की पहुंच विकासशील देशों तक है। चीन में करेंसी प्रिंटिंग की कीमतें अमेरिका और ब्रिटेन के मुकाबले लगभग आधी है और गुणवत्ता समान है। ऐसे में विकासशील देश पश्चिमी कंपनियों से दूरी बना रहे हैं और चीन की ओर रुख कर रहे हैं।

पांच वर्षों में भारत एक ग्लोबल मैरीटाइम शिपिंग हब बन जाएगा

■ भारत ने शिपबिल्डिंग एक्टिविटी में तेजी लाने के लिए मजबूत समर्थन उपाय शुरू किए

नई दिल्ली(आईएएनएस)। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने दक्षिण कोरिया के जियोजे में हनवा ओशन की विशाल शिपबिल्डिंग फैसिलिटी का दौरा किया।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था 'भारत' सभी सेक्टर्स में मजबूत ग्रोथ और एनर्जी सेक्टर के साथ मिलकर पीएम मोदी के नेतृत्व में 'विकसित भारत' की यात्रा की ओर आगे बढ़ते हुए बड़े लेवल पर पार्टनरशिप और निवेश के अवसरों को पेश करता है।"

केंद्रीय मंत्री पुरी ने आगे कहा कि कोरियाई शिपिंग कंपनियों के पास ज्ञान और क्षमता है वहीं, भारत के पास मांग, स्किल्ड मैनपावर और सही नीतियां हैं, जो भारत की 'मेक इन इंडिया' पहल से जुड़ी हैं और इसे दोनों देशों के लिए एक बेहतरीन पार्टनरशिप में बदल सकती हैं।

उन्होंने आगे कहा, "यह एक सही समय है। साथ ही, शिप बनाने को लेकर हमारा आपसी सहयोग ग्लोबल डिमांड को पूरा करने को लेकर एक बेहतरीन उदाहरण पेश करेगा। पांच वर्षों में हम न केवल अपने वेसल की लागत वसूल कर लेंगे बल्कि भारत को एक ग्लोबल मैरीटाइम शिपिंग हब के रूप में भी स्थापित करेंगे।"

केंद्रीय मंत्री पुरी ने एक्स पर बताया कि भारत ने शिपबिल्डिंग एक्टिविटी में तेजी लाने के लिए मजबूत समर्थन उपाय शुरू किए हैं। इन उपायों में भारत में निर्मित जहाजों के लिए 15-25 प्रतिशत कैपिटल सपोर्ट, शिप रिसाइक्लिंग के लिए 5 प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन, इक्विटी फाइनेंसिंग के लिए मरीन डेवलपमेंट फंड, 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान और ग्रीनफील्ड शिपयार्ड और क्लस्टरों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर सपोर्ट शामिल है। केंद्रीय मंत्री पुरी ने एक्स पर लिखा, "हमारी एनर्जी पीएसयू एनर्जी माल ढुलाई के लिए सालाना आधार पर लगभग 5-8 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च करती हैं और उन्हें शुरू से ही 59 वेसल की जरूरत बनी हुई है। हनवा ओशन जैसी बड़ी ग्लोबल कंपनियों के लिए सहयोग कर भारत में वेसल बनाने का एक बहुत बड़ा अवसर मौजूद है।"

ईवीएम को लेकर अखिलेश पर भड़के ओवैसी

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीए की बंपर जीत के बाद राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। एक तरफ महागबंधन से जुड़े सपा प्रमुख अखिलेश यादव जैसे नेता अपनी हार का ठीकरा ईवीएम और एसआईआर पर फोड़ रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी जैसे नेता उनको नसीहत देते दिख रहे हैं।

बिहार में ओवैसी की पार्टी ने पांच सीटें जीती हैं। उन्होंने कहा, मैं बिहार की जनता को एआईएमआईएम को वोट देने के लिए धन्यवाद देना चाहता मैं उन 5 सीटों पर जीत हासिल करने वाले सभी उम्मीदवारों और पार्टी सदस्यों को इतनी मेहनत करने के लिए धन्यवाद और बधाई देना चाहता हूं। हम बिहार की जनता के जनादेश को स्वीकार करते हैं। मैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का भी धन्यवाद करना चाहता हूं। हम सीमांचल के कल्याण के लिए काम करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने अखिलेश यादव पर हमला करते हुए कहा, "मैं इतना बड़ा राजनेता नहीं हूं लेकिन मुझे नजर आ रहा था कि ये नतीजे आ सकते हैं। हां इतनी उम्मीद नहीं थी कि ये लोग 200 के पास चले जाएंगे। अब उनको सोचना है, अगर वह वही पुराना रिकॉर्ड शुरू कर देंगे कि ओवैसी जिम्मेदार है तो बहुत अच्छा है, शुक्रिया है। मेरा गाना बजाते रहो।"

एआईएमआईएम चीफ ने कहा, "अगर आप वाकई में कुछ सुधार करना चाहते हैं तो कब तक आप ईवीएम और एसआईआर के बारे में बकवास बातें करेंगे। इसको छोड़िए और देखिए कि आपकी कमजोरी कहां है? अगर आप इस तरह से सोचते रहेंगे कि हम राजा हैं और जनता प्रजा है और वो वोट डालेगी तो ऐसा नहीं होने वाला है। वो जमाना खत्म हो चुका है।"

'वो बीजेपी को क्यों नहीं रोक पा रहे, जरा सोचें'

उन्होंने आगे कहा, "अफसोस की बात है कि अखिलेश यादव अभी भी कर रहे हैं कि इस कामयाबी के लिए बिहार का एसआईआर जिम्मेदार है, यह अफसोस की बात है। हम भी नहीं चाहते थे कि एनडीए जीते हमने पूरी कोशिश की, आप सीटें देने को तैयार नहीं थे, इसके बाद भी हमने पूरी कोशिश की। अब उनको सोचना है कि वो लोग बीजेपी को क्यों नहीं नहीं रोक पा रहे।"

संक्षिप्त खबरें

सेल्समैन के घर से नकदी-जेवर पार

रायपुर/नवप्रदेश। डीडी नगर इलाके में चोरों ने एक सेल्समैन के घर धावा बोला। घर के पीछे से चोर भीतर घुसे। इसके बाद सोने-चांदी व नकदी चुराकर भाग निकले। इसकी शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक महादेवघाट रायपुरा निवासी धीरज देवांगन सेल्समैन का काम करता है। 11 नवंबर को वे अपने परिवार के साथ बाहर चले गए। दो दिन बाद सुबह लौटे तो घर के पीछे के दरवाजे का कुंदा टूटा हुआ था। घर के भीतर का सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी का लॉक टूटा मिला। उसमें रखे सोने-चांदी के जेवर जिसमें चांदी की 2 जोड़ी मोटी पायल, करधन, चांदी की चेन, सोने का हार, सोने का मंगलसूत्र, सोने की चेन, सोने की बाली, सोने की अंगूठी आदि और नकदी सहित 1 लाख से अधिक सामान गायब था। इसकी शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफकेस दर्ज कर जांच शुरू की है।

दिसंबर-जनवरी की सेमेस्टर परीक्षा के आवेदन शुरू

रायपुर/नवप्रदेश। पं रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में सेमेस्टर परीक्षा दिसंबर-जनवरी 2025-26 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। एमए इन ट्रायबलस्टडीज एंड इंडियन नॉलेज सिस्टम, एमए इन ट्रायबल, एमए इन वूमेन एंड जेंडर स्टडीज, एमए इन योगा, बी कॉम, एम कॉम के प्रथम सेमेस्टर और बी वॉक इंटीरियर डिजाइनिंग, बी वॉक फैशन डिजाइन पांचवें सेमेस्टर के आवेदन जारी हैं। परीक्षार्थी 19 नवंबर तक आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी ऑनलाइन आवेदन किए जा सकेंगे।

स्वास्थ्य संयोजक भर्ती परीक्षा के मॉडल उत्तर

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल ने ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक पुरुष एवं ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक महिला भर्ती परीक्षा के मॉडल उत्तर जारी कर दिए हैं। अभ्यर्थी व्यापमं की वेबसाइट पर मॉडल उत्तर देख सकते हैं। संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं के अंतर्गत रिक्त पदों के लिए भर्ती परीक्षा का आयोजन 9 नवंबर को किया गया था। अभ्यर्थी वेबसाइट में प्रदर्शित उत्तरों पर दावा आपत्ति 19 नवंबर दोपहर 3 बजे तक करा सकते हैं।

भगवान की लीलाएं जीवन को जागृत करने वाली : इन्दुभवानन्द

रायपुर/नवप्रदेश। खमतराई बाजार में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में भगवान के बाल लीला प्रसंग का वर्णन किया गया। शंकराचार्य आश्रम के प्रमुख स्वामी इन्दुभवानन्द तीर्थ महाराज ने बताया कि भगवान की लीला से प्रपंच का विस्मरण हो जाता है। भगवान लीला मनोरंजन नहीं बल्कि जीवन को जागृत करने वाली है। इसमें छल कपट, प्रपंच का भी कोई स्थान नहीं है। मन और ध्यान पूर्वक श्रवण करने से सदमार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। भगवान अपनी लीलाओं से संदेश देते हैं। कुछ लीलाएं समाधि के लिए होती हैं, कुछ लीलाएं ज्ञान बढ़ाने के लिए होती हैं।

14 नई परियोजनाएं, एक लाख हेक्टेयर खेतों को मिलेगा पानी

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश में 14 नई सिंचाई परियोजना को सैद्धांतिक सहमति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ सिंचाई परियोजना मंडल की 33वीं बैठक हुई। यह वर्तमान सरकार के कार्यकाल की पहली बैठक रही, जिसमें प्रदेश की सिंचाई क्षमता बढ़ाने, भूजल स्तर सुधारने और शहरी क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति पर चर्चा की गई। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों के लिए 14 नई परियोजनाओं को सैद्धांतिक सहमति प्रदान की गई। मुयमंत्री ने कहा कि किसानों की आय में वृद्धि और कृषि उत्पादन बढ़ाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से सिंचाई नेटवर्क का लगातार विस्तार किया जा रहा है। सिंचाई रकबा बढने् से न केवल किसानों को लाभ मिलेगा बल्कि भूजल स्तर में सुधार होगा और पेयजल आपूर्ति को बेहतर ढंग से सुनिश्चित किया जा सकेगा। बैठक में सरगुजा, बस्तर सहित मैदानी इलाकों तक सिंचाई सुविधाओं के विस्तार पर व्यापक चर्चा की गई। मुयमंत्री ने सभी परियोजनाओं की रूपरेखा, लागत और उनके लाभों की विस्तृत जानकारी ली और कहा कि प्रदेशभर में संतुलित विकास सुनिश्चित करने के लिए इन परियोजनाओं को गति प्रदान की जाएगी इन परियोजनाओं के माध्यम प्रदेश में लगभग एक लाख हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई क्षमता में वृद्धि होगी। बैठक में उप मुयमंत्री अरुण साव, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, मुय सचिव विकास शील सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

नई सिंचाई परियोजनाएं

इन परियोजनाओं में बस्तर जिले के अंतर्गत देउरगांव बैराज सह उदवहन सिंचाई परियोजना, बस्तर जिले के अंतर्गत मटनार बैराज सह उद्धवहन सिंचाई, रायपुर जिले के विकासखंड आरंग में महानदी पर मोहमेला सिरपुर बैराज योजना, अहिरन से गाजरीनाला जल संवर्धन निर्माण (खारंग अहिरन लिंक परियोजना) कार्य, बिलासपुर जिले के कोटा विकासखंड अंतर्गत छपराटोला फीडर जलाशय परियोजना, कुहारी जलाशय जल क्षमता वृद्धि (जलावर्धन) योजना के अंतर्गत समोदा बैराज से कुहारी जलाशय तक पाइप लाइन बिछाने का कार्य, दुर्ग जिले के विकासखंड धमधा के सहगांव उद्धवहन सिंचाई योजना, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में लमती फीडर जलाशय एवं नहरों का निर्माण कार्य, राजनांदगांव जिले में स्थित मोहारा एनीकट में पेय जल हेतु चौकी एनीकट से मोहारा एनीकट तक पाइप लाइन के माध्यम से जल प्रदाय योजना, जशपुर जिले के मैनी नदी में बगिया बैराज सह दाबयुक्त उद्धवहन सिंचाई योजना की स्वीकृति प्रदान की गई।

विश्व मधुमेह दिवस पर मेडिसिन विभाग में जागरूकता कार्यक्रम एवं सेमिनार का आयोजन

रायपुर/नवप्रदेश। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के मेडिसिन विभाग द्वारा विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर ओपीडी परिसर में मधुमेह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मरीजों एवं उनके परिजनों को मधुमेह के कारण, लक्षण, रोकथाम तथा उपचार संबंधी आवश्यक जानकारियों से अवगत कराना था।

कार्यक्रम के दौरान मेडिसिन विभाग के पीजी छात्रों ने विस्तृत प्रस्तुति देकर मधुमेह के प्रकार, जोखिम कारक, जीवनशैली में सुधार, नियमित जांच और दवा (इंसुलिन प्रबंधन) के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इस अवसर पर मेडिसिन विभाग के विशेषज्ञ डॉक्टर उपस्थित रहे और उन्होंने मरीजों की प्रश्नों एवं शंकाओं का समाधान भी किया।

अम्बेडकर अस्पताल अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने कहा कि विभाग की ओर से आयोजित किए जाने वाले ऐसे जन जागरूकता कार्यक्रमों से लोगों में मधुमेह के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और अधिक से अधिक लोग समय रहते मधुमेह की पहचान एवं उपचार प्राप्त की ओर अग्रसर होंगे।

ओपीडी जागरूकता कार्यक्रम के उपरांत विभाग द्वारा मधुमेह विषय पर एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में डॉ. कल्पना दास (एमडी, डीएम, एंडोक्राइनोलॉजिस्ट) मुख्य अतिथि एवं विशेषज्ञ वक्ता के रूप में शामिल रहीं। उन्होंने मधुमेह के आधुनिक उपचार पद्धतियों, विशेषकर इंसुलिन के सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग के बारे में विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि नियमित मॉनिटरिंग और सही समय पर इंसुलिन की खुराक लेना मधुमेह नियंत्रण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सेमिनार में मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. एस. चंद्रवंशी ने मधुमेह की रोकथाम, प्रारम्भिक पहचान और जन- जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्वस्थ आहार, नियमित व्यायाम, तनाव नियंत्रण, समय-समय पर शुगर जांच एवं निर्धारित दवाओं के नियमित सेवन को मधुमेह नियंत्रण की मुख्य कुंजी बताया।

मेडिसिन विभाग के डॉक्टरों ने बताया कि इस वर्ष विश्व मधुमेह दिवस की थीम डायबिटीज एंड वेल-बीइंग रखी गई है जिसका उद्देश्य मधुमेह से प्रभावित लोगों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करना है।

आईएएस पिंगुआ और किरण कौशल को दी चेतावनी

रायपुर/बिलासपुर/नवप्रदेश। हाईकोर्ट ने नियमितीकरण संबंधी अवमानना के एक और मामले में आईएएस मनोज कुमार पिंगुआ आईएएस किरण कौशल को चेतावनी देते हुए कोर्ट के आदेश पर अमल करने का निर्देश दिया है। कॉलेजों में मेडिकल प्रोफेसर, अस्टिटेंट प्रोफेसर, डिमोस्ट्रेटर के पदों पर 15 सालों से संविदा के तौर पर कार्यरत लोगों ने हाईकोर्ट में नियमितिकरण को लेकर याचिका दायर की थी। इनका कहना था कि लंबी सर्विस रिकार्ड के बाद भी सरकार नियमितिकरण पर ध्यान नहीं दे रही है, जबकि उनकी योग्यता और काम वही है जो नियमित वालों से लिया जाता है।। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं के पक्ष में फैसला देते हुए वर्ष 2018 में इन्हें नियमित करने कहा था। कालेजों और सरकार की ओर से इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की गई थी। बाद में वर्ष 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने भी हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए तीन महीने में आदेश का पालन करने कहा था। इसके बाद भी सरकार ने ध्यान नहीं दिया। लगातार अदालती आदेश की अवमानना करने पर दिसंबर 2024 में हाईकोर्ट में एडवोकेट सूर्या कन्वलकर डांगी के जरिये अवमानना याचिका लगाई गई। जिस पर लगातार सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने अब दो आईएएस अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कोर्ट के आदेश पर अमल करने का निर्देश दिया है।

ENTRY	BRANCHES
AFCAT Entry	Flying/ Technical/ Weapon Systems/ Administration/ Logistics/ Accounts/ Education/ Meteorology
NCC Special Entry	Flying (NCC Air Wing 'C' certificate is mandatory)

- Online test only for AFCAT entry
- Aadhaar card is mandatory for online registration
- Registration dates **changed from 10 Nov - 09 Dec 2025 to 17 Nov - 14 Dec 2025.**
- For more details, refer to Employment News dated 08 Nov 2025 and for detailed notification visit our website **careerairforce.gov.in** and **afcat.edcil.co.in**

Online registration through careerairforce.gov.in and afcat.edcil.co.in

For updates, follow us on

'DISHA' Cell, Air Headquarters, Vayu Bhawan, Motilal Nehru Marg, New Delhi - 110106 Tel: 011-23013690 | Toll-free No.: 1800-11-2448 | E-mail: careeriniaf@gmail.com

CBC 10801/13/0021/2526

ज़िंदगी के नवरस

– पल्लवी त्रिपाठी

दुबी काफी देर से आईने में झांक रही थी। उसने अभी-अभी एक्टिंग क्लासेज़ में दाखिला लिया था। 'थिएटर शॉप' में विश्वजीत सर उनकी क्लासेज़ लिया करते थे। वहीं से सीखकर वह अपनी भाव भंगिमाओं को वो पढ़ रही थी। देखने में तो वो साधारण ही थीं पर कुछ दिनों से उसे एक्टिंग का भूत सवार हो गया था। फिल्में देखने का शौक तो उसे बचपन से था, वो फ़िल्मों में भाग भी लेना चाहती थी, पर पहले उसे कैमरे के पीछे रहने का दिल करता था। ये सब तब बदला जब उसने जीना रोलैंड्स, विवियन लेह, रेनी जीन फाल्कोनेट्टी और एलिजाबेथ टेलर की फिल्में देखी। 'हूज़ अफ्रेड ऑफ़ वर्जीनिया वूल्फ़?', 'गॉन विद द विंड', 'ए स्ट्रीटकार नेम्ड डिज़ायर', 'द पैशन ऑफ़ जोन ऑफ़ आर्क' और 'अ वूमन अंडर द इन्फ्लुएंस' देखकर दुबी के अंदर का एक्टिंग का कीड़ा घर कर गया था। इन क्लासिक फिल्मों को देखकर उसके अंदर इंडियन फिल्मों को भी खंगालने की ललक हुई, तो उसने स्मिता पाटिल, शबाना आजमी, वहीदा रहमान को अपना गुरु माना। कागज़ के फूल, प्यासा तो उसने ना जाने कितनी ही बार देखी, उसका गाना 'हमने तो बस कलिया मांगी' की लिप सिंक उसने ना जाने कितनी ही बार कर रखी थी।

उसने एक्टिंग क्लास में ही जाकर नवरस के बारे में जान था। अभी वो इंजीनियरिंग के थर्ड ईयर की छात्रा थी तो वो अपने आपको युवा ही समझती थी। नवरस का विचार भरत मुनि द्वारा रचित नाट्यशास्त्र नामक एक प्राचीन ग्रंथ से आया है। यह ग्रंथ नवरस का वर्णन करता है, जिसका अर्थ है नौ अलग-अलग भावनाएँ या मनोभाव। ये भावनाएँ नृत्य, संगीत और नाटकों जैसी भारतीय कलाओं में भावनाओं को दर्शाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। नवरस इस प्रकार हैं:

श्रृंगारः प्रेम, आकर्षण, सौंदर्य
हास्यः हास्य, विनोद
करुणाः दुख, सहानुभूति
रौद्रः क्रोध, उग्रता
वीरः वीरता, साहस
भयानकः भय, डर
बीभत्सः घृणा, वितृष्णा
अद्भुतः आश्चर्य, विस्मय
शांतः शांति, संतोष

इन रसों को हम अपने चेहरे से कैसे व्यक्त करे विश्वजीत सर यही उसे सिखा रहे थे और वो आईने में इन्हीं रसों को अपने चेहरे पर उकेर रही थी। विश्वजीत सर ने उसे एक डायलॉग चूज कर इन्हीं नौ रसों को अपने चेहरे से व्यक्त करते हुए वीडियो बनाने को कहा था। उसने डायलॉग चुना था:

"ज़िंदगी बड़ी कुत्ती चीज़ है। कब किसे काट खाएगी क्या पता?"

उसने इस डायलॉग को हर रस में बोला:

श्रृंगार रस में प्रेमपूर्ण ढंग से:

"ज़िंदगी, बड़ी कुत्ती चीज़ है। कब किसे काट खाएगी क्या पता?"

हास्य रस में हंसते हुए:

"ज़िंदगी, बड़ी कुत्ती चीज़ है। कब किसे काट खाएगी क्या पता?"

करुणा रस में सहानुभूति पूर्वक:

"ज़िंदगी, बड़ी कुत्ती चीज़ है। कब किसे काट खाएगी क्या पता?"

रौद्र रस में क्रोधपूर्वक:

"ज़िंदगी बड़ी कुत्ती चीज़ है। कब किसे काट खाएगी क्या पता?"

वीर रस में साहस पूर्वक:

"ज़िंदगी बड़ी कुत्ती चीज़ है। कब किसे काट खाएगी क्या पता?"

भयानक रस में भयपूर्वक:

"ज़िंदगी बड़ी कुत्ती चीज़ है। कब किसे काट खाएगी, क्या पता?"

वीभत्स रस में घृणापूर्वक:

"ज़िंदगी बड़ी कुत्ती चीज़ है। कब किसे काट खाएगी क्या पता?"

अद्भुत रस में आश्चर्यपूर्वक:

"ज़िंदगी बड़ी कुत्ती चीज़ है। कब किसे काट खाएगी क्या पता?"

शांत रस में शीतलतापूर्वक:

"ज़िंदगी बड़ी कुत्ती चीज़ है। कब किसे काट खाएगी क्या पता?"

दुबी अब हर रोज शिव जी के सोमनाथ मंदिर, जो कि उसके ही घर के पीछे वाली गली में था, जाने लगी थी। वैसे तो वो भगवान की दीवानी नहीं थी, पर उसकी आस्था जुड़ी हुई थी उसके काम से। वो भगवान से रोज प्रार्थना करती थी उसकी जिंदगी खुशहाल हो जाए और उसे उसके कामों में सफलता प्राप्त हो।

उसी मंदिर में एक और औरत आती थी। उनका नाम तो दुबी ने कभी पूछा नहीं, उनका शरीर कांपता था पर वो मंदिर बिना गैप किए प्रतिदिन आती थी। पूछने पर पता चला कि उन्हें पार्किनसन्स नामक एक बीमारी है जो लाइलाज है। इस बीमारी में ना केवल शरीर बल्कि दिमाग भी साथ देना छोड़ने लगता है। वो महिला दुबी से पांच-छे साल ही बड़ी होगी उम्र में पर उन्हें ऐसी लाचार देखकर पर उसका मन करुणा से भर गया, उनके साहस को सलाम करने का भी दिल चाहा, आश्चर्य भी था कि ऐसी लाइलाज बीमारी में भी वो भगवान से प्रार्थना करना नहीं भूलती। पर फिर खयाल आया कि शायद भगवान उनकी ही परीक्षा ज्यादा लेते है जिनकी श्रद्धा उनमें अधिक होती है, जो ज्यादा करीब होते है उनके, बिल्कुल जोन ऑफ आर्क की तरह।

एक सोमवार को दुबी ने उनसे बात कर ही ली। उनसे उनका नाम भी पूछ लियाः उनका नाम था तृष्णा। वो भी इंजीनियरिंग की हुई थी कंप्यूटर साइंस में, बीमारी के पहले स्टेज पर वो भी जॉब करती थी इन्फोसिस में। पर जैसे जैसे बीमारी ने उन्हें घर कर लिया सब छोड़ना पड़ा, उन्हें धीरे धीरे आदत डालनी पड़ी तिल तिल कर जीने की। अब वो बिना मदद मांगे चल- दौड़ भी नहीं सकती थी। उन्होंने बताया कि उन्हें भी फ़िल्म देखने का बहुत शौक था और जो फिल्में दुबी ने बताई थी वो वाकई में बेहद खूबसूरत फिल्मे है और यही बात उन्हें समय के कटघरे में अजर बनाती हैं। रही बात नवरस की तो इस बीमारी ने उन्हें सारे रस दिखा ही दिए हैं अपनी जिंदगी की। जब वो भगवान से अपने दिल की बात कहती तो श्रृंगार रस से कहती, कभी कभी उन्हें अपने हालातों पे हंसी आती की क्या से क्या होगया तो हास्य रस, उनके मम्मी पापा और चिर परिचित लोगों के साथ होती तो करुणा रस उत्पन्न होता था। पहले पहल जब बीमारी ने अपना रौद्र रूप नहीं दिखाया था तब वो घरेलू नुस्खे वगैरह आजमाया करती थी और जब वो अपना काम नहीं करते थे तब उसे बहुत गुस्सा आता था, छोटी छोटी बात भूलना धोखा लगता था जो उस शरीर ही उसे दे रहा था तो रौद्र रस वहां भी देखा। जब बीमारी को एक्सेप्ट कर उसके साथ जीने का फैसला किया तब वीर रस क्योंकि बहुत लोग तो हार मान जाते है और खुदकुशी जैसे फैसले ले लेते है, हॉलीवुड एक्टर रॉबिन विलियम्स ने भी ऐसा ही किया था पर दूसरे अमेरिकी एक्टर माईकल जे फॉक्स इसी बीमारी के साथ कई दशक पूरे कर चुके है उनकी फैमिली भी उनका पूरा साथ देती है, उन्होंने अपनी जीवनी ÷स्टिल÷ फिल्म में दिखाई है।

जब भगवान भी कुछ नहीं कर पा रहे है या उनकी कुछ अलग ही चीज मंजूर है मालूम हुआ तो मन में भय बैठ गया। पर मन में दृढ़ निश्चय था कि अगर भाग्य में दुख भोगना लिखा है तो पूरा दुख भोगकर ही जाऊंगी। तृष्णा शादी भी तय होगई थी पर जब अपनी बीमारी के बारे में बताया तो लड़के वालों ने शादी तोड़ दी। उस समय वीभत्स रस कहिए या लाचारी कहिए उन्होंने कई दिनों तक खाना पीना छोड़ दिया था। उन्हें खुद से घृणा होने लगी थी। पर परिवार का साथ पाकर वो आश्चर्य से बीमारी को एक्सेप्ट कर जब तक है सांसे तब तक हार नहीं मागूंगी वाला संकल्प उन्हें एक अलग ही शान्ति देता है।

ये सब देख सुनकर दुबी गहरे सोच में पड़ गई। एक ही दिन में जैसे उसने ज़िंदगी जी ली हो। और जो ÷ज़िंदगी बड़ी कुत्ती चीज़ है। कब किसे काट खाएगी क्या पता?÷ इस वाक्य को भी बदलने की सोची ÷ज़िंदगी के मायने सबके लिए अलग है, कभी धूप तो कभी छांव है। जी लो जब तक है ज़िंदगी क्योंकि कब चले जाए इसका ठिकाना नहीं।÷ इस वाक्य पर उसने फिर नवरस बनाया और विश्वजीत सर को भेज दिया वीडियो। सर भी आश्चर्य में पड़ गए कि इतनी गहरी बात इतनी छोटी उम्र में कैसे कह दी दुबी ने।

एक व्यंग्य वृतांत : सुनिये मी-लॉर्ड/अदालत का एक दिन

डॉ. किशोर अग्रवाल

यह काफी पहले की बात है तब मैं राजस्व विभाग में नायब तहसीलदार था ।लिहाजा स्थानीय बार के अधिकांश वकीलों से अच्छा खासा परिचय था और कुछ से तो लगभग मुहब्बत के करीब की चीज हो गया था । मै खूब पढकर बड़ी मेहनत से माल मुकदमों के फैसले लिखता । मेरे कुछेक फैसले अपीलों में बड़ी अदालतों में भी जब बरकरार रखे गये तो वकीलों में मेरा नाम हो गया कि मेरे फैसले दुरूस्त होते हैं । लंच में कभी कभी जिला अदालत के वकील मुझे चाय पर बुला लेते । आइये कोर्ट के एक दिन की बानगी पेश करता हूं ।

तहसील व सिविल कोर्ट के बीच ज्यादा दूरी न थी सो जाने में देर भी न लगती व ड्यूटि की समरसता से ब्रेक भी मिल जाता था । ऐसे ही एक दिन अपने एक वकील मित्र के बुलावे पर मैं जिला अदालत की ओर पैदल ही चल दिया । वहां पहुंचकर देखा कि एक चौहद्दी के भीतर भिन्न भिन्न प्रकार के नर प्राणियों की भीड़ उंडेल दी गई थी ।जो इधर उधर चारों तरफ कुलबुला रहे थे । कुछ चबूतरों पर पसरे थे कुछ टाइपराइटरों की भीड़ मे फंसे बाबू और मुंशी टाइप के टाइपिस्टों से मुसलसल दरखास्तें और दरयाफ्तों के लिये अर्जियां बनवा रहे थे । इन टाइपिस्टों की लियाकत कुछ इस तरह से पुख्ता थी कि होटलों में हलवाई की मदद करने वाले छोकरे केवल अपने अभ्यासवश कभी कभी समोसे व शक्करपारे बना डालते हैं जो स्वाद में भले ही कैसे भी हों पर आकृति से उन्हे जाना जा सकता है कि क्या बनाया गया है । ऐसे ही इन बाबू मुंशियों द्वारा तैयार की गई अर्जियों से अदालतों के काम चलते हैं , क्योंकि वकील पेशियां बढवाने में सिद्ध हस्त भले ही हों पर अर्जी जैसी फालतू चीज पर वे अपना समय नही बिगाड़ते । यह काम फरीक को खुद ही करना होता है और इसमें इन अर्जी मुन्शियों का अमला खूब काम आता है । इस समय यह काम बड़े जोरों पर चल रहा था। कुछ गत यौवना फाहशा औरतें जब उनका सौदा होना बंद हो गया तो चालू कपड़े पहनकर भुने चने, मूंगफलियों की छाबड़ियां लिये वहीं कोर्ट के आसपास डोल रही थीं व बूढे ,अधेड़ व विकलांग आसामियों को लगभग उनकी गोद में बैठकर लुभा रही थी । एक मुच्छड़ एक तिरपाल के नीचे सांडे के तेल से भरी शीशीयों में मर्दानगी और न जाने क्या क्या वापस लाने का नुस्खा बेच रहा था । कुछ बूढे मुकदमा भूलकर नवजीवन की आस में लार टपकाते वहां जमे हुए आंखों से अश्लील इशारे कर रहे थे। सायकल स्टेंड वाले को कोर्ट के बाहर एक छोटा कोना नीलाम पर मिल गया था पर ÷सबै भूमि गोपाल की÷ की तर्ज पर उसने उसका विस्तार कर लिया था । अपने इस सफल प्रयास में उसने न केवल कोर्ट के बाहर हाई वे के बगल वाली जगह के साथ भीतर सटे कलेक्टरेट परिसर के बरामदों और ध्वजारोहण स्थल तक पर कब्जा जमा लिया था बल्कि उसकी दरियादिली की लपेट में एक आम सड़क भी आ गई थी जो तभी दिखती थी जब कोर्ट बंद हो जाता व सायकलें हट जाती ।

यहां रह रह कर थोड़ी थोड़ी देर में ठेकेदार का ग्राहकों से टाइमिंग को लेकर या स्कूटर मोटर सायकलों के पेट्रोल कम हो जाने की शिकायत को लेकर झगड़ा होता रहता । आवाज बातचीत से हौल हुज्जत में बदलती हुई तेज गालियों के सम पर टूटती और आशा बंध जाती कि बस मारपीट शुरू होने वाली है पर ठेकेदार बनियों की सी चतुराई से गलती कबूल कर हर्जे की भरपाई कर देता व हमारी न्याय व्यवस्था का आनंद लेने से एक फरीक बच जाता। शहर , बस्ती व रिस्तेदारियों में जो लोग रमेश रस्तोगी बी0ए0, एल एल0बी0 कहकर परिचय देते अघाते नही हैं वे यहां कोर्ट के बरामदों में तख्तो फट्टों व कबाड़ पर बड़ी संख्या में फैले और पड़े हुए नजर आते हैं ।यहां बैठकर काम करने का नजारा और भी विचित्र होता है । वहां बरामदों में रखे लगभग सभी टेबिलों व कुर्सीनुमा कबाड़ के नीचे ताले और जंजीरें लटक रही थी जो कोर्ट बंद होने पर बांध दी जाती थी । इससे एक बात के लिये दिल आश्वस्त हो लेता है कि अपने यहां कबाड़ का भी मोल है और उसके चोरी होने का डर भी ।जब मैं वहां से गुजरा तब इन पर बैठे निकम्मे वकील जम्हाई ले रहे थे , किसी वकील की बैंच पर दो ग्रामीण महिलाएं बैठी चनाबूट छीलकर खा रही थी और कचरा फैला रही थी । एक आसामी गूगली फेंकने की अदा से एक पैर पर टिककर व तिरछा होकर एक वकील से मामले के हालात अर्ज कर रहा था । तभी बाजू वाले वकील के मुंशी ने टाइपराइटर का रोलर बाजू की तरफ खींचा जो उस आसामी के कुल्हे से एक सेंटीमीटर पहले रुक गया । ऐसा नापतौल व मैथेमेटिक्स सिर्फ हमारे यहां ही संभव है ।अब उसके यूं तिरछा खड़ा होने की वजह समझ में आई। जब न्यायालय की बिल्डिंग बनती है तब उसमें अधिवक्ता कक्ष बनाने की रस्म भी रखी जाती है पर प्रायः पिचानबे प्रतिशत वकील यूं ही बरामदों में वकालत करते नजर आते हैं । जैसे जेल में सौ बंदियों के सेल में जमादार ढाई सौ बंदियों को बेंड़ देता है वैसे ही बरसों से लगातार वकालत पास कर रहे कानूनी श्रमजीवी इन बरामदों में समाते आ रहे हैं । कुत्ते बड़े चपल व लचीले होते हैं वे बला के फूर्तीले भी होते हैं यह बात न्यायालय परिसर में घूमते आवारा कुत्तों को देखकर आसानी से समझी जा सकती है । ये प्रायः हर अदालत परिसर में पाये जाते हैं। वे कुल पांच या शायद छह रहे होंगे । जिनमें एक काला रेड ब्राउन आंखों वाला मुखिया था । यह आगे आगे बैठे लोगों की टांगों के बीच चपलता से निकलता व शेष चारों पांचों अनुगमन करते । जिनकी टांगों के बीच से यह रैली गुजरती वह शख्स आंख मींचे , दांतों पर दांत दबाये चुपचाप बैठा रह जाता । फिर ये बाहर गेट तक जाते इधर उधर सूंघते , दांयी या बांयी टांग सुविधानुसार उठाकर दीवार पर लगे सिमेंट को और पक्का करते और वापस बरामदे में चले आते । फिर नैपथ्य मे किसी कम आवृत्ति वाली आवाज पर चौंक कर कारणों का पता लगाने मुखिया अचानक आवाज की दिशा में लपक पड़ता । अनुयायी आपाधापी में दौड़ते तब जरूर कोई महिला बच्चा या अपाहिज गिर पड़ते । सुबह से बोरियत से बैठे पक्षकार नाराजगी की जगह ठठाकर हंस पड़ते ।ये शायद यहीं पैदा हुए थे इन्हे कोर्ट के चप्पे चप्पे का पता था । मेरे मित्र वकील ÷चेबर÷ में ,जैसा कि वह इसे कहा करते थे , बैठे थे । इसमें इतनी ही रियायत थी कि यह मुख्य भवन के अधिवक्ता कक्ष के भीतर था । वे वहीं पड़ी एक कुरसी पर नमुदार थे । लगभग बीस वकील वहां भी ठुंसे पड़े थे । संयोग से जब मैं वहां पहुंचा , इजलास का टी टाइम था। ऐसा नही कि टी टाइम के पहले कोई बड़ा मैच खेला जा चुका हो और सुस्ताने को टी टाइम हुआ हो । कोर्टो का र्ढा वही पुराना ही रहता आया है। सुबह सबेरे कोर्ट के बरामदों में सोये भिखारी और नामालूम से इक्का दुक्का पागल सोकर उठ जाते व बिना कोई दिशा मैदान किये शहर में खो जाते । कोने वाले चबूतरे पर टूटा आयना पैरों में दबाए दो तीन लोग बहरुपियों का मेकअप करते । ये वही लोग तय करते कि आज क्या बनना है। पास वाली गुमटी में धूंआ उठने लगता तो रात को ही पेशी कराने पहुंच चुके फरियादियों को चाय की तलब लगने लगती । उधर कोर्ट का फर्राश ललकारता हुआ लेटे पड़े कोढ़ियों व भिखारियों को बेदखल करता झाड़ू लगाकर कचरे को समभाव से फैलाकर सफाई का झूठा आभास फैला देता।

सायकिलों पर अर्जीनवीस ,मुंशी ,पनवाड़ी ,सींगदाने, चने बेचनेवाले , कोर्ट व उसके आसपास पहुंचने लगते हैं। फिर कुछ जमानतखोर वकील जिन्हें सिर्फ जमानत की अरजी लिखने हलफनामा तैयार करने या छोटी मोटी दरखास्तें लिखने तक का ही हुनर मालूम होता है वे सायकिलों से टायपराइटर उतार कर जमाते और खटखटाने लगते । मोटरों के हार्न, चने बेचने वालों की पुकार , लोगों की हाय तौबा और तरह तरह की आवाजों से कोर्ट का पेंदा और छत जब फटने को हो आती तब ग्यारह के आसपास मी-लार्ड पहुंचने लगते। हैसियत के अनुसार सायकल ,स्कूटर और कार में । कभी कभी पैदल भी। आजकल कोर्ट की पूल व्हीकल में आने का चलन है। चूंकि वकीलों व जजों की वेशभूषा एक सी रहती है अतः ये इस भीड़ में खोकर तैरते हुए अपने कोर्ट के रिटायरिंग चैंबर तक पहुंचते । मुंशी इनकी फायलें टिफिन का डिब्बा पानी की बोतल मुकदमों की पेटियां जिनमें आज सुनाए जाने हेतु घर पर तैयार किये फैसलों की मिसलें रखी होती लाकर चैंबर में पहुंचा देता। जिंदगी भर से इंतजार करते पक्षकार बार बार डायस पर निगाहें डालते कि हुजूर आ गये क्या? कोर्ट का चपरासी बार बार उन्हें बाहर भगाता। बारह के लगभग कोर्ट सुनवाई पर आता व डेढ बजे लंच। ढाई बजे बचे हुए मुकदमे और दो चार दरखास्तों पर सुनवाई , नये पंजीयन , बयान , बहस और आदेश । जेल वारंट और हाहाकार , फिर टी टाइम। इसी टी टाइम पर मैं मित्र वकील से मिलने पहुंचा था। कोर्ट की दुर्दशा पर बात करते चाय हुई, परिचित वकीलों से कुछ हंसी ठठ्ठा । अब कोर्ट का माहौल बदल गया था , पुकार लगना बंद हो गई थी । जेल वारंट तैयार होने लगे , सुनवायी को लाये गये बंदी वापस मोटरों में ठूंसे जाने लगे। जिनकी पुकार नही हुई थी वे बेचैन होने लगे। एक बुढ़िया जिसके बेटे को पिछले महिने फुटपाथ पर से दूषित खाद्यपदार्थ बेचने के जुर्म में पकड़ा गया था वह जमानत के लिये कई बार अर्जी लगा चुकी थी । पैसों की कमी से कोई जुगाड़ू वकील नही लगा पा रही थी। मेरे मित्र वकील ने उसे साथ लिया और कोर्ट के भीतर चल दिये और मैं अपने तहसील ऑफिस की ओर।

सुनो भाई : उधो आसामियो

परमानंद वर्मा

उवत सुरुज के अगोरा
बिहनिया के उगत,
सुरुज देवता
तोर चरनन के प्रभु जी
मंय दासी हववं
बीच नदिया में रहिके
पियासी हववं।।
फिल्म 'कहि देबे संदेश

स्व. श्री मनु नायक जी के फिल्म 'कहि देबे संदेश के ये सदाबहार गीत छत्तीसगढ़िया मनखे मन के रग-रग मं बसे, हिरदे मं समाय हे। जब जिहां, जतका बेर ये गीत बजथे, उही मेर थिरक जथे। परेम, करुणा, दया, मया के सबो रस एमा समाय हे।

उगत सुरुज के अगोरा प्रतीक्षा, वइसने होथे जइसे गरभ मं रेहे महतारी ला अपन संतान के होथे, सोचथे- बेटी होही ते बेटा, कारी होही ते गोरी, किसान मन अपन गाभिन गाय के होथे, कब जनमही, तब दूध-दही खाय-पिये ले मिलही, परेमिका सोचथे- कब मोर पेरमी संग बिहाव होही तब ओ सुख मिलही, जेकर सब बेटी-बहिनी ला अगोरा रहिथे।

प्रगतिशील कवि स्वरगीय भगवती सेन के कविता संग्रह 'नदिया मरय पियास मं इही बात के जिकर करेहे। अरे नदिया, कुंआ, सागर भला कभू, कइसे पियास मरही? फेर कभू-कभू अइसने मउका आ जथे जइसने नइ होने चाही, वो हो जथे। परेम, पानी, पियास बने-बने के बने हे फेर कहूं घोड़ी असन छटारा मार देथे तब-तब जीव अड़बड़ करलावत ले रहि जथे, परान छूटके बरोबर लगथे, अब तब निकल जही का?

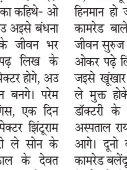

जानकार,समझदार, विद्वान, ज्ञानी, पंडित मन कहिथे- जउन मजा छटपटाय मं हे, तड़पे मं हे ओ मजा सिद्धो मं मिले कोनो चीज मं नइहे। भइया डॉ. विनोद कुमार वर्मा के उपन्यास 'उगत सुरुज के अगोरा लगथे वइसने कस कथा संसार ला ले के गुंथे गे हे। सिद्धो मं रबड़ी खाय बर कोनो ला नइ मिलय, घर मं गाय बांधबे, खेत मं बीज बोये ले परथे, बिहाव करे ले परथे। अगोरा करे ले परथे, बारह कुंआ मं बांस डारे ले परथे। तब कहूं सुरुज याने फल हाथ लगथे। अउ कतको के नसीब, भाग अइसे होथे, फुटहा करम के जीवन भर अगोरा करत रहि जाए, सुरुज उगत बादर ओकर भाग, तकदीर के सुरुज ला घेर के रख लेथे, उगते नइ देवय। उवत सुरुज के अगोरा, छत्तीसगढ़ी उपन्यास उपन्यास के उपन्यासकार डॉ. विनोद कुमार वर्मा ये उपनम्यास मं अइसे पात्र के चयन करे हे जेकर मन के जीवन तलवार के धार मं चले बरोबर हे। नक्सली पृष्ठभूमि पर आधारित जंगल, बंदूक, जीवन अउ मौत अइसन खतरनाक माहौल मं परेम के फूल अंकुरित होगे राहय। निर्मला अउ झिंटूराम अलग-अलग जात बिरादरी के आन-आन (दूसर) गांव के रहइया रिहिन हे। जवाहर नवोदय विद्यालय मल्हार मं एके संग मं नवमी कक्षा मं पढ़त रिहिन। इही बीच दूनो मं ओ का कहिथे- ओ 'परेम झपागे अउ अइसे बंधना मं बांध दीस के जीवन भर कलंक होगे। पढ़ लिख के झिंटूराम सब इंस्पेक्टर होगे, अउ निर्मला डॉक्टरिन बनगे। परेम उछाल मारे लगिस, एक दिन निर्मला सब इंस्पेक्टर झिंटूराम ला अपन अंगुरी ले सोन के मुंदरी ला निकाल के देवत बोलिस- झिन्टू ए मुंदरी ला संभाल के राखबे, एहा मोर चिनहाहे। एला जब जब तंय देखबे तब-तब मोर सुरता आही। अतका काहत-काहत फफक के रो डरिस निर्मला। इही ला तो सुगहर अउ सात्विक परेम कहिथे। ये स्कूल ले बिदागरी के समे के बात हे। झिंटू अपन-आप ला नइ संभाल सकिस अउ गंगा-जमुना कस धार उकरो आंखी डहर ले बोहाय ले धर लीस। एकर बाद ओकर मन के जीवन में भारी उलटफेर होथे। झिंटूराम पुलिस मं भरती हो जथे, हवलदार ले सब इंस्पेक्टर बन जथे। नक्सली क्षेत्र मं ड्यूटी लगथे, ओकर मन संग मोर्चा लेवत कभू घायल होय तब कभू जीवन ला होम देके मौका मं बड़ मुसकिल मं परान बचावत रहिथे, बकरे की अम्मा कब तक खैर मनाही, आखिर बकरा बघुआ के आंघू मं कहां टिकही, एक दिन झपट लीन बघवा (नक्सली) मन झिंटू राम ला। निर्मला ला जब ये खबर मिलिस तब दुख के पहाड़ टूटगे, एकर पहिली दूनो के भेंट होय रिहिसे तब झिंटूराम निर्मला के देय मुंदरी ला लहुटावत कहिथे- मंय खतरा से खेलत हौं निर्मला, ये मुंदरी ला संभाल ले, कोनो दूसर के हाथ लग जाही तब येकर हिनमान हो जाही। कथा आघू बढ़थे। निर्मला कामरेड बालेंदु के संपर्क मं आथे। ओकर जीवन सुरुज इही मेर बने बग-बग ले उग जथे। ओकर पढ़े लिखे के जोखा बन जथे। शुभगन जइसे खूंखार आतंकवादी नक्सली के इलाका ले मुक्त होके डॉक्टरी के पढ़ई केनिकलगे। डॉक्टरी के पढ़ई के बाद ओहर रामकृष्ण अस्पताल रायपुर में डॉ. अंशुमन के संपर्क मं आगे। दूनो के प्रेम विवाह हो जथे सशर्त। कामरेड बलेंदू के बेटी-बेटा के पालन-पोषण मं जिम्मेदारी निभाय के वादा के संग) बालेंदु दम्पत्ति के नक्सली मन हत्या कर दे रिहिन। उही बालेंदु हे जेन डॉ. निर्मला के जीवन ला सरग बनाय मं मदद करिस तब उकरो करतब बनथे के अनाथ होय ओकर संतान मन के जीवन ला उजियार करय।

दुख बस एके बात के होइस जउन ओकर हिरदय के अंगना मं गुलाब सही सुंदर अंकुरित कस चुक-चुक ले फूल खिले रिहिसे उही उगत सुरुज के अगोरा करत रिहिसे निर्मला फेर ओ कहां मिलिस, अइसन होथे भी कहां, ये तो अपन-अपन भाग हे। कोनो-कोने ला अपन ओ पिया मिल जथे जेकर अगोरा करत रहिथे।

गीत -
मन के मन मोहनी
दिल के तंय जोगनी
ओ ठुमुक जान के,
ओ ठुमुक जान के।
मंय तो पहिरे हों
चुरी खिनवा गा
तोरे च नाव के,
हां... हां तोरे च नांव के।।

आज का इतिहास

पं. देवव्रत शर्मा

मेष राशिः आज आपका मन आध्यात्म के प्रति अधिक रहेगा। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जाने का प्लान बनायेंगे।

वृष राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपके काम आपके मन-मुताबिक पूरे होंगे। मित्रों के साथ किसी खास विषय पर बातचीत होगी, जिससे आपको ही फायदा होगा। किसी भी काम को करने में पूरा मन लगेगा।

मिथुन राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स को कड़ी मेहनत करने की जरूरत है।

कर्क राशिः आज थोड़ी-सी मेहनत से आपको बड़ा मुनाफा मिलने वाला है। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। रूका हुआ काम अगर फिर से शुरू करेंगे, तो वह जरुर पूरा हो जायेगा।

सिंह राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। लोगों का विश्वास आप पर बना रहेगा। इस राशि के हाई एजुकेशन पाने की ख्वाहिश रखने वाले स्टूडेंट्स के लिये आज का दिन अनुकूल है।

कन्या राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपको ऑफिस के अधिकारियों के साथ ताल-मेल बनाकर कार्य करने की जरुरत है। आज आपको धन लाभ के नए सोर्स नजर आयेंगे।

तुला राशिः आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आज ऑफिस में बड़े अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। आमदनी में इज़ाफ़ा होने के आसार नज़र आ रहे हैं। पूरे दिन खुद को तरोताज़ा महसूस करेंगे।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज इलेक्ट्रॉनिक सामान की खरीदारी करने का मन बनायेंगे। किसी कोर्ट केस का फैसला आने में देर होगी। आप जो भी कार्य करने की सोचेंगे।

धनु राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। इस राशि के लवमेट के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा। जरूरतमंद मित्रों की तरफ आप मदद का हाथ बढ़ायेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मकर राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आप परिवार वालों के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे। इस राशि के जो लोग मार्केटिंग से जुड़े हुए हैं, उन्हें तरक्की के कई सुनहरे मौके मिलेंगे।

कुम्भ राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। घर में खुशी का माहौल बनेगा। संतान पक्ष से आपको खुशी मिलेगी। जीवनसाथी के साथ आपका तालमेल बढ़िया रहेगा। करोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे।

मीन राशिः आज आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे। आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा। इस राशि के इंजीनीयर्स अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे।

QUIZ TIME

1) किस ग्रंथ में उल्लेख है कि अछूत द्वारा छुआ गया पानी उच्च जाति के लिए पीने योग्य नहीं माना जाता?

2) भारत और सिंगापुर के बीच द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास अग्नि वारियर 2024 कहाँ आयोजित किया गया?

3) हंटिंगटन रोग मानव शरीर की किस प्रकार की कोशिकाओं को प्रभावित करता है?

4) याला ग्लेशियर, जो समाचारों में देखा गया था, किस देश में स्थित है?

5) किस संगठन ने हाल ही में लिविंग प्लैनेट रिपोर्ट जारी की?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) आपस्तम्बधर्मसूत्र (2) महाराष्ट्र (3) मस्तिष्क कोशिकाएं (4) नेपाल (5) वर्ल्ड वाइल्ड फंड

शब्द सागर

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर 'रन फार यूनिटी'

■ पदयात्रा में गूंजा एकता का संदेश

रायपुर/नवप्रदेश। लौह पुरुष एवं भारत देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर भाजपा जिला रायपुर की ओर से रन फॉर यूनिटी पदयात्रा का आयोजन आज 14 नवंबर को दोपहर 3 बजे किया गया। पदयात्रा में भाजपा संगठन,प्रदेश,जिला,मंडल सहित सैकड़ों युवाओं, माताओं, बहनों व आम नागरिकों ने भाग लिया। भाजपा जिला रायपुर द्वारा यह पदयात्रा दानी स्कूल से प्रारंभ होकर कोतवाली चौक, कंकाली पारा चौक तात्यापारा चौक,ललिता चौक राठौड़ चौक स्टेशन रोड होते हुए फाफाडीह स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल कि प्रतिमा के समक्ष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कर समापन किया गया।

पदयात्रा में देश भक्ति धुनों के साथ भारत माता की जयकारा लगाते हाथों में तिरंगा झंडा लिए विभिन्न स्कूल के छात्र एवं छात्राएं भी पदयात्रा में शामिल थी। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से रायपुर लोकसभा के सांसद बृजमोहन अग्रवाल जी,रायपुर पश्चिम के विधायक राजेश मूणत ,रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा,रायपुर दक्षिण के विधायक सुनील सोनी धरसीवां विधायक अनुज शर्मा जी,भाजपा जिला रायपुर के अध्यक्ष रमेश ठाकुर विभिन्न आयोग,मंडल के अध्यक्ष प्रफुल्ल विश्वकर्मा संजय श्रीवास्तव राजीव अग्रवाल पार्षद बद्री प्रसाद गुप्ता,पार्षद श्वेता विश्वकर्मा,महामंत्री अमित मैशरी शाह,गुंजन प्रजापति,तुषार चोपड़ा,अकबर अली, एवं संगठन एवं प्रदेश व जिले के अनेक पदाधिकारीगण,विभिन्न मंडल के अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

जवाहर नगर मंडल अध्यक्ष संदीप जंघेल एवं मीडिया प्रभारी प्रणीत जैन ने बताया कि रन फार यूनिटी' पदयात्रा का भव्य स्वागत जवाहर नगर मंडल द्वारा राठौड़ चौक में किया। स्वागत में उपस्थित मंडल के पदाधिकारियों ने पदयात्रा में शामिलसभी पर पुष्प वर्षा कर विशिष्ट जनो को रंग बिरंगे पुष्पों की माला पहनाई। सरदार वल्लभ भाई पटेल के जयकारों एवं वंदे मातरम के नारों से पूरा राठौड़ चौक गूंज उठा। आज के कार्यक्रम में विशेष रूप से जवाहर नगर मंडल के अध्यक्ष संदीप जंघेल तात्यापारा वार्ड की पार्षद एवं जोन 7 अध्यक्ष श्रीमति श्वेता विश्वकर्मा जी,मंडल महामंत्री रमेश शर्मा,उपाध्यक्ष साजन श्रीवास,नीलू तलमेल,चंद्रेश शाह,पूर्व जिला अध्यक्ष राजेश पांडे,अर्पित सूर्यवंशी,शंकर साहू,प्रियंका साहू,सरोज गुरूगोसाई,पूनम सोनी,वेणुका शुक्ला,मीडिया प्रभारी प्रणीत जैन,मनीष शर्मा,रिखी राम श्रीवास,कुशल गेंडेकर,कौशल जंघेल,आनंद कामडे,शंकर शर्मा,सूरज शर्मा,विनय शर्मा, भरत कुंडे, आदि।

विश्व मधुमेह दिवस पर मेडिसिन विभाग में जागरूकता कार्यक्रम एवं सेमिनार का आयोजन

रायपुर/नवप्रदेश। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के मेडिसिन विभाग द्वारा विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर ओपीडी परिसर में मधुमेह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मरीजों एवं उनके परिजनों को मधुमेह के कारण, लक्षण, रोकथाम तथा उपचार संबंधी आवश्यक जानकारियों से अवगत कराना था।

कार्यक्रम के दौरान मेडिसिन विभाग के पीजी छात्रों ने विस्तृत प्रस्तुति देकर मधुमेह के प्रकार, जोखिम कारक, जीवनशैली में सुधार, नियमित जांच और दवा (इंसुलिन प्रबंधन) के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इस अवसर पर मेडिसिन विभाग के विशेषज्ञ डॉक्टर उपस्थित रहे और उन्होंने मरीजों की प्रश्नों एवं शंकाओं का समाधान भी किया।

अम्बेडकर अस्पताल अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने कहा कि विभाग की ओर से आयोजित किए जाने वाले ऐसे जन जागरूकता कार्यक्रमों से लोगों में मधुमेह के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और अधिक से अधिक लोग समय रहते मधुमेह की पहचान एवं उपचार प्राप्त की ओर अग्रसर होंगे।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर किया नमन

रायपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने महान जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन किया है। राजभवन में राज्यपाल ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। साथ ही उनकी जयंती के अवसर पर मनाए जाने वाले ÷जनजातीय गौरव दिवस÷ की प्रदेश एवं समस्त देशवासियों को विशेष रूप से सभी जनजातीय भाई-बहनों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना सहित राजभवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

चिकित्सा महाविद्यालय में बाल दिवस पर पंडित नेहरू का पुण्य स्मरण

रायपुर/नवप्रदेश। भारतवर्ष के प्रथम प्रधानमंत्री भारत रत्न पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्म दिवस 14 नवम्बर, बाल दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य के सबसे पुराने और सबसे बड़े पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर में उनका पुण्य स्मरण किया गया। अधिष्ठाता डॉ. विवेक चौधरी और अन्य संकाय सदस्यों के द्वारा चिकित्सा महाविद्यालय भवन के प्रवेश द्वार पर स्थापित पंडित नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात उपस्थित सभी चिकित्सा शिक्षकों ने पंडित नेहरू की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस अवसर पर अधिष्ठाता डॉ. विवेक चौधरी ने पंडित नेहरू के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा पंडित नेहरू सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे हैं और उन्होंने भारत के विकास की मजबूत नींव रखी है। उन्होंने वैज्ञानिक दृष्टिकोण, शिक्षा के प्रसार, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। इसी कारण उनका जन्मदिन बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह चिकित्सा महाविद्यालय छत्तीसगढ़ का सबसे पुराना एवं सबसे बड़ा संस्थान होने के कारण पंडित नेहरू की स्मृति से विशेष रूप से जुड़ा हुआ है। इस अवसर पर डॉ.मंजू सिंह, डॉ. एम. के. साहू, डॉ. जया लालवानी, डॉ. ओ. पी. सुंदरानी, डॉ. उषा जोशी, डॉ. ओंकार खंडवाल, डॉ. सुमित त्रिपाठी, डॉ. निकिता शेरवानी, डॉ.कुशल चक्रवर्ती एवं अन्य संकाय सदस्य उपस्थित थे।

महाराष्ट्र मंडल की आपुलकी योजना को प्रशासन का साथ

रायपुर/नवप्रदेश। महाराष्ट्र मंडल का बहुप्रतीक्षित 'आपुलकी' प्रकल्प दिसंबर में शुरू हो, इससे पहले ही प्रशासनिक अधिकारियों ने इसे हाथों- हाथ लेते हुए और भी बड़े पैमाने पर इस प्रकल्प को शुरू करने कहा है। कलेक्टर गौरव सिंह ने हफ्ते भर में महाराष्ट्र मंडल की ओर से इस प्रकल्प का बड़े स्वरूप में प्रपोजल बनाकर कलेक्टोरेट में लाने कहा है। बताते चलें कि वित्त विभाग के सचिव मुकेश बंसल और कलेक्टर गौरव सिंह ने महाराष्ट्र मंडल को सौजन्य भेंट दी। इस दौरान मंडल के अध्यक्ष अजय मधुकर काले ने उन्हें मंडल की भावी योजनाओं की जानकारी दी। काले ने उन्हें दिसंबर से शुरू हो रहे महत्वाकांक्षी वरिष्ठ जन डे केयर वाली आपुलकी योजना की जानकारी दी। साथ ही यह भी याद दिलाया कि एक अक्टूबर को वृद्धजन दिवस पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भी छत्तीसगढ़ शासन की 'सियान गुड़ी' योजना की घोषणा की है, जो महाराष्ट्र मंडल के आपुलकी प्रोजेक्ट से ही मिलती- जुलती है। जिसे रायपुर सहित दुर्ग, बिलासपुर और कोरबा में शुरू किया जाना है।

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी प्रारंभ-किसानों की मेहनत का सम्मान हमारा संकल्प :सीएम

रायपुर/नवप्रदेश। भोर की पहली सुनहरी किरणों के साथ आज छत्तीसगढ़ में धान खरीदी की प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इसे किसानों की मेहनत और सरकार पर उनके विश्वास का उत्सव बताते हुए कहा कि राज्य सरकार धान खरीदी को पूरी तरह व्यवस्थित, पारदर्शी और समयबद्ध रूप में संचालित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि धान खरीदी की सभी तैयारियाँ समय पर पूर्ण कर ली गई हैं और प्रदेश के सभी उपार्जन केंद्रों में आवश्यक आधारभूत सुविधाएँ पूरी तरह सुनिश्चित की गई हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को कोई परेशानी न हो, इसके लिए सभी जिलों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं।धान खरीदी व्यवस्था को तकनीक-सक्षम बनाते हुए सरकार ने इस वर्ष तुँहर टोकन एप, जीपीएस आधारित परिवहन, सतर्क एप, और कमांड-एंड-कंट्रोल सेंटर जैसे आधुनिक सिस्टम लागू किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर कदम पर हमारी प्राथमिकता किसानों को सुविधा, सम्मानजनक खरीदी और समय पर भुगतान सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों का अटूट विश्वास ही छत्तीसगढ़ की प्रगति की असली ताकत है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की आत्मा हमारे किसान हैं। आज शुरू हो रही धान खरीदी उनके परिश्रम को सम्मान देने का अवसर है।

धान खरीदी की शुरुआत के साथ ही प्रदेशभर में किसानों में उत्साह का माहौल है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पारदर्शी प्रक्रिया और मजबूत तकनीकी व्यवस्था से इस बार की खरीदी और अधिक सहज और व्यवस्थित होगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्धि का यह सफर आज फिर एक नई उम्मीद और किसानों के अटूट विश्वास की रोशनी के साथ आगे बढ़ रहा है।

मंत्रिमंडल की बैठक में बिजली के दाम में कटौती

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश की जनता को उम्मीद थी कि मंत्रीमंडल के बैठक में राज्य सरकार 400 यूनिट बिजली बिल योजना को फिर से शुरू करेगी। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि बिजली के दामो को बढ़ाकर जनता को लूटने में मस्त भाजपा सरकार ने न बिजली के दाम में एक रू. की कटौती किया और न ही पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय चल रही 400 यूनिट तक खपत तक बिजली के दाम आधा करने को फिर से शुरू करने का कोई निर्णय लिया।प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सरकार बिजली के दाम बढ़ाकर जनता को लूट रही है। सरकार चाहे तो बिजली के दाम कम करने के अनेकों तरीके है। सरकार बिजली बिल हाफयोजना को फिर से शुरू कर जनता को राहत दे सकती है। सरकार चाहे तो बिजली के दाम में भी कमी कर सकती है। छत्तीसगढ़ में उत्पादन लागत एवं रख रखाव खर्च से ज्यादा बिजली के दाम वसूलकर सरकार मुनाफा कमा रही है। सरकार चाहे तो इसमें कटौती कर जनता को राहत दी जा सकती है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कोयले के दाम में कमी के कारण विद्युत उत्पादन का खर्च कम हो गया है। सरकार की नीयत जनता को राहत देने का हो तो इस आधार पर भी जनता को राहत दिया जा सकता है।

केपीएस ने बाल दिवस मस्ती और उल्लास के साथ मनाया

रायपुर/नवप्रदेश। केपीएस सरोना, रायपुर ने सभी वर्गों के विद्यार्थियों के लिए मस्ती, सीख और उत्साह से भरपूर एक जीवंत बाल दिवस समारोह का आयोजन किया। यह कार्यक्रम मनोरंजन, शिक्षा और रचनात्मकता का एक आदर्श मिश्रण था जिसने इसे सभी के लिए एक यादगार दिन बना दिया।

दिन की शुरुआत एक विशेष सभा से हुई जहाँ विद्यार्थी इस अवसर का जश्न मनाने के लिए एकत्रित हुए। प्रधानाचार्या अर्चना मिश्रा ने अपने प्रेरक संबोधन में बचपन के महत्व पर ज़ोर दिया और विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने और अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस दिन के महत्व पर प्रकाश डाला, जो भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती का प्रतीक है, जिन्होंने बच्चों को प्यार से 'भारत के फूल' कहा था।

छात्रों ने ट्रैम्पोलिन पर उछल-कूद करते हुए खुशी का अनुभव किया और अविस्मरणीय यादें बनाईं। उत्साह मिकी माउस स्लाइडिंग के साथ जारी रहा, जहाँ विद्यार्थियों ने हँसी-मज़ाक किया और अपने साहसिक उत्साह का प्रदर्शन किया।'आई एम कलाम' की एक विशेष वृत्तचित्र स्क्रीनिंग ने छात्रों को भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जीवन गाथा से प्रेरित किया, जो उन्हें दृढ़ता और दृढ़ संकल्प के बारे में बहुमूल्य सबक सिखाती है। छात्र ऑस्कर विजेता लघु वृत्तचित्र 'द एलीफेंट व्हिस्परर' से मंत्रमुग्ध हो गए, जिसमें वन्यजीव संरक्षण, जानवरों के प्रति सहानुभूति और करुणा के महत्व पर प्रकाश डाला गया था। दिन का समापन 'डांस मेनिया' नामक एक रोमांचक कार्यक्रम के साथ हुआ, जिसमें सभी ने लोकप्रिय संगीत की धुनों पर नृत्य किया, अपने नृत्य कौशल का प्रदर्शन किया और खूब आनंद लिया।

बच्चों के साथ मिलकर उठाया न्योता भोज का आनंद

■ बाल दिवस के अवसर पर न्योता भोज का आयोजन

रायपुर/नवप्रदेश। 14 नवम्बर को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस (बाल दिवस) के उपलक्ष्य पर कान्यकुब्ज सभा-शिक्षा मण्डल आशीर्वाद भवन, रायपुर द्वारा संचालित आशीर्वाद हायर सेकेंडरी इंग्लिश स्कूल में न्योता भोज का आयोजन हर्षोल्लास से किया गया । समाज के अध्यक्ष श्री सुरेश मिश्रा जी ने अपने उद्बोधन में बच्चों को बालदिवस बधाई दी 7 सचिव श्री राजकुमार दीक्षित जी ने बच्चों को सच्चाई एवं ईमानदारी की राह पर चलने की बात कही । स्कूल की प्राचार्या ने अपने उदबोधन में पंडित जी के जीवन से जुड़ी घटनाओं का उल्लेख कर उनसे प्रेरणा लेने की बात कही। इस कार्यक्रम में शिक्षकों ने मोबाइल की बढ़ती लत पर प्रस्तुति दी । इस अवसर पर शाला के शिक्षकों ने अपने बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम तैयार किया था। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में ष्ठश्वह्र ऑफिस से सुरेश अवस्थी, जे. आर. दानी स्कूल के प्राचार्य श्री हितेश दीवान थे 7 कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष सुरेश मिश्रा, सचिव राजकुमार दीक्षित, उपाध्यक्ष नीता अवस्थी, उपाध्यक्ष संजय अवस्थी, सहसचिव प्रमोद कुमार मिश्रा, सहसचिव अनुराग पाण्डेय, गिरजा शंकर दीक्षित आदि।

मुख्यमंत्री को नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने लिखा पत्र

■ सहकारी समितियों की समस्याओं का निराकरण करने में सरकार असफल : महंत

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने प्रदेश के मुख्यमंत्री को दो अलग अलग पत्रो के माध्यम से कहा है कि, खरीफविपणन वर्ष 2025-26 के धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी 15 नवम्बर 2025 से प्रारंभ होनी है। परंतु पूरे प्रदेश में 2058 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों और 2739 धान खरीदी केन्द्रों के हजारों कर्मचारियों के अनिश्चितकालीन हड़ताल पर होने के कारण समिति के कार्यालयों तथा धान खरीदी केन्द्रों में ताले लटक रहे हैं और खरीदी प्रारंभ होने में मात्र 1 दिन शेष है। ऐसी स्थिति में 15 नवम्बर से धान खरीदी प्रक्रिया सुचारू रूप से प्रारंभ होने की कोई संभावना नही दिखायी पड़ती है। राज्य सरकार हड़ताल समाप्त करवाने में भी विफल रही है।नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने कहा कि, हड़ताली कर्मचारियों की चार प्रमुख मांगें हैं जो उचित हैं। राज्य सरकार विगत दो वर्षों से समर्थन मूल्य पर खरीदे गये धान का समय पर निराकरण करने में लगातार असफल होती रही है, जिसके कारण खरीदी केन्द्रों में बहुत अधिक मात्रा में धान का शार्टेज आया है, सहकारी समितियों को कमीशन की राशि नहीं दी जा रही है, जिससे कर्मचारियों को वेतन भुगतान नहीं हो पा रहा है, बल्कि उल्टे धान शार्टेज को लापरवाही के कारण हुई क्षति मानकर उसकी वसूली भी सहकारी समितियों और उसके कर्मचारियों से की जा रही है, शार्टेज के कई प्रकरणों में एफआई.आर. भी कराए गए हैं, जो अत्यधिक अन्यायपूर्ण है।

मुख्यधारा में लौटे नक्सली जेल में मिले परिजनों से

■ आंखों में आसूं लिए परिजनों को दिया संदेश माओवाद और हिंसा की राह छोड़ लौटें मुख्यधारा में

रायपुर/नवप्रदेश। आंखों में आंसू लेकर अपने परिजनों के मिलने का इंतजार करते पुर्नवासित नक्सली युवा सभी के चेहरे पर अपने परिजनों से सालों बाद मिलने की खुशी भी साथ में दिखाई दे रही थी। ये नजारा शुक्रवार को बीजापुर जेल परिसर में देखने को मिला। जहां छत्तीसगढ़ शासन की अत्यंत संवेदनशील एवं मानवीय पहल के तहत बीजापुर जेल परिसर में एक विशेष मुलाक़ात कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम ने वर्षों से नक्सलवादी विचारधारा के कारण भटके एवं बिखरे परिवारों को एक बार फिर जोड़ने का मार्ग प्रशस्त किया। यह मुलाक़ात केवल चेहरे मिलने की नहीं थी, यह टूटे विश्वासों को जोड़ने, दिलों पर जमा बोझ को हल्का करने और मुख्यधारा की ओर बढ़ने के नए संकल्पों की मुलाक़ात थी।

वर्षों बाद फिर मिलकर कहा अब बस, हिंसा नहीं, घर लौट चलो

पुनर्वासित माओवादी कैडर्स के संतू वेक्को, मारो वेक्को, रामलाल वेक्को, संतोष कुंजाम, बदरू ओयाम, मासा तामो, लखन ओयाम, लक्ष्मण ताती, मैनु आरकी, राजेश वेट्टी एवं कुमारी आरकी ने अपने उन परिजनों से मुलाक़ात की, जो वर्तमान में नक्सल प्रकरण में बीजापुर जेल में निरुद्ध हैं। जेल में निरुद्ध अर्जुन वेक्को, मनी ओयाम, भीमसेन ओयाम, भीमा मुचाकी, सायको माड़वी, सोमारू मड़कम, बुधरू आरकी और शंकर कोरसा ने अपने परिजनों से मिलकर अपने आंसू नहीं रोक सके।

जब वर्षों बाद भाई ने भाई को गले लगाया, भाभी ने आँखों में आँसू लिए सिर पर हाथ फेरा, चाचा ने अपने भतीजों को पहचाना तो जेल का कठोर वातावरण भी परिवार की इस गर्माहट से पिघल उठा। कई क्षण ऐसे थे जब शब्द नहीं बोले गए, पर आँखों की नमी ने सब कह दिया। सभी ने अपने निरूद्ध परिजनों से कहा कि अब तो हमारे नेता भूपति ने भी अब सभी को हथियार छोड़ने की अपील की है और खुद भी हथियार छोड़ दिए है। अब बस बहुत हुआ, माओवाद छोड़ कर तुम भी हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा में शामिल हो जाओ।

हिंसा छोड़कर जीवन की नई राह अपनाने की अपील

पुनर्वासित कैडर्स ने अपने परिवारजनों को स्नेह और आत्मीयता के साथ समझाया हम बदले, तो ज़िंदगी बदली तुम भी हथियार छोड़ो, घर चलो, समाज तुम्हें वापस अपनाने को तैयार है। यह अपील केवल परामर्श नहीं था बल्कि यह जीवन के अनुभवों से निकली पुकार थी, जिसने जेल में बैठे बंदियों को भी भीतर तक छू लिया।

पल्ली केंद्र से धान खरीदी सत्र की शुरुआत

रायपुर/नवप्रदेश। पल्ली केंद्र से धान खरीदी सत्र की शुरुआत, सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने किया निरीक्षणराज्य में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरुआत आज से हो गई। बस्तर जिले के पल्ली धान खरीदी केंद्र में सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप ने विधि विधान से पूजा-अर्चना कर धान खरीदी सत्र 2025-26 का औपचारिक शुभारंभ किया। उन्होंने किसानों को शुभकामनाएं देते हुए सफल खरीदी सत्र की कामना की।

निरीक्षण के दौरान मंत्री कश्यप ने केंद्र में तौल,कांटा-बाट, भंडारण व्यवस्था, किसान पंजीयन, गुणवत्ता परीक्षण और सुरक्षा प्रबंधों आदि उपलब्ध सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को बिना किसी बाधा के धान विक्रय की सुविधा मिले और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रहे।मंत्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

न्यूज गैलरी

मासिक शिविर लगा कर स्वास्थ्य परीक्षण

सारंगढ़-बिलाईगढ़/नवप्रदेश। छ. ग. रजत महोत्सव 2025 हर दिन हर घर आयुर्वेद के अंतर्गत संचनालय आयुष निर्देशानुसार एवं जिला आयुष अधिकारी रायगढ़ डॉ सी एस गौराहा के कुशल मार्गदर्शन में दिनांक 14.11.2025को आयुष ग्राम कनकबीरा के द्वारा ग्राम रामटेक में मासिक शिविर लगा कर स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क औषधि वितरण किया गया। साथ ही आयुर्वेद से संबंधित जानकारी में दिनचर्या, ऋतुचर्या , आहार विहार, पथ्य अपथ्य से लाभ संबंधित जानकारी आए हुए मरीजों तथा उनके परिजनों को दी गई । शिविर में ग्राम सरपंच श्रीमती कौशल्या पटेल, श्री श्याम कुमार पटेल, डा. एस बी यादव(आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी) , श्री नरेश पटेल (फार्मासिस्ट), श्री ललित कुमार पटेल ने उपस्थित होकर कुल 62 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क औषधि वितरण किया । उक्त शिविर में श्रीमति राजिम पटेल, रामकुमारी चौहान (मितानिन) का विशेष सहयोग रहा ।

बाल दिवस पर प्रैक्टिसिंग विद्यालय में बाल मेले का आयोजन

कांकेर / नवप्रदेश। शहर के ऐतिहासिक सौ साल पूर्ण करने वाला शासकीय प्रैक्टिसिंग विद्यालय में 14 नवंबर को जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन के अवसर पर आनंद मेला एफएलएन मेला का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं के साथ-साथ पालकों की उपस्थिति अत्यधिक संख्या में रही छात्र-छात्राओं ने बाल मेले के रूप में विद्यालय परिसर में अलग अलग स्टॉल लगाकर अलग अलग वस्तुओं की बिक्री की। सभी छात्र-छात्राओं एवं पालकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।इस अवसर पर बच्चों द्वारा अलग-अलग स्टॉल में लगाए गए सामग्रियां को देखकर सभी ने प्रसन्नता जाहिर की और बच्चों के प्रतिभा की तारीफ किया।पुर्व प्राचार्य अनिता दता राय ने सभी छात्र-छात्राओं की उज्जवल भविष्य की कामना की।उन्होंने पढ़ाई के साथ-साथ सभी क्षेत्रों में पारंगत होने की बात कही आयोजन में सभी बच्चे सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित हुए।

जिओ के टावर का केबल वायर काटने वाला घुमंतू कबाड़ी गिरफ्तार....

कांकेर / नवप्रदेश। 14 नवंबर 01.00 बजे की रात को ग्राम डोगरीपारा अमोड़ा स्थित जियों टावर के केबल वायर को कांट कर चोरी करने के मामले कि रिपोर्ट पर थाना नरहरपुर में अपराध क. 138/2025 घारा 303

बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया। जिस पर मामले की गंभीरताः के मद्देनजर श्रीमान उमनि एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आई. के. ऐलेसेला के निर्देशन में अति. पुलिस अधीक्षक दिनेश सिन्हा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कांकेर (छत्रन्न) श्री अविनाश ठाकुर के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी निरीक्षक सोमेश सिंह बघेल के नेतृत्व में थाना नरहरपुर से टीम गठित कर मामले में ग्राम डोगरीपारा अमोड़ा के ग्रामीणों से प्राप्त सुचना पर घटना 14 नवंबर 2025 के रात्रि 01:00 बजे डोगरीपारा अमोड़ा स्थित जियो टावर के केबल वायर को आरोपी सलीम मंडावी पिता स्व. राधेराम मंडावी उम्र 28 वर्ष निवासी आंखीहर्रा थाना नरहरपुर द्वारा ग्लाईन्डर कटर से काट कर चोरी करते हुये मौके पर ग्रामीणों द्वारा रंगे हाथ पकडने पर पुलिस पार्टी द्वारा त्वरित कार्यवाही कर मौके से ओरोपी के कब्जे से चोरी किये केबल वायर तार दो नग किमती 15,000/- रूपये तथा घटना में प्रयुक्त ग्लाईन्डर कटर पेंचिस, पेचकस, आरी ब्लेड,आरी फ्रेम, ड्रील बीड, और मोटर सायकल क्रमांक सीजी 05 एस 7855, एक नग मोबाईल को आरोपी द्वारा पूछताछ करने पर अपना अपराध कबुल कर बरामद कराने से जप्त किया गया है। आरोपी सलीम मंडावी द्वारा ग्राम डोगरीपारा अमोड़ा स्थित जियों टावर के चोरी किये केबल वायर किमती 15,000/- रूपये को बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड में भेजा गया।

डॉ.देवेन्द्र साहू बने जिला तुलसी मानस प्रतिष्ठान कांकेर के जिला महासचिव

कांकेर / नवप्रदेश। तुलसी मानस प्रतिष्ठान प क्र 1282 के जिला उ ब कांकेर में महासचिव पद पर सिदेसर निवासी डॉ देवेन्द्र कुमार साहू को मनोनीत किया गया। डॉ देवेन्द्र कुमार साहू को उक्त पद हेतु नाम की अनुशंसा जिला अध्यक्ष के.आर.गजबल्ला के

अनुशंसा तथा प्रदेश अध्यक्ष जगदीश देशमुख के अनुमोदन उपराँत प्रांतीय महासचिव राजेन्द्र सिंह ठाकुर ने मनोनयन पत्र प्रेषित किया है।तुलसी मानस प्रतिष्ठान जिला इकाई के कार्य मे प्रगति के लिए जिला इकाई का विस्तार किया गया है। डॉ देवेन्द्र कुमार साहू के जैसे महत्वपूर्ण पद पर किये मनोनयन से जिला अध्यक्ष के आर गजबल्ला ह्रदय राम शोरी,बी आर दादरा,काशी राम जैन,गोवर्धन गजबल्ला,प्रभु राम शांडिल्य,पप्पू मोटवानी,यानु साहू,लोमेश सिन्हा,मोहन मंडावी,जगदीश देशमुख,श्रीमती दीप्ती पांडे,राजेन्द्र सिंह ठाकुर,छगन देशमुख,प्रदीप कुलदीप,मुन्नालाल देवांगन,श्याम कुमार चंद्र,रोहित जंघेल,तामेश्वर साहू,दयानंद वर्मा,जितेंद्र पटेल,देवेन्द्र सिंह भाऊ,छत्रप्रताप दुग्गा,जय प्रकाश गेडाम,दीपांशु जैन,सपन श्रीवास्तव दोलेश जैन,गोकुल नाग ने बधाई दिए।

सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर गोपालपुर में भव्य यूनिटी मार्च

■ **सांसद कमलेश जांगड़े सहित जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति!**

सरसींवा सारंगढ़-बिलाईगढ़/नवप्रदेश। राष्ट्रीय एकता, प्रशासनिक दृढ़ता और जनसहभागिता का अद्भुत संगम ऐसा दृश्य गोपालपुर में उस समय साकार हुआ, जब लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर भव्य यूनिटी मार्च का आयोजन हुआ। बदलते समय में, जहां देश को सामाजिक समरसता और एकजुटता की पहले से अधिक आवश्यकता है, वहीं इस प्रकार के कार्यक्रम राष्ट्रीय चेतना को सुदृढ़ करते हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जांजगीर-चांपा लोकसभा की सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े की उपस्थिति पूरे आयोजन का केंद्र रही। उन्होंने सरदार पटेल के संघर्ष, राष्ट्र को एकसूत्र में पिरोने की उनकी दूरदर्शिता और ÷एक भारतङ्कश्रेष्ठ भारत÷ के सपने को याद करते हुए प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और सभी को एकता की शपथ दिलाई। यह क्षण न केवल औपचारिक था, बल्कि जनमानस में राष्ट्र के प्रति नई ऊर्जा जगाने वाला भी रहा। इसके उपरांत गोपालपुर से भटगांव तक का यूनिटी मार्च प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों की सहभागिता से एक चलते-फिरते संदेश में बदल गया। कदम से कदम मिलाते विद्यार्थियों की पंक्तियाँ, अधिकारियों की उपस्थिति और जनप्रतिनिधियों की भागीदारी यह बताती है कि एकता का विचार केवल पुस्तकों में नहीं, बल्कि व्यवहार में भी उतना ही अनिवार्य है।

प्रशासन की एकजुट सकारात्मक संकेत- इस आयोजन की विशेषता यह रही कि जिला प्रशासन के लगभग सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर संजय कन्नौजे, डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा, एसडीओ बिलाईगढ़ प्रफुल्ल रजक, एसडीओपी बिलाईगढ़ , जनपद सीईओ प्रतीक प्रधान, जिला शिक्षा अधिकारी जे.आर. डहरिया, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. फिरत राम निराला, सरसींवा तहसीलदार आयुष तिवारी, भटगांव तहसीलदार निधि अग्रवाल तथा थाना प्रभारी राजेश चंद्रवंशी इन सभी की उपस्थिति यह स्पष्ट करती है कि प्रशासन केवल आदेश देने वाला तंत्र नहीं, बल्कि समाज का सक्रिय सहभागी भी है।

एकता के संदेश को भीड़ नहीं भावना बनाती है- यूनिटी मार्च में उमड़ी भीड़ केवल संख्या नहीं थी वह भावना थी। छात्रों के कदमों में भविष्य की उम्मीद थी, अधिकारियों की मौजूदगी में जिम्मेदारी का भाव, और सांसद की अगुवाई में राष्ट्रीय संकल्प की गूंज। आज के समय में, जब समाज अनेक चुनौतियों से गुजर रहा है–ध्रुवीकरण, गलत सूचनाएं, सामाजिक दूरी–तब ऐसे आयोजनों की आवश्यकता और भी बढ़ जाती है। यह केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि लोकतंत्र और सामाजिक सौहार्द की रीढ़ को मजबूत करने का प्रयास है।

अतिक्रमण पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई 37 डिसमिल शासकीय ज़मीन मुक्त

सूरजपुर/नवप्रदेश। भैयाथान ब्लॉक में लंबे समय से शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की..ग्राम परसिया मे छोटे झाड़ के जंगल मद की भूमि से और केवरा मे सड़क मद की भुमि से कुल लगभग 37 डिसमिल सरकारी ज़मीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया..कार्रवाई के दौरान नायब तहसीलदार प्रियंका टोप्पो और झिलमिली थाना प्रभारी नसीमुद्दीन सुरक्षा के मद्देनजर अपनी टीम के साथ मौके पर मौजूद रहे..

कब्ज़ा हटाने दिया गया पर्याप्त समय उसके बाद भी नहीं हटाया गया कब्जा हुई कार्रवाई

दरअसल सड़क मद की शासकीय भूमि पर बने अवैध निर्माण को हटाने के लिए लगभग एक महीने पहले अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किया गया था.. इसके बाद पिछले दिनों अंतिम चेतावनी वाला नोटिस भी दिया गया, लेकिन इसके बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया.. निर्धारित समय सीमा बीतने के बाद प्रशासन को सख्त कदम उठाते हुए मौके पर कार्रवाई करनी पड़ी..

जैसे ही प्रशासनिक टीम बुलडोजर मशीन के साथ ग्राम परसिया और केवरा पहुंची, इलाके में अफरा-तफरी मच गई.. अवैध कब्जे वाले परिवार अपने सामान को सुरक्षित निकालने के लिए दौड़ते नजर आए..अधिकारियों की मौजूदगी में राजस्व एवं पुलिस टीम ने करीब 37 डिसमिल भूमि पर बने कच्चे मकान, खलिहान और बांस की बाउंड्री वॉल को ध्वस्त कर दिया..

तहसील भैयाथान अंतर्गत ग्राम परसिया में करीब 35 डिसमिल और ग्राम केवरा में लगभग 2 डिसमिल शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर कच्चे निर्माण और बांस की घेराबंदी कर ली गई थी..राजस्व विभाग भैयाथान ने पुलिस बल की मौजूदगी में इन संरचनाओं को हटाते हुए जमीन को पूर्णतः कब्जा मुक्त कराया..

अधिकारियों ने कहा कि शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा..भविष्य में भी इस तरह के मामलों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी..प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा न करें और किसी भी तरह के निर्माण से पहले विधिक प्रक्रिया का पालन करें.

बरमकेला क्षेत्र में 120 क्विंटल अवैध धान से भरा वाहन पकड़कर थाने में किया सुपुर्द

■ **माधोपाली में 80 क्विंटल एवं 67.60 क्विंटल अवैध धान पकड़ाया**

सारंगढ़-बिलाईगढ़/नवप्रदेश। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के निर्देशन में बरमकेला क्षेत्र के बिरनिपाली चेक पोस्ट में सयुंक्त जाँच दल राजस्व अधिकारी तहसीलदार बरमकेला पुष्पेन्द्र राज और मोहन लाल साहू एवं मंडी सचिव रमेश गुप्ता, अन्य कर्मचारी जगदीश नंदे, नंदकिशोर सोनी की टीम ने 120.80 क्विंटल धान अवैध रूप से परिवहन करते हुए मंडी अधिनियम के तहत कार्यवाही कर डोंगरीपाली थाना में सुपुर्द किया है। इसी तरह मंडी जांच दल द्वारा सारंगढ़ मंडी क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान मंडी के पंजीकृत व्यापारी शंकर ट्रेडर्स माधोपाली के गोदाम परिसर में धान 200 बोरी 80 क्विंटल एव तारा ट्रेडर्स केदार के दुकान परिसर में धान 169 बोरी 67.60 क्विंटल अवैध होने के कारण मंडी अधिनियम के प्रावधानों के तहत जप्ती प्रकरण बनाया गया है। जांच दल में सचिव राजेन्द्र कुमार ध्रुव , उपनिरीक्षक प्रीति तिर्की अंजू दिनकर एवं डी के साहू जगदीश बरेठ शामिल रहे।

चारामा आवर्धन जल प्रदाय योजना का प्रमुख अभियंता ने किया आकस्मिक निरीक्षण

कांकेर / नवप्रदेश। जल जीवन मिशन के तहत निर्माणाधीन कार्यों का लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता श्री ओंकेश चंद्रवंशी द्वारा आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने योजना के तहत विभिन्न संरचनाओं का निरीक्षण कर अपूर्ण कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने तथा फिनिशिंग और सभी सिविल कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रमुख अभियंता ने निरीक्षण के दौरान रेलिंग और प्लेट सुधार कार्य में पाई गई कमियों को तत्काल दूर करने को कहा। साथ ही रॉ-वॉटर पम्पिंग मेन, ग्रेविटी मेन एवं जल वितरण पाइपलाइन विस्तार कार्यों के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग मार्ग पर आ रही बाधाओं के समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों से समन्वय कर जल्द कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने ग्राम कुलगांव (विकासखण्ड कांकेर) की एकल ग्राम योजना के सर्वे एवं कार्य स्थल का भी निरीक्षण किया, जहां पर पाई गई कमियों को जल्द से जल्द सुधारने के निर्देश दिए। मौके पर विभाग के आला अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जलजीवन मिशन के अंतर्गत चल रहे सभी कार्यों को गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरा किया जाए ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति शीघ्र सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर अतिरिक्त मिशन संचालक जल जीवन मिशन रायपुर एस.एन पाण्डे मुख्य अभियंता जी.एल.लखेरा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग जगदलपुर परिक्षेत्र, अधीक्षण अभियंता बी.एन. भोयर सहित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे।

जिप सीईओ ने की पीएम आवास योजना ग्रामीण की समीक्षा

■ **प्रगति नहीं पाए जाने पर संबंधित नोडल अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस**

कांकेर / नवप्रदेश। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हरेश मंडावी ने आज प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा, विकासखंड समन्वयक प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, बी.पी.एम. एनआरएलएम, विकास विस्तार अधिकारी, सहायक विकास विस्तार अधिकारी, उप अभियंता आरईएस, तकनीकी सहायकों एवं पीआरपी एनआरएलएम की संयुक्त बैठक लेकर प्रधानमंत्री आवास निर्माण में प्रगति की गहन समीक्षा किया। उनके द्वारा वर्ष 2016-23 एवं 2024-25 के अपूर्ण आवासों को पूर्ण करने तथा वर्ष 2025-26 में स्वीकृत आवासों के निर्माण कार्य को प्रारंभ करने के लिए पंचायतवार समीक्षा की गई। वर्ष 2024-25 में स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास जिन्हें प्रथम किश्त की राशि प्राप्त हो चुकी है और अब तक अपूर्ण हैं, उन्हें मार्च 2026 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कराने के लिए अधिकारियों को लक्ष्य प्रदान किया गया। वर्ष 2016-23 के अपूर्ण आवासों को सतत निरीक्षण कर पूर्ण किए जाने के लिए निर्देशित किया गया।समीक्षा के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा प्रत्येक अपूर्ण आवास को पूर्ण करने के लिए हितग्राहीवार राजमिस्त्री एवं निर्माण सामग्री उपलब्धता की मैपिंग करने के निर्देश भी दिए गए।

एसआईआर को लेकर कांग्रेस सक्रिय जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को कर रही तैयार

कांकेर / नवप्रदेश। एसआईआर को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी अब सक्रिय हुई है।पार्टी के कार्यकर्ताओं को एसआईआर के बारे में जानकारी देने के साथ ही इस पूरे प्रक्रिया पर बीएलओ के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने की चल रही है तैयारी।

आज जारी एक प्रेस बयान में जिला कांग्रेस कमेटी के नितिन पोटाई ने उक्त जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण या एसआईआर की प्रक्रिया चालू है।एसआईआर की प्रक्रिया को इतना जटिल बनाया गया कि आम नागरिकों को काफी मुश्किलों का सामना कर पड़ रहा है।

इसी संदर्भ में कल कांग्रेस पार्टी के धनेलीकन्हार मंडल में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के नितिन पोटाई ने एसआईआर के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि किस अवसर पर मतदाताओं को क्या क्या दस्तावेज जिला चुनाव अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना होगा।उन्होंने जोर देते हुए बताया कि नए मतदाताओं के लिए काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ सकता है,इसके साथ ही भिन्न राज्यों में रोजगार के तलाश में पलायन करने वाले गरीब आदिवासी,मजदूरों को भी एसआईआर से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

खाद्य आयोग के अध्यक्ष संदीप कुमार शर्मा ने सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले का किया दौरा

■ **पीडीएस राशन दुकान, आंगनबाड़ी, स्कूल, छात्रावास का किया औचक निरीक्षण**

सारंगढ़-बिलाईगढ़/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष संदीप कुमार शर्मा का सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में गुरुवार को दौरा रहा। उन्होंने दौरे में सबसे पहले कनकबीरा के राशन दुकान का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां रजिस्टर में दर्ज संख्या और स्टॉक में रखे चावल का जाँच किया। इसी प्रकार अध्यक्ष शर्मा ने प्राथमिक स्कूल में बच्चों के लिए बने भोजन खाकर भोजन की गुणवत्ता जाँच किया।

खाद्य आयोग अध्यक्ष ने सालर के आंगनबाड़ी और स्कूल तथा सारंगढ़ के बालक छात्रावास का निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों की संख्या और संख्या के अनुरूप कितने बच्चों को भोजन की पूर्ति होगी, कितना दाल, चावल सब्जी प्रति बच्चों की शासन द्वारा निर्धारित मात्रा आदि की जानकारी महिला एवं बाल विकास अधिकारी, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास और स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी से लेकर उतने मात्रा का खाना के संबंध में सभी रसोईयों से लिया। उन्होंने कहा कि सभी बच्चों को उनके आहार की मात्रा अनुसार भरपूर खाना उपलब्ध कराएं। इस दौरान आयोग के सचिव राजीव जायसवाल, सत्ताधारी दल के जिला अध्यक्ष ज्योति पटेल, क्षेत्र के गणमान्य नागरिक टीकाराम पटेल, संतोष चौहान, रामकुमार थूरिया, खाद्य अधिकारी गणेश कुर्रे, जिला कार्यक्रम अधिकारी विजेंद्र सिंह डीपीओ कृष्णा साहू परियोजना अधिकारी ब्लॉक सारंगढ़, सहायक खाद्य अधिकारी तरुण नायक , विद्यानंद पटेल, जिला प्रबंधक घनश्याम कश्यप, आयोग के निज सचिव सूरज दुबे उपस्थित रहे।

पेज 1 का शेष

दिल्ली में अटकी है 266 ...

कार्य अधूरा पड़ा है. बताया गया कि वर्ष 1918 में केशकाल घाट के चौथे मोड़ से लेकर सिंघनपुर की तरफ11.38 किमी लंबी बाइपास सड़क बनाने का ठेका राजमार्ग विभाग ने मुंबई की वालेचा कंस्ट्रक्शन कंपनी को दिया था. उसने अपना यह कार्य चेन्नई की किसी श्रीराम कंट्रक्शन को दे दिया था. करीब ढाई किमी लंबा अर्थवर्क करने के बाद यह कंपनी कारोबार समेटकर भाग गई है। तब से बाइपास का निर्माण अधूरा पड़ा है।

20 हजार से अधिक लोगों की आवाजाही

इधर केशकाल घाट में लगातार जाम लगने की वजह से हजारों लोग परेशान हो रहे हैं बताया गया कि प्रतिदिन कम से कम 20 हजार लोग केशकाल घाट होकर आना-जाना करते हैं इसलिए नेशनल हाईवे क्रमांक 30 को बस्तर की जीवन रेखा कहा जाता है. इस संदर्भ में बस्तर का नागरिकों का कहना है कि बाईपास निर्माण के लिए भी बड़े आंदोलन की दरकार है।

6.97 करोड से संवर रही बस्तर की सड़क

केशकाल नगरवासियों द्वारा आंदोलन और चक्का जाम करने के बाद अब राजमार्ग विभाग ने केशकाल की सड़क मरम्मत कार्य शुरू कर दिया है. इसके लिए 6 कार्य तेजी से जारी है. इस संदर्भ में लोगों का कहना है कि शासन को लोगों की समस्या नजर क्यों नहीं आती. हर बार सरकार को जगाने के लिए जनआंदोलन जरूरी हो गया है।

श्रीनगर के नौगाम थाने में विस्फोट...

परीक्षण के लिए भेजा जा रहा था भारी मात्रा में विस्फोटकों की बरामदी के बाद यह प्रक्रिया पिछले दो दिनों से मानक प्रक्रिया के तहत लगातार जारी थी ।

उन्होंने कहा कि विस्फोटक की अस्थिर और संवेदनशील प्रकृति के कारण इसे विशेषज्ञों की निगरानी के तहत सावधानीपूर्वक संभाला जा रहा था हालांकि उसी दौरान कल रात अचानक दुर्घटनावश विस्फोट हुआ। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में नौ लोगों की मृत्यु हो गई और 27 पुलिस कर्मी, दो राजस्व अधिकारी और तीन अन्य लोग घायल हुए हैं। घायलों को चिकित्सा उपचार के लिए तुरंत चिकित्सालय भेजा गया है ।

बीते 10 वर्षों में कई ...

उस समय मैंने देखा कि उसकी हालत एक छोटी सी झोपड़ी जैसी थी। मेरे जीवन में जितने भी पुनर्निर्माण कार्य हुए हैं, मैं गर्व से कह सकता हूं कि उन सबकी शुरुआत देवमोगरा माता के मंदिर के विकास से हुई।

हाईकोर्ट ने बच्चे की...

और अलग हो गए. अभी 15 साल का बच्चा अपने मां के साथ रह रहा है. इस बीच वर्ष 2018 में बच्चे की कस्टडी के लिए उसके पिता ने परिवार न्यायालय में आवेदन दिया, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया. फिर परिवार कोर्ट के इस निर्णय को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई. कोर्ट ने अपने निर्णय में बच्चे की भावना को ध्यान में रखते हुए दोनों पक्षों की सहमति से नई व्यवस्था तय की है.

बता दें कि तेज प्रताप भी संजय यादव को 'जयचंद' बताकर निशाना साधते रहे हैं। वह आरोप लगाते रहे हैं कि संजय यादव के कहने पर ही तेजस्वी यादव ने उन्हें आरजेडी से निष्कासित कराया।

पश्चिम बंगाल की जनता भी...

लेकर 31 जनवरी 2026 तक लागू रहेगा। सरकार की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, धान खरीदी में जिन कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है उन सभी को काम करना होगा. कोई भी कर्मचारी काम करने से मना नहीं करेगा. सरकार ने धान खरीदी को अतिआवश्यक काम माना है। लापरवाही बरतने एवं काम करने से इंकार करने वाले कर्मचारियों पर सीधी कार्रवाई की जाएगी. गिरफ्तारी भी हो सकती है।

नई सरकार की रूपरेखा ...

है। चिराग पासवान सीएम नीतीश कुमार को बधाई देने पहुंचे। मुलाकात के बाद केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने लिखा कि बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम के पश्चात आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात कर उन्हें एनडीए के प्रचंड बहुमत की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि एनडीए ने नीतीश कुमार के नेतृत्व में ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। इसलिए, लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के एक प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात की और उन्हें बधाई दी। पटना में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बताया कि लोजपा (रा.) के प्रतिनिधियों ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात कर सरकार गठन पर चर्चा की।

मेयर इन काउंसिल की बैठक में विकास कार्य और पाइप लाइन विस्तार के प्रस्ताव मंजूर

■ निगम की एमआईसी ने पास किया डामरीकरण, पाइपलाइन विस्तार और स्टेडियम हस्तांतरण का प्रस्ताव

■ महापौर अलका बाघमार ने दिये सख्त निर्देश - सभी पानी टंकियों और फिल्टर प्लांट में सख्त सुरक्षा के उपाय करें

दुर्ग/नवप्रदेश। नगर निगम दुर्ग की मेयर इन काउंसिल की बैठक महापौर अलका बाघमार की अध्यक्षता संपन्न हुई जिसमें 6 महत्वपूर्ण फैसले लिये गए। बैठक में निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल सहित सभी एमआईसी सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में लोक कर्म विभाग और 15 वें वित्त आयोग मद के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 29 हॉस्पिटल वार्ड, बस स्टैंड क्षेत्र में डामरीकरण कार्य का प्रस्ताव पारित किया गया। इसके अलावा डीएमएफ मद से निर्मित इंडोर बैडमिंटन कोर्ट को उपयोग के लिये संबंधित विभाग को सौंपने के प्रस्ताव पर भी सहमति दी गई। एमआईसी ने इसे औपचारिक रूप से हस्तांतरित करने का निर्णय लिया। गुरुघासीदास वार्ड 44 में पेयजल शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए कार्य स्थल में परिवर्तन कर नई पाइपलाइन विस्तार कार्य को स्वीकृति दी गई। 15 वें वित्त आयोग के अंतर्गत पाइपलाइन को बघेरा से गया नगर तक विस्तारित करने के प्रस्ताव को एमआईसी ने मंजूरी दी। बैठक में एमआईसी सदस्य नरेंद्र बंजारे, देवनारायण चंद्राकर, शेखर चंद्राकर, लीना दिनेश देवांगन, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, काशीराम कोसरे, मनीष साहू, लीलाधर पाल, शशि साहू, हर्षिका संभव जैन, उपायुक्त मोहेन्द्र साहू, कार्यपालन अभियंता गिरीश दीवान, विनीता वर्मा, आरके जैन, भवन अधिकारी प्रकाशचंद थावनी सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

महापौर के सख्त निर्देश : पेयजल सुरक्षा को उच्च प्राथमिकता दे

बैठक के दौरान महापौर अलका बाघमार ने आयुक्त सुमित अग्रवाल की मौजूदगी में शहर में पेयजल सुरक्षा को लेकर विशेष निर्देश देते हुए कहा कि पानी टंकियों की सुरक्षा के लिये प्रस्ताव तैयार किया जाए। महापौर ने शहर की सभी पानी टंकियों के लिए आधुनिक और प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था का विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने कहा है। नल घर फिल्टर प्लांट में एक सप्ताह के भीतर सुरक्षा सुधार करते हुए परिसर के चारों ओर बाउंड्रीवाल, सभी कमरों में मजबूत दरवाजे और खिड़कियों पर जालियां लगाने के निर्देश दिये गए। परिसर की संपूर्ण सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया गया। महापौर ने कहा कि फिल्टर प्लांट या पानी टंकियों में किसी भी तरह की घटना-दुर्घटना की स्थिति में अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। जल सुरक्षा में चूक होने या किसी भी स्तर पर लापरवाही होने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र ने किया सड़क सीमेंटीकरण कार्य का भूमिपूजन

■ ब्रह्माकुमारी संस्था की वर्षों पुरानी मांग पूरी

■ बघेरा लोक कलाकारों का केन्द्र है, इसे सहेजना और संवारना हम सब की जिम्मेदारी : यादव

दुर्ग/नवप्रदेश। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने 77.52 लाख रुपये की लागत से ब्रह्माकुमारी आनंद सरोवर होते हुए बाईपास रोड तक 0.80 किलोमीटर लंबाई की सड़क के सीमेंटीकरण कार्य का भूमिपूजन किया। निर्माण कार्य छत्तीसगढ़ राज्य कृषि उपज मंडी समिति के मद से स्वीकृत किया गया। इस अवसर पर मंत्री यादव ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था की वर्षों पुरानी मांग आज पूरी हुई है। इस सड़क के निर्माण से दुर्ग के शहरवासियों और ग्रामीणवासियों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी, जिससे जनजीवन की गतिविधियों को गति मिलेगी। यादव ने कहा कि बघेरा लोक कलाकारों का केन्द्र है, इसे सहेजना और संवारना हम सबकी जिम्मेदारी है। राज्य सरकार शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण कर नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधा प्रदान कर रही है। आने वाले समय में दुर्ग शहर में कई विकास कार्यों की शुरुआत की जाएगी। कार्यक्रम में निगम सभापति श्याम शर्मा, पार्षद ललित ढीमर, कुमारी साहू, ब्रह्मकुमारी रूपाली दीदी और भारती दीदी सहित अनेक जनप्रतिनिधि व नगरवासी उपस्थित रहे।

■ न्यूज गैलरी

पाहरा में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

भिलाई। बीएसपी के सीएसआर के अंतर्गत ग्राम पाहरा में गत दिवस नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 71 लोगों की जांच कर दवाई का वितरण किया गया। इनमें 71 महिलाएं 23 पुरूष व 7 बच्चे शामिल थे। शिविर में सामान्य जांच के अतिरिक्त शुगर, बीपी की नि:शुल्क दवाएं भी प्रदान की गई। शिविर में सीएसआर बीएसपी की ओर से डॉ प्रेरणा बघेल, फार्मासिस्ट एम जानवी, नर्सिंग स्टाफ रेणुका वर्मा, पायल पवार व जिला चिकित्सालय से सीएचओ स्मिता पैकरा व नर्सिंग स्टाफ और बुधेलाल ने सहयोग प्रदान किया।

किसानों को मिला मुआवजा

दुर्ग। पावरग्रिड रायपुर पुल-धमतरी ट्रांसमिशन लिमिटेड, कार्यालय गेडेसरा (तहसील धमधा, जिला दुर्ग) द्वारा 400 के.वी. डबल सर्किट रायपुर पुल-धमतरी ट्रांसमिशन लाइन निर्माण कार्य के लिए भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसानों को मुआवजा वितरण किया जा रहा है। अनुविभागीय अधिकारी(राजस्व) से प्राप्त जानकारी के अनुसार परियोजना के तहत तहसील दुर्ग के अंतर्गत कुल 19 ग्राम-ननकट्टी, झेन्झरी, डांडेसरा, ढाबा, भेडसर, नगपुरा, गनियारी, रसमड़ा, थनौद, चंगोरी, कोनारी, कुथरेल, भानपुरी, पाउवारा, जंजगिरी, मातरोडीह, कातरो, मचान्दुर और घुघसीडीह के कुल 971 कृषकों की भूमि प्रभावित हुई है। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशों के अनुसार प्रभावित कृषकों को क्षतिपूर्ति मुआवजा वितरण हेतु कुल चार करोड़ इकसठ लाख अठ्यासी हजार सत्रह रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। अब तक 407 कृषकों को 2.51 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है।

हार्वर्ड बिजनेस स्कूल और रूंगटा यूनिवर्सिटी के बीच एमओयू

हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के पब्लिकेशन मुफ्त इस्तेमाल कर पाएंगे प्रदेश के एमबीए छात्र

भिलाई/नवप्रदेश। प्रदेश के मैनेजमेंट स्टूडेंट्स अब दुनिया की सर्वश्रेष्ठ हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के साथ जुड़कर अपनी दक्षता बढ़ाएंगे। इसके लिए शुक्रवार को रूंगटा इंटरनेशनल स्किल्स यूनिवर्सिटी और हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के बीच दो महत्वपूर्ण एमओयू किए गए। पहले एमओयू के तहत अब छत्तीसगढ़ के एमबीए और बीबीए छात्र हार्वर्ड द्वारा की गई केस स्टडी का इस्तेमाल कर पाएंगे। उन्हें हार्वर्ड केस स्टडी के रेफ्रेंस और इससे जुड़े तथ्यों के उपयोग करने की छूट होगी। पहले तक हार्वर्ड केस स्टडी और रिसर्च जर्नल्स रिस्ट्रिक्टेड होते थे, जिसे मोटी रकम चुकाकर एक्सेस की अनुमति मिलती थी। एचबीएस के साथ हुए इस प्रतिष्ठित एमओयू से छात्रों और फैकल्टी को कई वैश्विक लाभ मिलेंगे। छात्रों को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बिजनेस केस स्टडीज, रिसर्च मॉडल्स और लीडरशिप ट्रेनिंग तक सीधी पहुंच मिल सकेगी। एचबीएस की टीम समय-समय पर ऑनलाइन और ऑफलाइन एक्सपर्ट सेशन, वर्कशॉप और लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम्स आयोजित करेगी। इससे छात्रों को अंतरराष्ट्रीय बिजनेस ट्रेंड्स, इनोवेशन, स्टार्टअप मैनेजमेंट और ग्लोबल मार्केट स्ट्रेटेजी की समझ मिलेगी।

मिल सकेगी शॉर्टटर्म ट्रेनिंग

दूसरा बड़ा लाभ फैकल्टी डेवलपमेंट का है। रूंगटा यूनिवर्सिटी की फैकल्टीज को हार्वर्ड के प्रोफेसरों के साथ को-लर्निंग प्रोग्राम्स और रिसर्च एक्सचेंज का अवसर मिलेगा, जिससे शिक्षण गुणवत्ता में बड़ा सुधार होगा। इसका सीधा फायदा स्टूडेंट्स को मिलेगा। फैकल्टी हार्वर्ड एक्सपर्ट्स से सीखेगी और फिर उसे स्टूडेंट्स तक आगे पहुंचाएगी। चयनित विद्यार्थियों को हार्वर्ड कैंपस में शॉर्टटर्म ट्रेनिंग या एक्सचेंज प्रोग्राम्स का मौका भी मिलेगा। दोनों एमओयू पर रूंगटा यूनिवर्सिटी के प्रो-चांसलर डॉ. सौरभ रूंगटा और कुलपति डॉ. जवाहर सूरीशेट्टी के साथ हार्वर्ड बिजनेस स्कूल की मैनेजिंग डायरेक्टर क्रिस्टीन मेनंद ने हस्ताक्षर किए। इस दौरान यांगपु यूनिवर्सिटी पार्टनर्स के सीईओ समीर करखानिस भी मौजूद रहे।

हार्वर्ड का सीधा एक्सेस मिलेगा

हार्वर्ड पब्लिकेशन के साथ हुए एमओयू का उद्देश्य छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराना है। समझौते के बाद रूंगटा यूनिवर्सिटी को हार्वर्ड द्वारा प्रकाशित अंतरराष्ट्रीय स्तर की स्टडी मटेरियल, रिसर्च आर्टिकल्स, ई-बुक्स और केस स्टडी लाइब्रेरी तक एक्सेस मिलने जा रही है।

इससे छात्रों की रिसर्च क्षमता, विश्लेषण कौशल और अकादमिक लेखन में सुधार होगा। यूनिवर्सिटी अब अपने कोर्स कंटेंट में हार्वर्ड के नवीनतम अंतरराष्ट्रीय मानकों को शामिल कर पाएगी। छात्रों का सीखने का अनुभव अधिक प्रैक्टिकल, अपडेटेड और ग्लोबल लेवल का हो जाएगा। हार्वर्ड पब्लिकेशन यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर संयुक्त रिसर्च रिपोर्ट्स, जर्नल्स और स्किल-आधारित पब्लिकेशन भी विकसित कर सकता है।

यह प्रदेश के लिए ऐतिहासिक समझौता है, क्योंकि हार्वर्ड बिजनेस स्कूल अमरिका ने पहली बार टीयर-3 सिटी के शैक्षणिक संस्थान के साथ अनुबंध किया है। छत्तीसगढ़ के लिए रूंगटा यूनिवर्सिटी पहली संस्था है जो अपने एमबीए स्टूडेंट्स को हार्वर्ड का कोर्स पढ़ाने की सुविधा दे रही है। बीबीए के साथ बीकॉम और एमकॉम स्टूडेंट्स को भी इससे फायदा होगा।

भिलाई स्टील प्लांट में मजदूर की मौत, प्रबंधन पर एफआईआर दर्ज

भिलाई/नवप्रदेश। बीएसपी में आग से झुलसे ठेका श्रमिक रंजीत सिंह की 15 दिन बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। जांच में सुरक्षा इंतजामों में गंभीर कमी और प्रबंधन की लापरवाही आने के बाद भिलाई भट्ठी थाना में संयंत्र प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। कैंप 1, प्रगति नगर निवासी रंजीत सिंह (38 साल) मेसर्स मारुति कंस्ट्रक्शन के तहत कंटिनुअस कास्टिंग शॉप, कास्टर-6 में ठेका श्रमिक के रूप में कार्यरत था। 25 अप्रैल को दोपहर 3.15 बजे रंजीत इक्विपमेंट कूलिंग पाइपलाइन बदलने पाइप शिफ्टिंग का काम कर रहा था। इसी दौरान कार्यस्थल पर मौजूद ज्वलनशील पदार्थ में अचानक आग लग गई। आग की चपेट में रंजीत सिंह के साथ तीन अन्य श्रमिक राजू तांडी, रमेश मौर्य और अमित सिंह भी आ गए। सभी घायलों को तत्काल मेन मेडिकल पोस्ट ले जाया गया, जिसके बाद उन्हें सेक्टर-9 अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल पहुंचने पर कार्यपालिक दंडाधिकारी ने सभी झुलसे श्रमिकों के कथन दर्ज किए। डॉक्टरों की रिपोर्ट के मुताबिक रंजीत सिंह 100 प्रतिशत जल गए थे और उन्हें इनहेलेशन इंजरी भी हुई थी। अस्पताल प्रबंधन ने रात 12.05 बजे पुलिस को उनकी मौत की सूचना दी। दुर्ग पुलिस ने इस मामले में जांच के दौरान दंडाधिकारी के बयान, घायल श्रमिकों के कथन, अस्पताल की रिपोर्ट और घटनास्थल के तथ्यों की समीक्षा की। कार्यस्थल पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम न होने और ज्वलनशील पदार्थों के बीच काम करते समय श्रमिकों को उचित सुरक्षा सामग्री उपलब्ध न कराने के मामले में दोषी पाया गया। जांच अधिकारी के अनुसार, आगजनी के समय न तो सेफ्टी सुपरविजन पर्याप्त था और न ही यूनिट में फायर-सेफ्टी उपकरण प्रभावी रूप से उपलब्ध थे। सुरक्षा मानकों की उपेक्षा करते हुए ठेका श्रमिकों को जोखिमपूर्ण क्षेत्र में काम कराया जा रहा था।

उदय कान्वेंट स्कूल के विद्यार्थियों ने जानी कानून की बारीकियां

कुम्हारी/नवप्रदेश। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्ग के निर्देशानुसार व्यवहार न्यायालय, भिलाई-3 में विधिक सेवा दिवस के अवसर पर एक विधिक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में उदय कॉन्वेंट पब्लिक स्कूल, कुम्हारी के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को निशुल्क विधिक सहायता, मोटर यान अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता, पॉक्सो अधिनियम व अन्य प्रासंगिक कानूनों के प्रति जागरूक करना था। विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अधिकांश प्रश्नों के सही उत्तर देकर अपने विधिक ज्ञान का परिचय दिया।

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। क्विज प्रतियोगिता के बाद व्यवहार न्यायालय भिलाई-3 के न्यायाधीश व सीनियर अधिवक्ताओं द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को विधिक प्रावधानों व निशुल्क विधिक सहायता के अधिकारों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। आयोजन को सफल बनाने में सीनियर अधिवक्ता गणेश शुक्ला, सुधीर त्रिपाठी, आरपी सिंह, मनमोहन सिंह व न्यायिक कर्मचारी विकास सोनी, अशोक पटेल, कैलाशपति पांडे, रवि रंगारी, पुरुषोत्तम का सक्रिय सहयोग रहा। उदय कॉन्वेंट पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य व शिक्षकों ने भी कार्यक्रम आयोजन में सहयोग दिया।

बीएसपी के एथलीटों का शानदार प्रदर्शन

भिलाई/नवप्रदेश। चेन्नई में 5 नवम्बर से 9 नवम्बर तक आयोजित 23 वीं एशिया मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भिलाई इस्पात संयंत्र के एथलीटों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश और संयंत्र का नाम गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता में बीएसपी से गंगेश्वर देवांगन एसएमएस 2, सुरेश पुसरिया कोक ओवन, प्रवीण कुमार चाफले कोक ओवन भागवत राम नेताम एसपी 2 ज्ञान सिंह मेडिकल ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में गंगेश्वर देवांगन ने 60 आयु वर्ग की 800 मीटर दौड़ में तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक जीतकर देश व संयंत्र का गौरव बढ़ाया। इस उपलब्धि पर क्रीड़ा, संस्कृति एवं नागरिक सुविधाएं विभाग के उप महाप्रबंधक ओलंपियन राजेन्द्र प्रसाद, उप प्रबंधक अभिजीत भौमिक, बीएसपी एथलेटिक क्लब के उपाध्यक्ष व सहायक महाप्रबंधक परविंदर और सेल एथलेटिक अकादमी के कोच अनिरुद्ध ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

महिला ने ससुराल पक्ष पर लगाए दहेज प्रताड़ना के आरोप

भिलाई/नवप्रदेश। भिलाई निवासी लक्ष्मी पटेल (24 वर्ष) ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर दहेज प्रताडना का आरोप लगाया है। लक्ष्मी का कहना है कि पति और ससुर हमेशा ताना मारकर मारपीट करते हैं। महिला की शिकायत पर महिला थाना ने पुलिस केस दर्ज कर लिया है। लक्ष्मी ने पुलिस को बताया कि शादी के दूसरे दिन से ही पति और ससुराल वाले उसे दहेज के लिए प्रताड़ित कर रहे हैं। उसे पेट्रोल डालकर जलने की धमकी दी जाती है। लक्ष्मी का विवाह 21 अप्रैल 2022 को सामाजिक रीति-रिवाज से बलराम पटेल से हुआ था। लक्ष्मी के पिता ने 50 हजार रुपए कैश, बाईक, घरेलू सामान और सोना-चांदी के आभूषण दिए थे। लक्ष्मी ने बताया कि ससुराल पहुंचते ही पति बलराम पटेल और ससुर कुंभकरण पटेल ने उसे नीचा दिखाना शुरू कर दिया। 30 मार्च 2024 को रात करीब 11-12 बजे पति और ससुर एक बैग लेकर आए। लक्ष्मी ने बताया कि अप्रैल 2025 में एसपी कार्यालय और बाद में महिला थाना में आवेदन दिया था। 24 अक्टूबर, 31 अक्टूबर और 7 नवंबर को काउंसलिंग हुई, जिसमें पति ने माफी मांगकर साथ रखने का आश्वासन दिया, लेकिन चार महीने बीत जाने के बाद भी वह उसे लेने नहीं आया। पति-ससुर ने लड़ाई-झगड़े और मारपीट के दौरान उसके सारे कीमती आभूषण छीन लिए। महिला थाना भिलाई नगर ने पति और ससुर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

बिहार में भाजपा की प्रचंड जीत पर मंत्री गजेन्द्र ने दी शुभकामनाएं

दुर्ग/नवप्रदेश। बिहार विस चुनाव के नतीजे आने के बाद भाजपा को प्रचंड जीत मिलने पर केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने केंद्रीय नेतृत्व, विजयी प्रत्याशी और कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों और उनके नेतृत्व पर जनता के अटूट विश्वास को समर्पित है। मंत्री यादव को बिहार चुनाव में छपरा और बनियापुर विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया था। दोनों विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी की विजय हुई है। बिहार चुनाव के दौरान केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने लगातार 15 दिनों तक सघन जनसंपर्क किया और मतदाताओं से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। यादव समाज से आने के कारण पार्टी ने बिहार में गजेंद्र को बड़ी जिम्मेदारी दी थी। चुनाव में छपरा और बनियापुर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी के साथ साथ सारण और महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र की सभी सीटों पर भाजपा प्रत्याशी को विजयी बनाने रणनीति बनाने में अहम भूमिका निभाई। दीपावली के दूसरे दिन से ही गांव-गांव में सघन जनसंपर्क किया। सभी विधानसभा क्षेत्र में समाज, व्यापारिक संगठन, समूह की बैठक लेकर संवाद किया और भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को बताकर बिहार में विकास की गति और आगे बढ़ाने भाजपा पर भरोसा जताने अपील की। शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि बिहार चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत हुई है। छपरा विधानसभा की प्रत्याशी छोटी कुमारी और बनियापुर विधानसभा के प्रत्याशी केदारनाथ सिंह को जनता ने अपार जनसमर्थन दिया।

विधायक ललित ने रिसाली-नगपुरा में मनाया जश्न

भिलाई/नवप्रदेश। ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत पर कार्यकर्ताओं के साथ नगपुरा चौक में आतिशबाज़ी करते हुए मिठाई बांटकर जश्न मनाया। चंद्राकर को भाजपा नेतृत्व ने बिहार विधानसभा चुनाव में पूर्णिया संभाग अंतर्गत आने वाले पांच जिले पूर्णिया, मधेपुरा, कटिहार, अररिया और किशनगंज में चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी सौंपी थी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला मंत्री गिरेश साहू, अंजोरा मंडल अध्यक्ष हेमंत सिन्हा जिला पंचायत सदस्य श्रद्धा साहू जनपद पंचायत अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन, सरपंच संघ अध्यक्ष ओमेश्वर राजू नगपुरा सरपंच सरोज रिगरी दमोदा सरपंच गायत्री साहू खुरसुल सरपंच सुनीता लहरी रसमड़ा सरपंच मोतीम निषाद बेलौदी सरपंच जामवंतिन देशमुख ढाबा सरपंच कमलनारायण साहू अंजोरा सरपंच प्रेमिन साहू वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता संतोष धीवर ओम प्रकाश ब्यास सुमिरन साहू पूर्व सरपंच भूपेन्द्र रिगरी, पूर्व सरपंच सुखदेव देवांगन नरेन्द्र निषाद सोसाइटी अध्यक्ष मुकेश मंडाले ओंकार देवांगन भीष्म साहू पवन महतेल कुंज बिहारी चंद्राकर गावेंद्र देवांगन सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विधायक चंद्राकर ने बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत पर रिसाली जोहार चौक में कार्यकर्ताओं के साथ आतिशबाज़ी करते हुए मिठाई बांटकर खुशियां मनाई। इस दौरान रिसाली मंडल अध्यक्ष एकनाथ अनुपम साहू मरोदा पुरैना मंडल अध्यक्ष राजू राकेश जंघेल, समाजसेवी सोनू राम सिंह पार्षद मनीष यादव धर्मेन्द्र भगत उपस्थित थे।

अखण्ड भारत की नींव रखने में सरदार पटेल की अद्वितीय दूरदृष्टि का अमूल्य योगदान: सांसद बघेल

सरदार पटेल की 150 वीं जयंती पर यूनिटी मार्च का भव्य आयोजन

भिलाई/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी जिला भिलाई द्वारा लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती के अवसर पर सांसद यूनिटी मार्च (एकता पदयात्रा) का भव्य आयोजन किया गया। पदयात्रा का शुभारंभ दोपहर 12 बजे कैंप मंडल स्थित तीन दर्शन मंदिर में सरदार पटेल के तैलचित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके बाद पदयात्रा नेहरू चौक, सुभाष चौक, शहीद चौक होते हुए जलेबी चौक पहुंची। यहां महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, नंदनी रोड, केनाल रोड, सोनिया गांधी नगर, जीई रोड, वैशाली नगर, सुपेला, कोहका, जेवरा सिरसा, पावर हाउस, खुर्सीपार, आहिवारा, डबरा पारा, भिलाई-3, चरौदा व मुरमुंदा सहित विभिन्न क्षेत्रों से निरंतर आगे बढ़ती रही। मार्ग में नागरिकों ने पुष्पवर्षा, फूलमालाओं, फल और चॉकलेट वितरण कर रैली का स्वागत किया। पार्षद पीयूष मिश्रा सहित अनेक जनप्रतिनिधियों व नागरिकों ने पदयात्रा का स्वागत किया। पदयात्रा में जनप्रतिनिधि, शंकराचार्य कॉलेज, रुंगटा कॉलेज व एमजे कालेज के विद्यार्थी व युवा बड़ी संख्या में शामिल हुए। पदयात्रा में शामिल लोगों ने एकता, अखंडता और आत्मनिर्भर भारत का संदेश दिया। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल ने कहा कि लोकसभा क्षेत्र में आयोजित आठ किलोमीटर की पदयात्रा में बुजुर्गों से लेकर युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आज भारत जिस शक्ति और एकता के साथ आगे बढ़ रहा है, उसके पीछे सरदार पटेल की अद्वितीय दूरदृष्टि का अमूल्य योगदान है। उन्होंने अखंड भारत की नींव रखी। हम सब एकजुट रहें, तो भारत को विश्व शिखर तक पहुँचने से कोई नहीं रोक सकता। पदयात्रा में जिला भाजपा अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, विधायक रिकेश सेन, डोमनलाल कोर्सेवाडा, जिपं अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, बिजेंद्र सिंह, मनीष अग्रवाल, स्वीटी कौशिक सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी व आमजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यूनिटी मार्च के समापन अवसर पर सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया गया। सभी मंडलों के अध्यक्ष, पदाधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रमुख लोगों में प्रेमलाल साहू, योगेंद्र सिंह, विनोद सिंह, महेश वर्मा, संजय दानी, वीरेंद्र साहू, शंकर लाल देवांगन, नटवर ताम्रकार, भोजराज सिन्हा, दया सिंह, शैलेंद्र सिंह, आनंद ताम्रकार, गोपाल कृष्ण वर्मा, मदन सेन, मनोज तिवारी, रश्मि सिंह, भारती साहू, उपासना साहू, चंद्रकांता माण्डले, अमित मिश्रा, अनुपमा शुक्ला, गीता वर्मा, पूर्णिमा ठाकुर, रेखराम वर्मा, अशोक गुप्ता, रूपराम साहू, विजय शुक्ला, वरुण यादव, धर्मेंद्र सिंह, सत्येंद्र सिंह राजपूत, प्रशांत गुप्ता, गोल्डी सोनी उपस्थित थे।

कर्मचारी नगर विद्युत उपकेंद्र की क्षमता बढ़ी, उपभोक्ताओं को मिली बड़ी राहत

दुर्ग/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड दुर्ग क्षेत्र ने मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना के तहत जवाहर नगर जोन के अंतर्गत 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र (सबस्टेशन) कर्मचारी नगर की क्षमता में वृद्धि की है। उपकेंद्र में 65.99 लाख रुपये की लागत से 3.15 एमवीए का एक अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है, जिसे सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया गया। ट्रांसफार्मर लगने से उपकेंद्र की कुल क्षमता 10 एमवीए से बढ़कर 13.15 एमवीए हो गई है।

दुर्ग क्षेत्र के मुख्य अभियंता संजय खंडेलवाल ने बताया कि पूर्व में सबस्टेशन में स्थापित 5 एमवीए के दोनों ट्रांसफार्मर अक्सर ओवरलोड हो जाते थे, जिसके कारण लो वोल्टेज और लोड शेडिंग जैसी समस्या का सामना करना पड़ता था।

अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर लगने से आईएचएसडीपी कॉलोनी, जयंती नगर, साईं नगर, सिकोला भाटा, सिकोला बस्ती, मुखर्जी नगर, प्रेम नगर, विजय नगर, मोहन नगर, करहीडीह व रांका के लगभग 4000 उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। यह कार्य पूरा होने पर खंडेलवाल ने अधीक्षण अभियंता शहर वृत्त जे. जगन्नाथ प्रसाद, कार्यपालन अभियंता एसके रॉय व आरके दानी सहित सहायक अभियंताओं मोनिका नायर, रुचि सैलेट, राजेन्द्र गिरी गोस्वामी, ढालेश्वर साहू, महेन्द्र कुमार साहू व उनकी पूरी टीम को बधाई दी है।

रासेयो ने बाल दिवस पर फरसियां स्कूल में गोष्ठी का आयोजन

नगरी/नवप्रदेश। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फरसियाँ में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) इकाई द्वारा बाल दिवस के अवसर पर एक विशेष गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य नीरज सोन ने कहा कि ÷बच्चे किसी भी राष्ट्र का वास्तविक भविष्य होते हैं। देश का आने वाला कल आज के बच्चों पर निर्भर करता है। यदि हमें भारत को स्वर्णिम विकास की दिशा में आगे बढ़ाना है, तो बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और खुशहाली को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी।÷ उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों को मेहनत, नैतिकता और राष्ट्रभक्ति के साथ जीवन जीने का संकल्प लेने की प्रेरणा दी। जिसमे रासेयो कार्यक्रम अधिकारी ऋषिकेश साहू ने बाल दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि

14 नवंबर केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि बच्चों के अधिकारों और उनके सर्वांगीण विकास के प्रति समाज को जागरूक करने का अवसर है। सहायक कार्यक्रम अधिकारी यशपाल साहू ने पंडित जवाहर लाल नेहरू के बच्चों के प्रति स्नेह को याद करते हुए कहा कि उनके इसी प्रेम के कारण उन्हें 'चाचा नेहरू' कहा जाता है।

व्याख्याता निरुपमा श्रीमाली ने कहा कि पंडित नेहरू बच्चों को देश का भविष्य मानते थे और उनके अनुसार बच्चों को पढ़ाई के साथ स्वतंत्र सोचने और सपने देखने की आज़ादी मिलनी चाहिए।व्याख्याता किरण श्रीमाली ने नेहरू की जयंती को बाल दिवस के रूप में मनाने की परंपरा तथा बच्चों को बताए

वहीं व्याख्याता रेणु सोम ने बाल अधिकारों की सुरक्षा, बाल श्रम उन्मूलन तथा बच्चों को समान अवसर प्रदान करने के महत्व पर जोर दिया।

गीतिका निषाद ने कहा कि बच्चे देश की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी हैं और उन्हीं से भविष्य का सशक्त भारत निर्मित होगा।

कार्यक्रम में छात्रों गगन साहू, चित्ररेखा कश्यप, खेमन साहू, ओजस्विनी निषाद, पायल बनपेला, भूपेश निर्मलकर, चेष्टा दीवान, संकर्षण साहू, कुसुमलता, अर्चना भारद्वाज, चंचल नाग, आराधना विश्वकर्मा और खुशबू बिसेन – ने गीत, कविता, नारा एवं भाषण प्रस्तुत कर समा बांध दिया।इस अवसर पर निरुपमा श्रीमाली, किरन श्रीमाली, लोमश कुमार पटेल, यशपाल साहू, प्रेमलाल ध्रुव, अरविंद सोम, रेणु सोम, अंजना लाउत्रे, ऋषिकेश साहू, शिल्पा मानिकपुरी, पारुल बिसेन, त्रिवेणी सूर्यवंशी, गीतिका निषाद, आरती निषाद, नीलम साहू, टिकेश साहू, त्रिलोक कपूर ध्रुव, भगवती ध्रुव, ललिता निषाद और भरत चनाप सहित सभी शिक्षकङ्ककर्मचारी उपस्थित रहे।

पटेल की जयंती पर पदयात्रा को सफल बनाने आवश्यक तैयारियों की समीक्षा

नगरी/नवप्रदेश। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में महामाई माँफरसिया से नगरी नगर के बजरंग चौक तक प्रस्तावित 10 किलोमीटर की पदयात्रा को सफल बनाने हेतु आवश्यक तैयारियों की समीक्षा आज की गई। जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सार्वा, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रकाश बैस, जनपद पंचायत अध्यक्ष महेश गोटा, उपाध्यक्ष हृदय साहू, अनुविभागीय अधिकारी नगरी प्रीति दुर्गम, तथा सीईओ जनपद पंचायत रोहित बोरझा ने कार्यक्रम स्थल का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने पदयात्रा मार्ग, सुरक्षा, यातायात एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए, ताकि सरदार पटेल जयंती का आयोजन भव्य एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके।

न्यूज गैलरी

बिहार की जनता ने मोदी की गारंटी पर जताया भरोसा : अशोक बजाज

नवापारा राजिम। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज ने बिहार चुनाव में एन.डी.ए की प्रचंड जीत के लिए बिहार के मतदाताओं के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि मतदाताओं ने जाति एवं संप्रदाय से ऊपर उठकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों पर भरोसा किया है। उन्होंने कहा कि महागठबंधन ने भाजपा को रोकने के लिए हरसंभव प्रयास किया लेकिन बिहार की जनता विपक्ष के झांसे में ना आकर भाजपा को वोट दिया। बजाज ने कहा कि राष्ट्रवाद की चुनावी बयार बिहार से चलकर दक्षिण के राज्यों में चलेगी।

अंगिरा ध्रुव की अध्यक्षता में जीवन दीप समिति की बैठक सम्पन्न

धमतरी। जीवन दीप समिति प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कंडेल कार्यकारणी सभा एवं साधारण सभा की बैठक जनपद अध्यक्ष अंगिरा ध्रुव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जीवन दीप समिति कंडेल के सदस्यों की सहमति से विभिन्न कार्य एवं क्रय कराने की स्वीकृति प्राप्त हुई । साथ ही साथ अस्पताल आने वाले मरीजों के अच्छे इलाज की सुविधा की बात रखी गई। स्वास्थ्य सेवाओं को और प्रभावी बनाने, मरीजों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने तथा केंद्र की दैनिक कार्यप्रणाली को मजबूत करने पर विस्तृत चर्चा की गई। उक्त बैठक में सचिव डॉ ए जे खान खंड चिकित्सा अधिकारी गुजरा, श्री केशव साहू उपाध्यक्ष जनपद पंचायत धमतरी, जनपद सदस्य दिनेश्वरी साहू, गिरधर सार्वा सरपंच ग्रामपंचायत कंडेल, कृष्ण कुमार मरकाम विधायक प्रतिनिधि, रोशन जी, हीरा लाल कुर्रे प्रभारी चिकित्सक, स्वेता परमार ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर शंभू रजक ब्लाक एकाउंटेंट एवं सोमेश साहू पी ए डी ए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कंडेल में उपस्थित रहे।

जंबूरी में जुटेंगे देश-विदेश के स्काउट-गाइड

बालोद। जिला मुख्यालय बालोद के समीपस्थ ग्राम दुधली में 08 से 13 जनवरी 2026 तक आयोजित नेशनल रोवर रेंजर जंबूरी में शामिल होने हेतु देश-विदेश सहित छत्तीसगढ़ राज्य से भी बड़ी संख्या में स्काउट-गाइड जंबूरी स्थल ग्राम दुधली पहुँचेंगे।

हटरी बाजार में मवेशी (बछड़ा) पर चाकू से चोट पहुंचाने वाला आरोपी गिरफ्तार

गो सेवकों ने घटना के विरोध में कराया बाजार बंद

भाटापारा/नवप्रदेश। हटरी बाजार में बीती रात एक बछड़े को चाकू से घायल करने कि सूचना पर गौसेवकों की सहायता से बछड़े का प्रारंभिक इलाज करवाकर, उसे गौशाला में शिफ्ट किया गया है तथा पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपी

इमरान कुरैशी के विरुद्ध अपराध क्र. 625/2025 धारा 325 बीएनएस एवं पशु क्रूरता अधिनियम 1960 की धारा 11 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण में थाना भाटापारा शहर पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए आरोपी इमरान कुरैशी को हिरासत में लिया गया तथा घटना में प्रयुक्त एक चाकू भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस द्वारा आरोपी से घटना के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है।नगर में हुई इस घटना की खबर फैलते ही गौसेवकों सहित विभिन्न धार्मिक दल के लोग आक्रोशित हो गए और दिन निकलते ही सुबह से हजारों की तादाद में गौसेवकों की भीड़ घटना स्थल पहुंच कर नारेबाजी करती रही।इस दौरान पुलिस भी काफी संख्या में सुरक्षा की दृष्टि से तैनात रही।इस बीच आक्रोशित गौसेवकों ने घटना के विरोध में पूरा बाजार बंद करवा दिया।इस घटना को लेकर शहर में शुक्रवार को सन्नाटा पसरा रहा।मुस्लिम समाज ने भी इस घटना की निंदा करते हुए दोषियों पर कड़ी कार्यवाही की मांग पुलिस प्रशासन से की है। पुलिस ने बताया कि आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है। वर्तमान में बछड़े की हालत सामान्य है तथा उसका समुचित इलाज करते हुए सतत् मॉनिटरिंग की जा रही है। नगर में पुलिस ने सुरक्षा की दृष्टिकोण से पर्याप्त संख्या में बल लगा कर रखा है।

आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई हो

हटरी बाजार में गौवंश के कटने की गंभीर घटना हुई, जिसे देखकर नगर वासियों के हृदय में चिंता, पीड़ा आक्रोश उत्पन्न हुआ। गौ भक्तों द्वारा हटरी बाजार,सदर बाजार को शांतिपूर्ण ढंग से बंद कराया गया और लोगों ने गौ माता के नाम से पूर्ण समर्थन भी दिया। वही इस गंभीर विषय पर एडिशनल एसपी, एसडीओपी, ग्रामीण टीआई, शहर टीआई एवं तहसीलदार से चर्चा कर तीन सूत्रीय मांग पत्र दिया गया। गौ माता पर हमला करने वाले आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई हो। भाटापारा में उसका जुलूस निकाला जाए तथा भाटापारा में जितनी भी अवैध मास मटन की दुकानें हैं तत्काल बंद हो।

-अभिषेक उपाध्याय
अध्यक्ष - युवा ब्राह्मण समाज, भाटापारा

अल्ट्राटेक रावन में हुआ बाल दिवस का आयोजन

भाटापारा/नवप्रदेश। अल्ट्राटेक रावन सी एस आर द्वारा बाल दिवस के अवसर पर कार्यक्षेत्र के विभिन्न आंगनबाडी सेंटर में बच्चों के संग बाल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने आंगनबाडी में सीखी गयी गतिविधियों का प्रदर्शन किया।अल्ट्राटेक रावन सी एस आर ने कार्यक्षेत्र के 30 आंगनबाडी सेन्टर मे से 23 आंगनबाडी सेन्टर को मॉडल आंगनबाडी सेन्टर में परिवर्तित करने हेतु भवन का नवीनीकरण पेन्टिंग , दिवाल लेखन , चित्रो की पेन्टिंग तथा सहयोग सामाग्री का वितरण किया है ।सीएसआर प्रमुख विनोद श्रीवास्तव ने कहा कि भविष्य में आंगनबाडी सेन्टर को सुदृढ करने में संयंत्र अपनी भूमिका निभाएगा तथा सभी से आग्रह किया कि आंगनबाडी के सेवाओं का भरपूर लाभ उठाए।

शासन द्वारा भी अल्ट्राटेक रावन सी एस आर के गतिविधियों को सराहा गया है। बाल दिवस कार्यक्रम के दौरान निकटवर्ती ग्रामों के कुल 13 आंगनबाडी के बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम तथा खेलकूद आयोजित किया गया।कार्यक्रम को सफल बनाने में सरपंच रावन अमरसिंह नेताम , झीपन सरपंच संतोष वर्मा , गुमा सरपंच चन्द्रकांता साहू , उपसरपंच तुकेश यादव का सहयोग रहा ग्राम स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने में सीएसआर से सुरेन्द्र कुमार यादव , हेमलता ध्रुव , रमा वर्मा , टोपेश्वर मानिकपुरी एवं सुनिता निषाद की भूमिका रही।

बिहार में एनडीए की जीत पर डोंगरगांव नगर पंचायत अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी ने जताई खुशी

■ जनता ने विकास और सुशासन पर फिर से भरोसा जताया

डोंगरगांव/नवप्रदेश। बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की मिली बड़ी जीत पर डोंगरगांव नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अंजू त्रिपाठी ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि यह परिणाम देशभर में विकास और सुशासन के प्रति बढ़ते विश्वास का प्रमाण है।

अंजू त्रिपाठी ने कहा कि बिहार का जनादेश केवल एक राज्य का राजनीतिक फैसला नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हो रहे कार्यों पर जनता के भरोसे की मजबूत मुहर है। ÷बिहार की जनता ने स्पष्ट कर दिया है कि वह स्थिर सरकार, विकास की रफ्तार और गरीबों-शोषितों के उत्थान के लिए चल रही योजनाओं को आगे बढ़ता देखना चाहती है,÷ उन्होंने कहा।

नगर पंचायत अध्यक्ष ने बताया कि एनडीए की इस जीत से भाजपा कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। छत्तीसगढ़ में भी संगठन और कार्यकर्ता उत्साहित हैं और इसे आने वाले चुनावों के लिए सकारात्मक संदेश के रूप में देख रहे हैं। स्थानीय विकास को लेकर अंजू त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा का लक्ष्य चाहे बिहार हो या छत्तीसगढ़, हमेशा जनता की भलाई और विकास को प्राथमिकता देना रहा है। डोंगरगांव नगर पंचायत में चल रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि स्वच्छता, सड़क निर्माण, जल आपूर्ति व्यवस्था और बुनियादी नगरीय सुविधाओं के विस्तार पर निरंतर कार्य हो रहा है।

उन्होंने कहा कि बिहार की जीत से प्रेरणा लेते हुए वे डोंगरगांव में विकास योजनाओं को और अधिक गति से आगे बढ़ाएँगी। ÷जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही हमारी प्राथमिकता है,÷ उन्होंने जोड़ा।

स्थानीय नागरिकों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी एनडीए की जीत पर प्रसन्नता जताते हुए इसे देशभर में विकास की राजनीति के मजबूत होने का संकेत बताया है।

बिहार का यह परिणाम राजनीतिक विश्लेषकों द्वारा भी जन-विश्वास और स्थिर नेतृत्व की जीत के रूप में देखा जा रहा है, जो आने वाले दिनों में राष्ट्रीय राजनीति पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

बिहार में प्रचंड जनादेश एनडीए की संकल्प सेवा पर जनता की मुहर है : यशवंत जैन

बालोद/नवप्रदेश। बिहार में जीत पर भाजपा छग के प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन ने कहा कि बिहारवासियों द्वारा ह्ब्ह्र को यह प्रचंड जनादेश, बिहार में विकास, महिलाओं की सुरक्षा, सुशासन और गरीब कल्याण की एनडीए की संकल्प सेवा पर जनता की मुहर है। पिछले 11 सालों में मोदी जी ने बिहार के लिए दिल खोलकर कार्य किए और नीतीश जी ने बिहार को जंगलराज के अंधेरे से बाहर निकालने का काम किया। यह

जनादेश 'विकसित बिहार' के संकल्प के लिए है। बिहारवासियों का ये जनादेश भारत की सुरक्षा और संसाधनों से खेलने वाले घुसपैठियों और उनके हितैषियों के खिलाफ मोदी सरकार की नीति में विश्वास का प्रतीक है। वोटबैंक के लिए घुसपैठियों को बचाने वालों को जनता ने करारा जवाब दिया है। बिहार की जनता ने पूरे देश का मूड बता दिया है कि मतदाता सूची शुद्धिकरण अनिवार्य है और इसके खिलाफ राजनीति की कोई जगह नहीं है। इसीलिए राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस आज बिहार में आखिरी पायदान पर आ गई है। यह 'विकसित बिहार' में विश्वास रखने वाले हर बिहारवासी की जीत है। जंगलराज और तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले किसी भी भेष में आएँ, उन्हें लूटने का मौका नहीं मिलेगा जनता अब विकास की राजनीति पर भरोसा करती है। श्री नरेंद्र मोदी जी, श्री नीतीश कुमार जी व एनडीए के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूँ। साथ ही, अपने अथक परिश्रम से इस परिणाम को चरितार्थ करने वाले बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक के भाजपा बिहार के सभी कार्यकर्ताओं का अभिवादन करता हूँ।

विवेकानंद पब्लिक स्कूल में बाल दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

■ बच्चों को नेहरू जी के बारे में अवगत कराया गया

भटगांव/नवप्रदेश। विवेकानंद पब्लिक स्कूल भटगांव में आज 14 नवम्बर को बालदिवस बड़े हरसू उल्लास के साथ से मनाया गया बच्चों का 2द्दद्यष्ध्द्धद्ध करते हुए तिलक लगाकर फूलों की वर्षा की गई तत्पश्चात पंडित जवाहरलाला नेहरू जी व सरस्वती माता जी की पूजा अर्चना कर नेहरू जी के बारे में बच्चों को अवगत कराया गया तथा बच्चों को शिक्षकों द्वारा उपहार , कापी, पेन पेंसिल ,मिठाई आदि भेट किया गया । जिसे पाकर बच्चे बहुत प्रसन्न दिखाई दे रहे थे।सभी को बालदिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर विवेकानंद पब्लिक स्कूल के सभी स्टाफ उपस्थित रहे ।

शैक्षणिक गुणवत्ता...

संख्या ज्ञान के स्तर को बढ़ाने के लिए किए जा रहे नवाचारी प्रयासों की सराहना

सिमगा विकासखंड की पीएम श्री स्कूलों एवं एफएलएन मेला का निरीक्षण

भाटापारा/नवप्रदेश। जिला परियोजना कार्यालय, रायपुर के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सिमगा विकासखंड के चयनित पीएम श्री स्कूलों और एफएलएन मेला का निरीक्षण किया गया। इस दौरे का उद्देश्य शैक्षणिक गुणवत्ता का आकलन करना और संस्था प्रमुखों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करना था।

निरीक्षण दल में जिला परियोजना कार्यालय से जिला परियोजना अधिकारी नरेंद्र कुमार वर्मा, सहायक परियोजना अधिकारी खिलावन वर्मा और जाहिर अब्बास शामिल थे। उनके साथ विकासखंड से विकास खंड स्त्रोत समन्वयक किरण कुमार वर्मा भी साथ थे। अधिकारियों की टीम ने पीएम श्री स्कूल सुहेला, मुड़पार सिमगा तथा प्राथमिक शाला कामता ,पौंसरी (मेला) का निरीक्षण किया।

इस दौरान पीएम श्री स्कूलों में चल रहे बुनियादी ढाँचे के उन्नयन और शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा की गई, जबकि प्राथमिक शाला कामता और पौंसरी में आयोजित एफएलएन मेला का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने बच्चों के बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान के स्तर को बढ़ाने के लिए किए जा रहे नवाचारी प्रयासों की सराहना की। निरीक्षण के दौरान, शालाओं की शैक्षणिक गुणवत्ता, भौतिक सुविधाओं और प्रशासनिक प्रबंधन को और बेहतर बनाने हेतु संस्था प्रमुखों को आवश्यक निर्देश दिए गए,

जिसमें बच्चों में बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान के लक्ष्य को सुनिश्चित करने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वयन किया जाए। टीएलएम का नियमित और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि शिक्षण प्रक्रिया रोचक और ज्ञानवर्धक बन सके।

पीएम श्री योजना के तहत प्राप्त राशि का उपयोग कर शालाओं में आधुनिक बुनियादी ढाँचा (स्मार्ट क्लास, पुस्तकालय, खेल मैदान) समय सीमा में विकसित किया जाए। शाला परिसर एवं शौचालयों की नियमित साफ सफाई सुनिश्चित की जाए, ताकि बच्चों को एक स्वच्छ एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण मिल सके।शाला प्रबंधन समिति और पालकों के साथ नियमित बैठकें आयोजित की जाएँ, ताकि बच्चों की उपस्थिति और सीखने की प्रक्रिया में पालकों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

इस दौरान जिला परियोजना अधिकारी नरेंद्र कुमार वर्मा ने सभी संस्था प्रमुखों को निर्देशित किया कि वे इन निर्देशों का तत्परता से पालन करें और सिमगा विकासखंड को राज्य में एक मॉडल शैक्षिक क्षेत्र बनाने की दिशा में प्रयास करें।

कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट ने लगाया सात दिवसीय शिविर

भाटापारा/नवप्रदेश। कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट देवरी रोड भाटापारा द्वारा संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन ग्राम सुमा किया गया इस शिविर का शुभारंभ ग्राम पंचायत सुमा के सरपंच शैलेंद्र कुमार वर्मा व महाविद्यालय के संचालक मनीष शुक्ला तथा अध्यक्ष डॉ वंदना चौहान मैंम के द्वारा किया गया है। इस कार्यक्रम में ग्राम - सुमा के उप - सरपंच नरेंद्र वर्मा सचिव रमेश भारद्वाज व महाविद्यालय की सहायक अध्यापक साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक उपस्थित हुए स्वयंसेवकों के द्वारा विभिन्न कार्यक्रम राजकीय गीत , हस्स ,लक्ष्य गीत ,संगीत ,नाटक , विभिन्न नारे प्रस्तुत किए गए इस कार्यक्रम का आभार राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी सुश्री भावना हेनवार के द्वारा सेवा ही जीवन है अनुशासन और समर्पण है का संदेश देते हुए किया गया।

न्यूज गैलरी

'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ पर मेहंदी स्पर्धा का आयोजन

मुंगेली/नवप्रदेश। मुंगेली के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फास्टरपुर में 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. पूर्णिमा मिश्रा, शिक्षिकाएं कमलेश भास्कर, ऐश्वर्या यादव एवं महेश्वरी साहू उपस्थित रहीं। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रामबाबू मिश्र ने छात्राओं को शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता में जानसी बर्मन ने पहला, रिभा बर्मन ने दूसरा और उषा बारले ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति का गौरव और सृजनात्मकता जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम सफल रहा, जिसमें प्राचार्य ने 'वंदे मातरम' के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया।

एफएलएन मेला का सफल आयोजन

मुंगेली/नवप्रदेश। मुंगेली की शासकीय प्राथमिक शाला टेमरी में एफएलएन मेला का आयोजन हुआ। इसकी तैयारी के लिए एससीईआरटी द्वारा ऑनलाइन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें राज्य से प्रशिक्षित शिक्षक, जिला व विकासखंड स्तर के शिक्षकों ने भाग लिया। ग्राम सरपंच दिग्विजय सिंह ने रिबन काटकर मेले का शुभारंभ किया। शिक्षक रविकांत पुरी गोस्वामी ने पालक एवं जनप्रतिनिधियों को मेले के उद्देश्य से अवगत कराया। विखं के एफएलएन प्रभारी शिवकुमार ने ऑनलाइन निरीक्षण कर बच्चों से चर्चा की। प्रधान पाठक गायत्री ने आभार व्यक्त किया।

देवरी स्कूल में अनुशासन एवं शिक्षण व्यवस्था की समीक्षा

मुंगेली/नवप्रदेश। मुंगेली में कलेक्टर कुंदन कुमार के निर्देशानुसार जिले के स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रयास जारी है। इसी कड़ी में जिला शिक्षा अधिकारी एलपी डाहिरे ने शासकीय हाइस्कूल देवरी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में विद्यालय की उपस्थिति, शिक्षण व्यवस्था और अनुशासन की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान व्याख्याता नीलू जोगवंशी, आभूषणकांत पात्रे, कीर्ति नवरंग और रूपचंद पाटले अनुपस्थित पाए गए। जिला शिक्षा अधिकारी ने नाराजगी जताते हुए व्याख्यताओं को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन का जवाब मांगा है। यदि जवाब संतोषजनक नहीं होगा, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ऑनलाइन फॉर्म व अन्य सुविधाओं के माध्यम से मतदाता पुनरीक्षण में आसानी और जागरूकता का प्रसार

मुंगेली में गणना प्रपत्र भरने का प्रशिक्षण, पुनरीक्षण कार्य को तेज करने का निर्देश

मुंगेली/नवप्रदेश। जनपद पंचायत मुंगेली के सभाकक्ष में 124 ग्राम पंचायतों के सचिव एवं रोजगार सहायकों को गणना प्रपत्र भरने के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में कलेक्टर ने पुनरीक्षण कार्य को बेहतर तरीके से तथा समयसीमा में पूरा करने प्रेरित किया। उन्होंने पुनरीक्षण के सम्बन्ध में गणना पत्रक वितरण की प्रगति के संबंध में जानकारी ली और लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक कर सभी का गणना पत्रक भरने प्रेरित किया।

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने बताया कि एस.आई.आर. का उद्देश्य मतदाता सूची को अद्यतन करना है, ताकि निर्वाचक नामावली में किसी योग्य व्यक्ति का नाम न छूटे तथा किसी अयोग्य व्यक्ति का नाम न जुड़े। मतदाता सूची का यह विशेष पुनरीक्षण लोकतांत्रिक प्रक्रिया का आधार है, इसलिए प्रत्येक अधिकारी को इसे अत्यंत गंभीरता और जिम्मेदारी से संपादित करना होगा। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की त्रुटि या विलंब अस्वीकार्य है, उसे समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण कराना सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। मतदाता पुनरीक्षण बहुत महत्वपूर्ण कार्य है। यह कार्य 02 दशकों के बाद किया जा रहा है। इस कार्य को प्राथमिकता के साथ समय-सीमा में पूरा करना है। उन्होंने सचिवों और रोजगार सहायकों को मतदाता सूची के पुनरीक्षण अभियान में बेहतर कार्य करने

प्रोत्साहित किया। कलेक्टर ने एसआइआर के तहत गणना पत्रक भरवाने मानस भवन में लगाए गए कैम्प का निरीक्षण किया और ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक करने एवं गणना पत्रक भरवाने प्रोत्साहित किया। इस दौरान मुंगेली एसडीएम अजय शतरंज, मुख्य नगर पालिका अधिकारी मुंगेली होरी सिंह ठाकुर सहित मौजूद रहे। गौरतलब है कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत जिले में 04 नवंबर से मतदाताओं की मतदाता सूची हेतु गणना पत्रक भरवाना शुरू हो चुका है। यह प्रक्रिया 04 दिसंबर 2025 तक चलेगी। मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त 05 से 08 दिसंबर तक कंट्रोल टेबल एवं ड्राफ्ट रोल की तैयारियों को अद्यतन किया जाएगा। इसके पश्चात 09 दिसंबर को मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किया जाएगा। प्रारंभिक प्रकाशन के बाद 09 दिसंबर से 08 जनवरी 2026 तक दावा एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। दावा-आपत्तियों का निपटान 31 जनवरी तक पूर्ण कर लिया जाएगा, जबकि मतदाता सूची की शुद्धता के परीक्षण उपरांत 07 फरवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मनियारी सभाकक्ष में सेक्टर अफसरों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में अधिकारियों को एसआईआर प्रक्रिया की बेहतर मानिटरिंग तथा शतप्रतिशत गणना पत्रक भरवाने के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। साथ ही बीएलओ एप के माध्यम से गणना प्रपत्र को अपलोड करने, ई-मैपिंग, प्रारूप नामावली का प्रकाशन, दावा-आपत्ति सूची प्रकाशन आदि के संबंध में आवश्यक बातें बताई गई। प्रशिक्षण में बताया गया कि मतदाता स्वयं वेबसाइट या ऐप से ऑनलाइन फॉर्म डाउनलोड व जमा कर सकता है। अगर मतदाता का नाम या उनके माता-पिता, रिश्तेदार का नाम 2003 एसआईआर वोटर लिस्ट में है, तो दस्तावेज नहीं मांगे जाएंगे। इस दौरान अतिरिक्त कलेक्टर निष्ठा पाण्डेय तिवारी, डिप्टी कलेक्टर सारिका मित्तल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आकांक्षी विकासखंड में मेगा कृषि ऋण शिविर

71 करोड़ का ऋण वितरण, महिला समूहों को मिलेगा रोजगार का अवसर

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। जिले के आकांक्षी विकासखंड लखनपुर में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित मेगा कृषि ऋण शिविर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति देने वाला साबित हुआ। शिविर में कुल 71 करोड़ रुपये का ऋण वितरण किया गया, जिसमें कृषि क्षेत्र, महिला स्व-सहायता समूहों और छोटे उद्यमों को बड़ा सहयोग मिलेगा।

शिविर में 38 करोड़ रुपये कृषि से संबंधित गतिविधियों हेतु स्वीकृत किए गए। इसी क्रम में 943 महिला स्व-सहायता समूहों को 22 करोड़ रुपये की सहायता प्रथम, द्वितीय और तृतीय डोस में दी गई। यह राशि बीज, खाद, कृषि उपकरण, पशुपालन और अन्य कृषि-आधारित कार्यों के लिए उपयोग की जाएगी। वहीं पीएमईजीपी योजना के तहत 33 करोड़ रुपये छोटे उद्योगों को स्वीकृत किए गए हैं। जिसमें राइस मिल, हार्वेस्टर और अन्य ग्रामीण उद्योगों को इससे गति

मिलेगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। शिविर में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना अंतर्गत 4 हितग्राहियों को 2-2 लाख रुपये की बीमा दावा राशि के चेक प्रदान किए गए। कलेक्टर विलास भोसकर ने ग्रामीण स्व सहायता समूह की महिलाओं से कहा कि लोन लेकर किसी के बहकावे में न आएं। खेती के साथ-साथ बकरी पालन, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन जैसे बहुआयामी व्यवसाय अपनाकर आय में वृद्धि करें। उन्होंने कहा कि लोन रोजगार का मौका है, इसे जिम्मेदारी से उपयोग कर आजीविका बढ़ाएं और समय पर चुकाएं, पैसा डबल करने वाले चिटफंड कंपनियों के झांसे में न आए। जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल ने कहा कि महिला स्व-सहायता समूह संगठित होकर बैंकिंग सुविधाओं का लाभ उठाएं। यह ऋण राशि जीवन स्तर सुधारने का मजबूत आधार है। उन्होंने महिलाओं को बैंकिंग प्रक्रियाओं, लोन उपयोग और बाजार से जुड़कर व्यवसाय बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के स्टेट हेड श्री बी. रामकृष्ण नायक ने कहा कि यह शिविर ऋण प्राप्त करने, अपने खेत या संबद्ध उद्यम का आधुनिकीकरण करने, आय-बढ़ाने, जोखिम प्रबंधन और स्थायी आजिविका बनाने का महत्वपूर्ण कदम है।कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रबंधक रणधीर सिंह, नाबार्ड डीडीएम अनुपम तिवारी, डीडीए पीताम्बर दीवान, डीआईसी डॉ. अंकुर गुप्ता, सीएमओ विद्या सागर चौधरी, डीपीएम सुभाष मिश्रा, एलडीएम दिपेंद्र यादव,जनपद पंचायत सीईओ डॉ. स्वेच्छा सिंह सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्व-सहायता समूह महिलाएं उपस्थित रहे।

सरदार पटेल की जयंती पर 12 किमी यूनिटी मार्च संपन्न

मनेंद्रगढ़/चिरमिरी/खड़गवां। अखंड भारत के शिल्पकार सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर 'आत्मनिर्भर भारत - यूनिटी मार्च' का भव्य आयोजन किया गया। 12 किमी लंबी यह पदयात्रा खोगापानी से शुरू होकर नई लेदरी, झगराखांड होते हुए मनेंद्रगढ़ में संपन्न हुई। यात्रा में राज्य सभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह, प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष चंपा देवी पावले, पूर्व जिलाध्यक्ष अनिल केशरवानी, नपा अध्यक्ष प्रतिमा यादव सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। मार्च के दौरान पदयात्रियों ने हाथों में तिरंगा लेकर एकता, अखंडता और स्वदेशी अपनाने का संदेश दिया। जगह-जगह विद्यालयों के बच्चों ने स्वागत किया और नशा मुक्ति पर प्रस्तुति दी। विभिन्न स्थानों पर आयोजित सभाओं में वक्ताओं ने सरदार पटेल के योगदान, स्वदेशी नीति, विज़न 2047 और विकसित भारत के संकल्प पर विचार रखे। कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन व खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा 'मेरा युवा भारत, सरदार 150' थीम पर किया।

आवास मिलने से पानी टपकने से मिली मुक्ति

बलरामपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री आवास योजना ने उन परिवारों को राहत दी है जो वर्षों से कच्चे और असुरक्षित घरों में रहने को मजबूर थे। योजना ने परिवारों के पक्के आवास का सपना पूरा किया है। जहां पात्र लाभार्थियों जो आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के रहे हैं उन लोगों के पक्के घर का सपना अब हकीकत बन चुका है। बलरामपुर विकासखंड के ग्राम पस्ता की निवासी प्रतिमा सिंह, जो विधवा महिला हैं, वे बताती हैं कि उनका वर्षों पुराना सपना अब पूरा हो चुका है।

बाल सुरक्षा सप्ताह पर यातायात और सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

खड़गवां/नवप्रदेश। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खड़गवां में बाल सुरक्षा सप्ताह के अवसर पर आज 15 नवम्बर 2025 को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में थाना प्रभारी सुनील तिवारी एवं स्टाफ ने विद्यार्थियों को गुड टच-बैड टच, महिला संबंधी अपराध, साइबर सुरक्षा तथा यातायात नियमों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को सतर्क रहने

और किसी भी स्थिति में तुरंत मदद लेने की सलाह दी। कार्यक्रम में प्राचार्य एम. टोप्पो, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं लगभग 200 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में सुरक्षा और यातायात जागरूकता बढ़ाना और आत्मविश्वास विकसित करना था।

कुंवरपुर बांध के समीप चोरों ने किया बाइक पार

लखनपुर/नवप्रदेश। लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कुंवरपुर बांध के समीप मोटरसाइकिल खड़ा कर शौच के लिए गए युवक के मोटरसाइकिल को अज्ञात चोरों ने पार कर दिया है। लखनपुर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मधेश्वर राजवाड़े पिता स्वर्गीय फेकू राम ग्राम सराई टिकरा 14 नवंबर दिन शुक्रवार की दोपहर लगभग 2 बजे लखनपुर थाना पहुंच रिपोर्ट दर्ज कराया की वह अपने फूफा स्वर्गीय उपेंद्र कुमार राजवाडे के मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 15 EE 9094 हीरो एचएफ डीलक्स में 7 नवंबर की सुबह करीब 8 बजे कुंवरपुर बांध के समीप किनारे मोटरसाइकिल खड़ा कर शौच के लिए गया था ।

शिक्षा गुणवत्ता सुधार एवं पालक-शिक्षक समन्वय पर चर्चा

मुंगेली/नवप्रदेश। बाल दिवस के अवसर पर पीएमश्री स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय दाऊपारा में प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विभाग में फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमरेसी मेला तथा हाई एवं हायर सेकेंडरी विभाग में विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति की समीक्षा हेतु पालक-शिक्षक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उपस्थित 9वीं से 12वीं के पालकों को उनके पाल्य की 09 प्लस मासिक मूल्यांकन, त्रैमासिक एवं एफए-2 परीक्षा का परिणाम बताते हुए उनकी उत्तर पुस्तिकाओं का अवलोकन कराया गया। ताकि पालक अपने बच्चों के प्रदर्शन को

समझ सकें और सुधार हेतु आवश्यक प्रयास कर सके। इस अवसर पर शाला प्राचार्य डॉ. आई.पी. यादव ने बाल दिवस पर यह बैठक आयोजित करने का उद्देश्य बताते हुए सभी कक्षाओं के परिणाम से अवगत कराया एवं पालकों को आवश्यक सुधार लाने हेतु प्रयास करने प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला मिशन समन्वयक, समग्र शिक्षा, अशोक कश्यप ने '90 प्लस' शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी दिये तथा पालक-शिक्षक समन्वय की अधिक आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ एसएमडीसी सदस्य डॉ. हीरालाल साहू, रमेश बुनकर, दुष्यंत दुबे, ममता जोशी, ममता पाटले तथा पालक मोहित यादव, व्याख्याता महादेव यादव, पंकज मिश्रा, सांत्वना दत्ता, हरिशंकर गुप्ता, पारूल ओझा, उमाशंकर साहू सहित सभी कक्षाओं के कक्षा शिक्षक एवं अनेक पालकगण उपस्थित रहे।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय पेंड्री में बाल दिवस पर बाल मेला आयोजित

पेंड्री /एम सी बी/नवप्रदेश। पूर्व माध्यमिक विद्यालय पेंड्री में बाल दिवस के अवसर पर बाल मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत पेंड्री के उपसरपंच सुरेश यादव, व्यावसायी व समाजसेवी अशोक राय, प्राचार्य अखिलेश सोनवानी, पूर्व प्राचार्य नारायण प्रसाद केवट, CAC घुटरा अंतिम राय व रफीक मोहम्मद कुरैशी, प्रधान पाठक सच्चू प्रसाद यादव एवं SMC अध्यक्ष सविता यादव उपस्थित रहे। मेले में राष्ट्रीय एकता, भाषा कौशल, पारंपरिक व्यंजन 'फरा' सहित विभिन्न स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे। बच्चों ने बलून गेम, कुर्सी दौड़ सहित कई गतिविधियों में हिस्सा लिया। संकुल प्राचार्य सोनवानी ने ऐसे आयोजनों को छात्रों के समग्र विकास हेतु आवश्यक बताया।

गंभीर हिप जॉइंट समस्या से जूझ रहे मरीज का सफल ऑपरेशन

मुंगेली/नवप्रदेश। जिला अस्पताल में चलने-फिरने में असमर्थ हो चुके मरीज की जटिल शल्य चिकित्सा के बाद मरीज आसानी से चलने लगा। मरीज के दोनों कूल्हों के जोड़ (हिप जॉइंट) गंभीर रूप से खराब हो चुके थे। जिसे चिकित्सकों ने सर्जरी पश्चात ठीक कर दिया। मरीज एवं परिजनों ने चिकित्सकों के प्रति आभार व्यक्त किया। जिले के ग्राम अखरार निवासी 37 वर्षीय दिनेश पात्रे पिछले दो वर्षों से दोनों कूल्हों में गंभीर दर्द की समस्या से जूझ रहे थे। बीमारी बढ़ने के साथ उनकी चलने-फिरने की क्षमता धीरे-धीरे कम होती गई और पिछले छह महीनों से वे पूरी तरह चलने-फिरने में असमर्थ हो चुके थे। लगातार बढ़ते दर्द और असहाय स्थिति के कारण उनके दैनिक कार्य भी प्रभावित होने लगे थे। परिजन उन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सा टीम द्वारा विस्तृत जांच की गई। जांच में पाया गया कि दिनेश के दोनों कूल्हों के जोड़ (हिप जॉइंट) गंभीर रूप से खराब हो चुके हैं, जिसके कारण उन्हें तुरंत शल्य चिकित्सा की आवश्यकता है। सिविल सर्जन सह मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एम.के. राय के निर्देशन में जिला चिकित्सालय के अस्थि

रोग विशेषज्ञ डॉ. भूपेंद्र सिंह टंडन एवं निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. राजेश बेलदार ने दिनेश का सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया। इस जटिल शल्य चिकित्सा के बाद दिनेश की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखा गया। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, ऑपरेशन के बाद दिनेश अब स्वस्थ हैं और धीरे-धीरे चलने-फिरने लगे हैं। डॉक्टरों ने बताया कि नियमित फिजियोथेरेपी और सावधानी बरतने से मरीज जल्द ही सामान्य जीवन जीने में सक्षम हो जाएगा। परिजनों ने उपचार और देखभाल के लिए जिला चिकित्सालय की चिकित्सा टीम के प्रति आभार व्यक्त किया है। इस दौरान चिकित्सकगण अभिलाषा दास, आयुष राम, हरेन्द्र मिरे सहित विभाग के अधिकारी और नर्स मौजूद थे।

चुनाव

मंत्री श्याम बिहारी ने कहा—अब पश्चिम बंगाल भी तैयार

बिहार चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत पर मनाया

एमसीबी/मनेंद्रगढ़/चिरमिरी/खड़गवां। बिहार विधानसभा चुनाव में ह्ष्ठ को 200 से अधिक सीटों के साथ मिली प्रचंड जीत पर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने एमसीबी में कार्यकर्ताओं संग जश्न मनाया।

आत्मनिर्भर भारत यूनिटी मार्च समापन के बाद उन्होंने राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह को बूंदी का लड्डू खिलाकर बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की और मिठाइयां बांटी। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष चंपा देवी पावले, नपा अध्यक्ष प्रतिमा यादव, नगर पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राणा, पूर्व जिलाध्यक्ष अनिल केशरवानी सहित बड़ी

संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।मंत्री जायसवाल ने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, नीतीश कुमार के सुशासन और भाजपा की नीतियों पर जनता के विश्वास का परिणाम है। जातिगत राजनीति को दरकिनार कर बिहार ने विकास को चुना है। उन्होंने दावा किया कि यह परिणाम पश्चिम बंगाल में ह्ष्ठ के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा।

चिरमिरी में भी मना उत्सव

चिरमिरी पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने मंत्री का जोरदार स्वागत किया। आतिशबाजी, नारे और मिठाइयों के बीच मंत्री कार्यकर्ताओं के साथ थिरके और जीत को उनकी मेहनत का फल बताया।

सरसों की उन्नत किस्म का प्रदर्शन व प्रशिक्षण कार्यक्रम

मुंगेली/नवप्रदेश। शासन द्वारा तिलहन फसलों के रकबे, उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि के उद्देश्य से संचालित राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के विशेष तिलहन घटक अंतर्गत किसानों को वैज्ञानिक कृषि तकनीकों से जोड़ने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

इसी क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र, मुंगेली द्वारा ग्राम करही में सरसों की उन्नत किस्म डीआरएमआर 2017-15 (राधिका) पर समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत किसानों को उन्नत किस्म के बीज वितरित किए गए तथा सरसों की वैज्ञानिक खेती से जुड़े सभी पहलुओं पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण सत्र में विषय वस्तु विशेषज्ञ नेहा लहरे ने तिलहन उत्पादन हेतु उपयुक्त भूमि एवं जलवायु, उन्नत किस्मों का चयन, भूमि तैयारी, बीजोपचार तथा अन्य वैज्ञानिक विधियों पर मार्गदर्शन दिया। वहीं विषय वस्तु विशेषज्ञ एसके लहरे ने मिट्टी परीक्षण के लाभ, बुवाई समय, बीज दर, बुवाई की विधि, उर्वरक प्रबंधन, सिंचाई व्यवस्था, निंदाई-गुड़ाई, प्रमुख कीट एवं रोगों की पहचान और नियंत्रण उपायों पर विस्तृत जानकारी साझा की। प्रशिक्षण के उपरांत किसानों को सरसों का बीज वितरण किया गया तथा प्रक्षेत्र भ्रमण के दौरान प्रदर्शन लगाने हेतु उपयुक्त खेतों का चयन किया गया। किसानों को खेत में अपनाई जाने वाली आवश्यक कृषि क्रियाओं एवं तकनीकी सुझावों से अवगत कराया गया, जिससे वे उत्पादन को अधिक वैज्ञानिक, उन्नत और लाभकारी बना सकें। कार्यक्रम में सरपंच कमलेश्वर बंजारे, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी शुक्ला एवं चेतन कुर्रे और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

बिलासपुर में 'चलो चले मधुमेह से लड़ें' स्वास्थ्य रैली का भव्य आयोजन

लगभग 1100 लोगों ने सामाजिक सहभागिता और जागरूकता के साथ मधुमेह नियंत्रण का दिया संदेश

मधुमेह जागरूकता: अपोलो हॉस्पिटल की पहल और विशेषज्ञों की सलाह सामाजिक सहभागिता और जागरूकता के साथ मधुमेह नियंत्रण का संदेश

बिलासपुर/नवप्रदेश। *विश्व मधुमेह दिवस पर अपोलो हॉस्पिटल बिलासपुर द्वारा 3.0 चलो चले मधुमेह से लड़ें का आयोजन किया गया, बिलासपुर की इस सबसे बड़ी स्वास्थ्य रैली का आयोजन विश्व मधुमेह दिवस 2025 के अवसर पर किया गया।*

शहर विधायक अमर अग्रवाल द्वारा झण्डी दिखाकर स्वास्थ्य रैली को रवाना किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मधुमेह के प्रति जागरूकता बढ़ाना, स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा प्रारंभिक पहचान एवं रोकथाम के महत्व को जोर देना था। स्वास्थ्य रैली की शुरुवात सुबह 7:30 बजे अपोलो सिटी सेंटर से हुई। जिसमे चिकित्सकों, मरीजों के परिजन, शहर के विभिन्न समाजों के अध्यक्ष, विभिन्न व्यवसायी संगठन, अपोलो नर्सिंग कॉलेज एवं ब्रह्मकुमारिस फाउंडेशन का संयुक्त तत्वाधान रहा। अपोलो अस्पताल प्रशासन का मुख्य उद्देश्य मधुमेह से बचाव एवं उसका नियंत्रण रहा। कार्यक्रम के दौरान अपोलो अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ. कल्पना दास ने बताया की हमें तीन सफ़ेद वस्तुओं को नजरअंदाज करना चाहिए जो की शुगर, नमक एवं मैदा प्रमुख है। इस अवसर पर अपोलो के सी.ओ.ओ. अभय कुमार गुप्ता ने नियमित स्वास्थ्य परिक्षण कराने पर जोर दिया

एवं मधुमेह को एक लाइफ स्टाइल बीमारी बताया। शहर के विधायक अमर अग्रवाल जी ने अपोलो द्वारा आयोजित इस स्वास्थ्य रैली को सराहनीय बताया। कार्यक्रम के दौरान अपोलो अस्पताल के वरिष्ट चिकित्सकों ने बताया की मधुमेह आज देश में सबसे अधिक तेजी से बढ़ने वाली स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है । नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, समय पर स्क्रीनिंग और तनाव नियंत्रण से मधुमेह के जोखिमो को काफी हद तक कम किया जा सकता है। वाकथान के पश्चात् सभी प्रतिभागियों के लिए स्वल्पाहार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छग. महिला आयोग की अध्यक्ष एवं रायपुर की भूतपूर्व महापौर डॉ. किरणमयी नायक भी उपस्थित रही एवं उन्होंने अपोलो हॉस्पिटल बिलासपुर द्वारा आयोजित इस स्वास्थ्य रैली को एतिहासिक बताया एवं नियमित स्वास्थ्य परिक्षण की सलाह दी। अपोलो के सी.ओ.ओ. अभय गुप्ता ने रैली में सभी समाजों, सामाजिक एवं व्यवसायिक संगठनों की सक्रीय सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया।

'चलो चले मधुमेह से लड़ें' स्वास्थ्य रैली - बिलासपुर अपोलो हॉस्पिटल

विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर अपोलो हॉस्पिटल बिलासपुर ने 3.0 'चलो चले मधुमेह से लड़ें' नामक स्वास्थ्य रैली का आयोजन किया। यह बिलासपुर की सबसे बड़ी स्वास्थ्य रैली थी, जिसका उद्देश्य मधुमेह के प्रति जागरूकता फैलाना और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना था। शहर विधायक अमर अग्रवाल ने झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। शुरूआत सुबह 7:30 बजे अपोलो सिटी सेंटर से हुई, जिसमें चिकित्सक, मरीजों के परिजन, समाज के प्रमुख नेता, व्यवसायी संगठन, नर्सिंग कॉलेज एवं ब्रह्मकुमारिस फाउंडेशन ने भाग लिया। डॉ. कल्पना दास ने बताया कि हमें शुगर, नमक और मैदा जैसी तीन सफेद वस्तुओं से बचना चाहिए। सी.ओ. अभय कुमार गुप्ता ने नियमित स्वास्थ्य जांच पर जोर दिया और मधुमेह को जीवनशैली से जुड़ी बीमारी बताया।

न्यूज गैलरी

पीएम सूर्यघर योजना के लिए एक बैठक आयोजित

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूषन कंपनी लिमिटेड बिलासपुर द्वारा पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत आज तिफरा स्थित प्रषासनिक भवन के सभाकक्ष में सुबह 12:00 बजे से मुंगेली जिले का बैठक आयोजित किया गया। बैठक में मुंगेली जिले के सभी अधिकारी एवं पीएम सूर्यघर योजना के वेंडर भी उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी मुंगेली संभाग के अधिकारियों द्वारा पीएम सूर्यघर योजना के तहत चलाये जा रहे व्यापक प्रचार-प्रसार से 1 नवम्बर से 10 नवम्बर तक लगभग 10 हजार आवेदन प्राप्त हुये हैं। बिलासपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री ए. के. अम्बस्थ ने तिफरा स्थित सभाकक्ष में मुंगेली जिले के अधिकारी एवं सोलर पॉवर प्लांट से संबंधित रजिस्टर्ड वेंडरों की समीक्षा बैठक लेकर उन्हे दिषा-निर्देष दिया कि विकासखण्डवार विभिन्न ग्राम पंचायतों में पीएम सूर्यघर योजना के तहत षिविर का आयोजन किया जाए एवं प्राप्त आवेदनों पर तत्काल कार्यवाही करते हुये वेंडर सलेक्षन तथा सोलर रूफटॉप समय-सीमा के भीतर स्थापित कराया जावे।

कहा था- सतनामी होकर गाय काट रहे मूर्ख, बवाल के बाद कथा स्थल से पकड़ ले गई पुलिस

एमपी के कथावाचक आशुतोष चैतन्य बिलासपुर में गिरफ्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में सतनामी समाज को अपशब्द कहने पर तखतपुर पुलिस ने कथावाचक आशुतोष चैतन्य महाराज को गिरफ्तार किया है। आशुतोष चैतन्य ने कहा था कि कथावाचन के दौरान सतनामी समाज को मूर्ख और गाय काटने वाला समाज बताया था।

आशुतोष चैतन्य ने कहा था कि छत्तीसगढ़ के तखतपुर में कितनी गायें कट रही हैं, आपको पता है? जो पहले सनातनी थे, वो आज सतनामी हो गए। उन मूर्खों को यह समझ नहीं आता कि सतनामी का मतलब क्या होता है। ये गायों को काट रहे हैं। कथावाचक के विवादित बयान के बाद सतनामी समाज ने तखतपुर थाने का घेराव किया। कथावाचक की गिरफ्तारी की मांग की थी। बढ़ते विवाद के बाद पुलिस ने आशुतोष चैतन्य के खिलाफ स्त्रढ्ढक्र दर्ज की। पुलिस ने 15 नवंबर को तखतपुर के कथा स्थल से अरेस्ट किया है। सतनामी समाज के लोगों का कहना था कि व्यासपीठ से की गई ऐसी टिप्पणी न केवल धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली है, बल्कि समाज को आपस में बांटने का प्रयास भी है। कथावाचक को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। कथावाचक की गिरफ्तारी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी थी। वहीं तखतपुर में सतनामी समाज के विरोध के बाद कथावाचक आशुतोष चैतन्य महाराज के कार्यक्रम स्थल तखतपुर के टिकरी पारा में सुरक्षा बढ़ा दी गई थी, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके। पंडाल के आसपास पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

जानिए क्या है पूरा मामला ?

दरअसल, तखतपुर के टिकरी पारा में श्रीमद् भागवत कथा महापुराण चल रहा है। यहां आशुतोष चैतन्य महाराज कथावाचन कर रहे थे। 11 नवंबर को उन्होंने सतनामी समाज को लेकर कई अपशब्द कहे। वीडियो को यूट्यूब चैनल पर अपलोड भी कर दिया गया। कथावाचक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सतनामी समाज भड़क उठा। 12 नवंबर को समाज के लोग बड़ी संख्या में तखतपुर थाने पहुंचे और घेराव कर दिया। इस दौरान समाज के लोगों ने कथावाचक के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

क्रिकेट संघ बिलासपुर अंडर 14 टीम घोषित

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंडर 14 एलीट ग्रुप इंटर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसके लिए 14 सितंबर को 165 खिलाड़ियों ने ट्रायल दिया था उसमें से 75 खिलाड़ियों का कैंप और सिलेक्शन मैच कराया गया सिलेक्ट के रूप में सुशांत शुक्ला, अतुल शर्मा, आयुष दीक्षित और मोईन मिर्जा ने फिजिकल फिटनेस बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण सभी चीजों को देखते हुए क्रिकेट संघ बिलासपुर की अंडर 14 एलीट ग्रुप की टीम इस प्रकार है..... प्रिंस पटेल (कप्तान), अभिनव यादव, देवांश यादव, विहान सिंह, शास्वत नायर ,अंगद सिंह बाली, आर्यन शर्मा, स्वर्णिम साईनाथ केसरी, हर्षित देवांगन, शिवांश यादव, सैयद जयेश सलीम, अक्षज बाजपेई, शिवम सिंह सिंगरौल ,युवराज सजवानी ,शौर्य केवट, अभिमन्यु सिंह, वैभव मोटवानी, हार्दिक गुप्ता अतिरिक्त खिलाड़ी के रूप में अभिनव अवस्थी, तृष्णु तरुण, सैयद मौज अली रेहान खान है 7छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा अंडर 14 एलीट ग्रुप इंटर डिस्ट्रिक्ट टूर्नामेंट 16 नवंबर 2025 से छत्तीसगढ़ के अलग अलग मैदान में खेला जाएगा। जो कि लीग मैच खेला जाएगा और दो दिन के रूप में खेला जाएगा और जिसमें 2 ग्रुप बनाया गया है बिलासपुर की टीम ग्रुप ए में है और इसके अलावा रायपुर, भिलाई और रायगढ़ टीम ग्रुप में सम्मिलित हैबिलासपुर अपना सभी मैच राजनांदगांव के साइंस कॉलेज में खेलेंगे और अपना पहला मैच 16 और 17 नवंबर को रायगढ के मध्य , दूसरा मैच भिलाई के मध्य 19, 20 नवंबर को और तीसरा मैच रायपुर के मध्य 22, 23 नवंबर को खेलेगी। बिलासपुर की टीम 15 नवंबर को राजनांदगांव के लिए निकलेगी।

मस्तूरी रावत नृत्य में सिलपहरी को मिला प्रथम स्थान

बिलासपुर/नवप्रदेश। रावत नृत्य महोत्सव समिति एवं यादव समाज मस्तूरी द्वारा रावत नृत्य महोत्सव का आयोजन कल शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैदान मस्तूरी दिलीप लहरिया विधायक मस्तूरी के मुख्य आतिथ्य में तथा डॉ सोमनाथ यादव पूर्व अध्यक्ष राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग छत्तीसगढ़ शासन (कैबिनेट मंत्री दर्जा) की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस अवसर पर अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में शिवप्रताप साव पूर्व पार्षद, अरुणा सूर्या सभापति जिला पंचायत, सतकली बावरे सदस्य जिला पंचायत,दामोदर कांत सदस्य जिला पंचायत, विनोद सिंह ठाकुर पूर्व उपाध्यक्ष जनपद पंचायत मस्तूरी के साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती सरस्वती बिंझवार अध्यक्ष जनपद पंचायत मस्तूरी, नीतेश सिंह ठाकुर उपाध्यक्ष जनपद पंचायत मस्तूरी, देवेंद्र कृष्णन जनपद सदस्य मस्तूरी, सुनीता सारथी सरपंच मस्तूरी, विवेक त्रिपाठी मंडल अध्यक्ष भाजपा, किशोर राठौर अध्यक्ष व्यापारी संघ मस्तूरी, गजानंद राठौर विधायक प्रतिनिधि, नीरज यादव जिला युवा भाजपा नेता बिलासपुर , अमित यादव, अनिल यादव, अभिषेक यादव आदि उपस्थित रहे। रावत नृत्य महोत्सव में प्रथम स्थान ग्राम सिलपहरी का दल रहा वही द्वितीय स्थान ग्राम बसिया, तृतीय स्थान ग्राम परसदा चतुर्थ स्थान ग्राम खमतराई के रावत नर्तक दल रहा जिन्हें नगद राशि और रनिंग शील्ड से अतिथियों द्वारा भेंट कर सम्मान किया गया। महोत्सव के अध्यक्ष संयोजक दिलीप यादव, अध्यक्ष कन्हैया यादव, उपाध्यक्ष राहुल यादव, मनोज यादव, जितेंद्र यादव, रघु यादव आदि समाज के पदाधिकारी कार्यक्रम को सफल बनाने में जुट रहे।

बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर क्विज स्पर्धा का आयोजन

बिलासपुर/नवप्रदेश। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय इकाई द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती एवं बाल दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में एक क्विज प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - गुनगुन बत्रा, द्वितीय स्थान - अभय कौशिक ,तृतीय स्थान -प्रीति सिंह राजपुत ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, उनके योगदान, एवं बाल दिवस के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। एबीवीपी अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय इकाई के अध्यक्ष सुधांशु यादव ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा हमारे आदर्श हैं, जिन्होंने समाज के उत्थान और जनजातीय अधिकारों के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया।

बिहार की प्रचंड जीत जनता और सरकार पर अटूट सबंध और विश्वास का प्रतिक : कौशिक

बिलासपुर/नवप्रदेश। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की बम्पर जीत के बाद पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने एनडीए सरकार को बधाई देते हुए पुरे बिहार जनता का आभार माना और कहा कि बिहार चुनाव में एनडीए सरकार ने 200 से अधिक सीट पर प्रचंड जीत हासिल कर यह साबित किया है कि जनता की उम्मीदों पर खरा उतर कर आप बार-बार आशीर्वाद पा सकते हैं। बिहार की जनता को धन्यवाद।

विद्यालयों में कब-बुलबुल, स्काउट्स-गाइड्स और रोवर-रेंजर ने उत्साहपूर्वक मनाया बाल दिवस

बिलासपुर /नवप्रदेश। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला संघ बिलासपुर के अंतर्गत संचालित विभिन्न विद्यालयों की स्काउटिंग-गाइडिंग इकाइयों द्वारा बाल दिवस उत्साहपूर्वक मनाया। कार्यक्रम में कब-बुलबुल, स्काउट्स-गाइड्स तथा रोवर-रेंजर ने मिलकर विविध गतिविधियों के माध्यम से बाल दिवस को विशेष रूप से मनाया।कार्यक्रम की शुरुआत चाचा नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण और श्रद्धांजलि के साथ की गई। इसके बाद बच्चों ने समूहगीत, देशभक्ति प्रस्तुतियाँ, खेलकूद तथा जागरूकता गतिविधियाँ प्रस्तुत कीं। कब-बुलबुल द्वारा मनमोहक गीत, स्काउट-गाइड्स की अनुशासित ड्रिल और रोवर-रेंजर की प्रेरक पहल कार्यक्रम की विशेष आकर्षण रहीं। जिला संघ बिलासपुर की ओर से भारत स्काउट्स एवं गाइड्स बिलासपुर के पदेन संरक्षक/कलेक्टर संजय अग्रवाल जी, जिला मुख्य आयुक्त स्काउट चन्द्र प्रकाश बाजपेयी ,पदेन जिला आयुक्त स्काउट/जिला शिक्षा अधिकारी बिलासपुर विजय टांडे , राज्य संगठन आयुक्त स्काउट विजय कुमार यादव व जिले के पदाधिकारियों ने बच्चों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि स्काउटिंग-गाइडिंग बच्चों में अनुशासन, जिम्मेदारी, नेतृत्व क्षमता और सेवा भावना का विकास करती है।युक्त कार्यक्रम में जिले के ब्रजेश मेमोरियल स्कूल, शा. हाई स्कूल धनिया,शा. हाई स्कूल फरहदा, सेजेस लिंगियाडीह, सेजेस सेंदरी,शा. हाई स्कूल तेंदुआ, शा. प्रा. शाला भारारी जिले के विभिन्न विद्यालय के कब - बुलबुल, स्काउट - गाइड, रोवर - रेंजर ने आनंद और उत्साहपूर्वक विद्यालय स्तर पर आयोजित यह बाल दिवस समारोह सफलतापूर्वक मनाया।

बाल मित्र नेहरू' की स्मृति में बच्चों के लिए किया आनन्द मेला का आयोजन

बिलासपुर/नवप्रदेश। आधारशिला विद्या मंदिर न्यू सैनिक स्कूल में बाल दिवस बड़े उत्साह व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । प्रति वर्ष स्वतन्त्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के जन्म दिवस के रूप में मनाया जाता है । कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय प्रांगण में चेयरमैन डा. अजय श्रीवास्तव डायरेक्टर एस. के जनस्वामी, shrimati kavita जनस्वामी, प्रधानाचार्या जी आर मधुलिका द्वारा माँ सरस्वती और पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ । इस अवसर पर विद्यालय द्वारा छात्रों के मनोरंजन हेतु आनन्द मेला का आयोजन किया गया । इसमें विद्यालय के शिक्षक अपने अपने स्टॉल लगाए जिसमें विभिन्न खेल , सैण्डविच ,स्प्राउट चाट, स्वीट कार्न, पापड़ी चाट, गुपचुप, मुगौड़ी, भेल जैसे स्वादिष्ट व्यंजन थे । बच्चे अपने माता पिता व अभिभावक के साथ आनन्द मेला सम्मिलित हुए । विद्यार्थियों के मनोरंजन हेतु विभिन्न सांस्कृतिक जैसे नृत्य, गायन, पोस्टर मेंकिंग, भाषण, रील मेकिंग प्रस्तुति आदि आयोजित किये गये थे।

नेहरु गैलरी में नेहरू जी के बचपन, शिक्षा, स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका, आधुनिक भारत के निर्माण हेतु उनके प्रयास, वैज्ञानिक दृष्टि तथा बाल प्रेम को दर्शाने वाली दुर्लभ तस्वीरें एवं सूचनाएँ प्रदर्शित की गयी थी । विशेष रूप से 'बाल मित्र नेहरू' विद्यार्थियों के बीच आकर्षण का केंद्र रहा, जिसमें बाल दिवस की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तथा नेहरू जी के प्रेरक विचारों को सहज भाषा में प्रस्तुत किया गया । गैलरी में मॉडल, पोस्टर, टाइमलाइन चार्ट, स्वतंत्रता आंदोलन की झलक तथा नेहरू जी द्वारा स्थापित संस्थानों की जानकारी भी शामिल थी ।

बाल विवाह रोकने कार्यशाला जागरूकता बढ़ाने पर जोर

बिलासपुर/नवप्रदेश। महिला एवं बाल विकास विभाग ने बाल विवाह रोकथाम को लेकर संभाग स्तरीय कार्यशाला आयोजित की, जिसमें प्रशासन, पुलिस, समाजसेवी संगठनों और विभिन्न सेवा प्रदाताओं ने भाग लिया। अधिकारियों ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, दंड प्रावधानों और हेल्पलाइन की जानकारी देते हुए दो वर्षों से बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायतों को चाइल्ड फ्रेंडली घोषित करने की बात कही।अभियान को सफल बनाने के लिए सामूहिक प्रयास की अपील की गई।

शिविर

अस्पताल परिसर में आयोजित जांच शिविर में 385 मरीजों की मुफ्त शुगर जांच

सिम्स में विश्व मधुमेह दिवस पर जागरूकता शिविर एवं संगोष्ठी का सफल आयोजन

बिलासपुर/नवप्रदेश। विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) बिलासपुर में मेडिसिन विभाग द्वारा शुक्रवार को मधुमेह जागरूकता शिविर एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मरीज, नर्सिंग स्टाफ, मेडिकल विद्यार्थी एवं विभिन्न विभागों के चिकित्सक शामिल हुए। अस्पताल परिसर में आयोजित यादृच्छिक रक्त शर्करा (रेंडम ब्लड शुगर) जाँच शिविर में 385मरीजों की मुफ्त शुगर जाँच की गई। साथ ही फाइब्रो-स्कैन सुविधा के माध्यम से फैटी लिवर एवं लीवर फाइब्रोसिस की स्क्रीनिंग315 लोगो की गई। शिविर के दौरान लोगों को मधुमेह के लक्षण, बचाव, नियंत्रण तथा जीवनशैली में सुधार से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी गई।ओपीडी शिविर का संचालन श्रीमती योगिता वर्मा एवं एमआरडी शिविर का संचालन पुष्पलता शर्मा द्वारा किया गया। संगोष्ठी का आयोजन भी पुष्पलता शर्मा के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। डॉक्टर हेमंत (पीजी प्रथम वर्ष) और डॉक्टर अनमोल ने सहायक चिकित्सक के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान कीं।संगोष्ठी में विशेषज्ञों के महत्वपूर्ण वक्तव्य मुख्य वक्ता डॉ. आशुतोष कोरी ने कहा कि– 'मधुमेह अब सिर्फ वृद्धावस्था तक सीमित नहीं है। गलत जीवनशैली, तनाव और अनियमित खान-पान के कारण युवा भी तेजी से इसकी चपेट में आ रहे हैं। समय पर जाँच, संतुलित आहार और नियमित व्यायाम से इसे नियंत्रित रखा जा सकता है। 'सिम्स के अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति ने कहा– 'मधुमेह हृदय, गुर्दे, आँखों तथा नसों पर गंभीर प्रभाव डालता है। जनता को जागरूक करना हमारा दायित्व है और ऐसे शिविर स्वास्थ्य शिक्षा को समाज के हर वर्ग तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम हैं। 'डॉ. प्रभात श्रीवास्तव ने विशेषज्ञों के साथ मिलकर मधुमेह के कारण, लक्षण, खान-पान, जीवनशैली, उपचार एवं स्वयं की देखभाल पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

मधुमेह जागरूकता एवं स्क्रीनिंग कार्यक्रम

विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) बिलासपुर में मधुमेह जागरूकता शिविर एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 385 मरीजों की मुफ्त रैंडम ब्लड शुगर जांच और 315 लोगों की फाइब्रो-स्कैन से फैटी लिवर एवं लीवर फाइब्रोसिस की स्क्रीनिंग की गई। शिविर में मरीजों को मधुमेह के लक्षण, बचाव, नियंत्रण तथा जीवनशैली में सुधार के महत्व की जानकारी दी गई।

न्यूज गैलरी

फोन से लेकर लैपटॉप की दुनिया में दिग्गज कंपनी फिलीस्पस देगी दस्तक, भारत में जल्द होगी एंट्री

नई दिल्ली। भारतीय स्मार्टफोन बाजार में जल्द ही एक नया ब्रांड दस्तक देने जा रहा है। Philips नाम से आप पहले से परिचित हैं, लेकिन अब यह ब्रांड स्मार्टफोन से लेकर टैबलेट, स्मार्टवॉच और लैपटॉप तक कई नई कैटेगरी में उतरने की तैयारी कर रहा है। इन सभी प्रोडक्ट्स को भारत में Zenotel कंपनी लॉन्च करेगी। देश में Philips ब्रांड के मोबाइल फोन और अन्य गैजेट्स की बिक्री संभालेगी। हालांकि, ध्यान देने वाली बात यह है कि Philips पहले से कई कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स बेचता है, जो Zenotel द्वारा लाए जाने वाले डिवाइसेस से अलग हैं। पिछले कुछ दिनों से कंपनी अपने आने वाले स्मार्टफोन के फीचर्स को टीज कर रही है। वहीं, Philips के संभावित टैबलेट की जानकारी भी सामने आई है, जिसे Philips क्ष्ुस्र द्वह्न नाम से बाजार में उतारा जा सकता है।टीज किए गए स्पेसिफिकेशंस यह संकेत देते हैं कि कंपनी शुरुआती या बजट सेगमेंट को टारगेट कर रही है। लीक रिपोर्ट्स के अनुसार, Philips Pad Air में nisoc T606 चिपसेट, yGB RAM और 128त्नक्च स्टोरेज मिल सकता है। टैबलेट में 90॥5 रिफ्रेश रेट वाली 2य डिस्प्ले होने की बात कही जा रही है। पावर के लिए इसमें 7000द्वद्ध की बैटरी और 18ड्ड फास्ट चार्जिंग सपोर्ट होने का अनुमान है।

एपल-ओपनएआई पर चलेगा केस, एंटी-ट्रस्ट कानून का किया उल्लंघन

दिल्ली। बाजार एकाधिकार की साजिश में एपल-ओपनएआई पर चलेगा केस। मस्क की कंपनी एक्स कॉर्प के मुकदमे को अदालत से खारिज कराने में नाकाम रहे। एपल और चैटजीपीटी निर्माता ओपनएआई एलन मस्क की कंपनी एक्स कॉर्प द्वारा दायर उस मुकदमे को खारिज नहीं करा सके जिसमें स्मार्टफोन व जनरेटिव एआई चैटबॉट्स के बाजारों पर एकाधिकार करने की साजिश का आरोप था। एपल-ओपनएआई टेक्सास में फोर्ट वर्थ में अमेरिकी जिला जज मार्क पिटमैन को यह केस खत्म कराने के लिए तर्क पेश करने में नाकाम रहे। अपने फैसले में जज ने कहा, मस्क का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स व स्टार्टअप एक्सएआई फिलहाल अपने मुकदमे को आगे बढ़ा सकते हैं, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रभुत्व की लड़ाई में अरबपति उद्यमी की प्रारंभिक जीत है। जज ने अपने संक्षिप्त आदेश में कहा कि उनके फैसले को एक्स के आरोपों के गुण-दोष पर निर्णय के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए और वह मामले में बाद के चरण में तथ्यों पर विवादों पर विचार करेंगे।

राज्य में दो पंप स्टोरेज प्लांट्स (पीएसपी) स्थापित करने के लिए 15,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगा

अदाणी ग्रुप असम के दो एनर्जी प्रोजेक्ट्स में 63,000 करोड़ रुपए निवेश करेगा

अहमदाबाद। अदाणी ग्रुप की दो कंपनियों अदाणी ग्रीन एनर्जी और अदाणी पावर ने शुक्रवार को ऐलान किया कि उन्हें असम सरकार से 63,000 करोड़ रुपए के मूल्य के दो बड़े प्रोजेक्ट्स के लेटर्स ऑफ अवॉर्ड (एओए) मिला है।

इसके तहत, अदाणी पावर असम में 3,200 मेगावाट की क्षमता वाले ग्रीनफील्ड अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल पावर प्लांट में 48,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगा।वहीं, अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) राज्य में दो पंप स्टोरेज प्लांट्स (पीएसपी) स्थापित करने के लिए 15,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगा। इनकी कुल क्षमता 2,700 मेगावाट होगी।एजीईएल ने कहा कि उसे 500 मेगावाट की एनर्जी स्टोरेज क्षमता विकसित करने के लिए भी एओए मिला है, जिसमें आपूर्ति पीएसपी से की जाएगी।

स्टेट-ऑफ-द-आर्ट थर्मल पावर प्लांट और पंप स्टोरज सुविधा विकसित करने के लिए ग्रुप असम में करीब 63,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगा।अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा, पूर्वोत्तर रीजन भारत की ग्रोथ स्टोरी में एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर रहा है और हमें इसके परिवर्तन में योगदान देने पर गर्व है। असम में हमारा 3,200 मेगावाट का थर्मल पावर प्रोजेक्ट और 2,700 मेगावाट का पीएसपी प्रोजेक्ट सामूहिक रूप से न केवल इस सेक्टर में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े निवेश का प्रतिनिधित्व करती हैं, बल्कि एनर्जी सिक्योरिटी, इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट और रोजगार सृजन की दिशा में भी ठोस कदम हैं।ये ऐतिहासिक पहल भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास पर अदाणी समूह के रणनीतिक फोकस को दिखाती है।इस वर्ष फरवरी में समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी द्वारा क्षेत्र के विकास और वृद्धि में 50,000 करोड़ रुपए निवेश करने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।गौतम अदाणी ने कहा, ये प्रोजेक्ट्स न केवल असम को ऊर्जा प्रदान करेंगे, बल्कि पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में प्रगति को भी गति प्रदान करेंगी। हमें असम और पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र की प्रगति में योगदान देने पर गर्व है और हम ऐसी साझेदारियां बनाने के लिए तत्पर हैं जो स्थानीय समुदायों का उत्थान करें और भारत के ऊर्जा परिवर्तन को गति दें।

अदाणी पावर एक सख्त बोली प्रक्रिया के माध्यम से 6.30 रुपए प्रति किलोवाट घंटे की न्यूनतम दर की पेशकश करते हुए सफल बोलीदाता के रूप में उभरी। कंपनी डिजाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ओन एंड ऑपरेट (डीबीएफओओ) मॉडल के तहत एक अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल प्लांट स्थापित करेगी। इस पावर प्लांट के लिए कोल लिंकेज भारत सरकार की शक्ति नीति के तहत आवंटित किया गया है। इस प्रोजेक्ट के निर्माण चरण के दौरान लगभग 20,000 से 25,000 लोगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने और संचालन चरण के दौरान लगभग 3,500 नौकरियों के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

24 कैरेट सोने की कीमत में भी 1700 रुपए से भी ज्यादा की गिरावट आई है

सस्ता हुआ सोना-चांदी, 1700 रुपए से भी ज्यादा गिरे पीली धातु के दाम

मुंबई। सोना-चांदी के रेट्स में आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को गिरावट दर्ज की गई। 1 किलोग्राम चांदी का भाव 1.60 लाख रुपए के नीचे आ गया है। वहीं, 24 कैरेट सोने की कीमत में भी 1700 रुपए से भी ज्यादा की गिरावट आई है।

इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 1,24,794 रुपए दर्ज की गई है, जो कि इससे पहले कारोबारी दिन गुरुवार को 1,26,554 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। बीते 24 घंटों में सोने के दाम में 1,760 रुपए प्रति 10 ग्राम की गिरावट आई है।

इसी तरह, 22 कैरेट सोना भी 1,15,923 रुपए प्रति 10 ग्राम से घटकर 1,14,311 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। 18 कैरेट सोने का भाव भी 94,916 रुपए प्रति 10 ग्राम से घटकर 93,596 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है।

एक किलोग्राम चांदी का भाव 1,59,367 रुपए पर आ गया है, जो कि इससे पहले 1,62,730 रुपए प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया था। चांदी की कीमत में 3363 रुपए प्रति किलोग्राम की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के 5 दिसंबर 2025 के कॉन्ट्रैक्ट का दाम 3.29 प्रतिशत घटकर 1,22,575 रुपए पर पहुंच गया है, जबकि चांदी के 05 दिसंबर 2025 के कॉन्ट्रैक्ट का दाम 4.68 प्रतिशत की गिरावट के बाद 1,54,870 रुपए पर पहुंच गया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोने का दाम 3.15 प्रतिशत घटकर 4,062.30 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 4.88 प्रतिशत की गिरावट के बाद 50.57 डॉलर प्रति औंस हो गया है। एलकेपी सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी वीपी रिसर्च एनालिस्ट जतिन त्रिवेदी ने कहा, कल शाम की बिकवाली के बाद सोने की कीमतें कमजोर रहीं। फेडरल रिजर्व मेंबर्स के कमेंट्स से पता चलता है कि ताजा आर्थिक आंकड़ों की कमी के चलते ब्याज दरों में कटौती को लेकर देर हो सकती है, जिससे बुलियन सेंटीमेंट कमजोर हो गया। उन्होंने आगे कहा कि डॉलर इंडेक्स मजबूत होने से सोने पर दबाव बढ़ा। कीमतें 1,27,000 रुपए के उच्च स्तर से गिरकर 1,25,600 रुपए पर आ गई हैं लेकिन अभी भी 4 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त बरकरार बनी हुई है।

मारुति की इस गाड़ी में बड़ी खामी : फ्यूल गेज दे रहा धोखा

कंपनी ने 39,000 से ज्यादा गाड़ियां वापस मंगाई

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने अपनी लोकप्रिय एसयूवी ग्रैंड विटारा की 39,000 से अधिक यूनिट्स को रिकॉल किया है। कंपनी ने यह कदम एसयूवी के फ्यूल गेज सिस्टम में एक तकनीकी खामी सामने आने के बाद उठाया है। इस रिकॉल में 9 दिसंबर 2024 से 29 अप्रैल 2025 के बीच बनी कुल 39,506 ग्रैंड विटारा यूनिट्स शामिल हैं।

मारुति सुजुकी ने एक नियामकीय फाइलिंग में बताया है कि इन प्रभावित मॉडलों में स्पीडोमीटर असेंबली में मौजूद फ्यूल लेवल इंडिकेटर (फ्यूल गेज) और वार्निंग लाइट में खामी देखी गई है। कंपनी के अनुसार, यह इंडिकेटर कभी-कभी टैंक में मौजूद फ्यूल की वास्तविक स्थिति को सही तरीके से प्रदर्शित नहीं कर पा रहा है। इससे वाहन चालक को टैंक में बचे ईंधन के बारे में सही जानकारी नहीं मिल पाएगी, जो एक संभावित जोखिम पैदा कर सकता है। मारुति सुजुकी ने स्पष्ट किया है कि इस रिकॉल से प्रभावित वाहनों के मालिकों से कंपनी या उसके अधिकृत डीलर सीधे संपर्क करेंगे। ग्राहकों को नजदीकी मारुति सुजुकी वर्कशॉप पर बुलाया जाएगा, जहां एक्सपर्ट तकनीशियन इस कंपोनेंट की जांच करेंगे। अगर खामी पाई जाती है, तो इस हिस्से को बदला जाएगा। यह पूरी प्रक्रिया (जांच और मरम्मत) ग्राहकों के लिए पूरी तरह निश्शुल्क की जाएगी। कंपनी ने इसे एक प्रिकॉशनेरी स्टेप (एहतियाती कदम) बताते हुए ग्राहकों से जल्द से जल्द प्रतिक्रिया देने की अपील की है।यह रिकॉल ऐसे समय में आया है जब मारुति सुजुकी अपने एसयूवी पोर्टफोलियो को तेजी से बढ़ा रही है। टोयोटा के साथ मिलकर विकसित की गई ग्रैंड विटारा, कंपनी की फ्लैगशिप कॉम्पैक्ट एसयूवी है, जो स्ट्रॉन्ग-हाइब्रिड पावरट्रेन और ऑल-व्हील ड्राइव जैसे फीचर्स के कारण काफी लोकप्रिय है।हाल ही में हुए जीएसटी रिफॉर्म के बाद कंपनी ने ग्रैंड विटारा की कीमत में 1,07,000 रुपये तक की कटौती की थी। अब इस एसयूवी की कीमत 10.77 लाख रुपये से शुरू होकर 19.72 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक जाती है।

खेल, मनोरंजन

भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका: एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

नईदिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम और दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के बीच टेस्ट मुकाबले हमेशा से रोमांच और कड़ी प्रतिस्पर्धा के लिए जाने जाते हैं। इस ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता में कई बल्लेबाजों ने बड़े रिकॉर्ड तोड़े हैं और यादगार प्रदर्शन किए हैं। कुछ ने एक ही सीरीज में इतने रन बनाए कि उनका नाम आज भी सुनहरे अक्षरों में दर्ज है। आइए दोनों टीमों के बीच खेली गई एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों पर नजर डालते हैं।

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके रोहित शर्मा इस सूची में पहले स्थान पर हैं। उन्होंने 2019 की टेस्ट सीरीज में कमाल की बल्लेबाजी की थी। रोहित ने 3 मैचों की 4 पारियों में 132.25 की औसत से 529 रन बनाए थे। उनके बल्ले से 3 शतक निकले थे। रोहित का उस सीरीज में सर्वश्रेष्ठ स्कोर 212 रन रहा था। रोहित दोनों टीमों के बीच एक टेस्ट सीरीज में 500 से ज्यादा रन बनाने वाले एकमात्र बल्लेबाज भी हैं।

दूसरे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर खिलाड़ी जैक्स कैलिस हैं। उन्होंने 2010/11 की टेस्ट सीरीज में कमाल की बल्लेबाजी की थी। भारतीय टीम 3 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने दक्षिण अफ्रीका गई हुई थी। कैलिस के बल्ले से 5 पारियों में 498 रन निकले थे। उन्होंने 166 की औसत से बल्लेबाजी की थी और 2 पारियों में वह नाबाद भी रहे थे। कैलिस ने 3 शतक जड़े थे और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 201* रन रहा था।

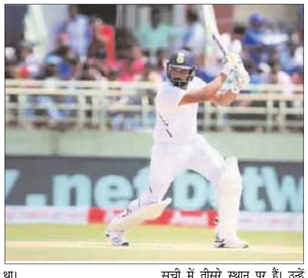

दक्षिण अफ्रीका के एक और पूर्व दिग्गज खिलाड़ी हाशिम अमला इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। उन्हें 2009/10 की टेस्ट सीरीज में 2 मुकाबले खेलने का मौका मिला था। इसकी 3 पारियों में वह 2 बार नाबाद रहे थे। उन्होंने 490 की उम्दा औसत के साथ 490 रन बना दिए थे। उनके बल्ले से 3 शतक निकले थे। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर उस सीरीज में 253* रन रहा था। अमला ने ये पारी नागपुर में खेली थी।

इस सूची में चौथे स्थान पर भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज और कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन हैं। उन्होंने 1996/97 की टेस्ट सीरीज में कमाल की बल्लेबाजी की थी। दक्षिण अफ्रीका की टीम 3 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने भारत आई थी। इस खिलाड़ी ने 3 मैचों की 6 पारियों में 77.60 की औसत से 388 रन बनाए थे। उनके बल्ले से 2 शतक और 1 अर्धशतक निकला था।

गुलाबी ड्रेस में अवनीत कौर की तस्वीरें हुई वायरल

टीवी एक्ट्रेस अवनीत कौर आए दिन अपनी हॉट और बोल्ड फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर अक्सर अपना दिल हार जाते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि उन्होंने गुलाबी ड्रेस में शानदार पोज दिए हैं। एक तस्वीर में वह पीछे से पोज देती नजर आ रही हैं, जो उन पर काफी जच रहा हैं। अवनीत की तस्वीरों को उनके फैंस लाइक कर रहें हैं और उस पर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है ये ड्रेस आप पर अच्छी लग रही हैं। एक दूसरे यूजस ने लिखा है हर आउटफिट में आप कमाल लगती हो। एक्ट्रेस अवनीत कौर अपनी एक्टिंग से ज्यादा बोल्ड फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। वो जब भी अपनी फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं तो उनका हर एक स्टाइल लोगों के बीच ट्रेंड करता है।

बांग्लादेश ने पहले टेस्ट में आयरलैंड को 47 रन से हराया

नईदिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने आयरलैंड क्रिकेट टीम को पहले टेस्ट मैच में पारी और 47 रनों से हरा दिया। इसी के साथ उसने 2 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है। आयरलैंड की टीम उनकी दूसरी पारी में केवल 254 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। कोई भी बल्लेबाज टीम के लिए बड़ी पारी नहीं खेल पाया। हसन मुराद ने 4 विकेट लिए। ऐसे में आइए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर एक नजर डालते हैं। आयरलैंड ने मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। उनकी पहली पारी 286 रन पर समाप्त हो गई। जवाब में महमूदुल हसन जॉय (171) और नजमुल हुसैन शांतो (100) की शानदार शतकीय पारी के दम पर बांग्लादेश ने 587/8 का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा कर दिया। बांग्लादेश ने अपनी पहली पारी घोषित की थी। आयरलैंड के बल्लेबाज दूसरी पारी में भी कुछ खास नहीं कर पाए और बड़े अंतर से मुकाबला हार गए।शांतो ने 114 गेंदों में 14 चौकों की मदद से शतक जमाया। टेस्ट क्रिकेट में यह उनका आठवां शतक रहा। उनके नाम 5 अर्धशतक भी दर्ज हैं। इस पारी के साथ शांतो के अब 38 टेस्ट मैचों में 2,289 रन हो गए हैं। उनकी औसत 33.17 की रही है। इसी पारी के दौरान उन्होंने घरेलू मैदान पर 1,000 टेस्ट रन भी पूरे कर लिए हैं। उन्होने 21 घरेलू टेस्ट में 1,056 रन बनाए हैं, उनकी औसत 27.78 की है।जॉय ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलते हुए 286 गेंदों में 171 रन बनाए, जिसमें 14 चौके और 4 छक्के शामिल थे। बांग्लादेश के लिए सलामी बल्लेबाजी करते हुए उनसे बड़ा टेस्ट स्कोर सिर्फ तमीम इकबाल (206 रन बनाम पाकिस्तान, 2015) का है। यह उनके टेस्ट करियर का दूसरा शतक रहा। उनके नाम 4 अर्धशतक भी है। 24 वर्षीय खिलाड़ी ने अब तक 19 टेस्ट में 27.02 की औसत से 946 रन बनाए हैं।आयरलैंड के बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू हम्फ्रीज आयरलैंड के सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने बांग्लादेश की पारी में 43 ओवर में 170 रन देकर 5 विकेट झटके। यह उनके टेस्ट करियर का दूसरा पांच विकेट हॉल रहा। उन्होंने पहली बार ये कारनामा जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के खिलाफ किया था। अब तक इस खिलाड़ी ने 4 टेस्ट में कुल 13 विकेट हासिल किए हैं। उनकी औसत 27.07 की रही है।

सेमीफाइनल में केंटा निशिमोता से हारे लक्ष्य सेन, जापान मास्टर्स में सफर हुआ समाप्त

स्पोर्ट्स डेस्क। निशिमोता ने भारतीय शटलर को 77 मिनट में तीन गेम तक चले मुकाबले में हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य निशिमोता से 19-21, 21-14, 12-21 से हार गए। भारत के स्टार एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन का जापान मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार सफर सेमीफाइनल में समाप्त हो गया है। लक्ष्य को सेमीफाइनल में जापान के केंटा निशिमोता से हार मिली और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। निशिमोता ने भारतीय शटलर को 77 मिनट में तीन गेम तक चले मुकाबले में हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य निशिमोता से 19-21, 21-14, 12-21 से हार गए।

न्यायालय तहसीलदार मुंगेली, जिला मुंगेली (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. /अ-6 अ/ 2024-25
ग्राम-हरदीडीह प.ह.नं. 07

एतद् द्वारा ग्राम हरदीडीह के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक चंद्रिका प्रसाद पिता/पति नन्हूलाल जाति सोनार निवासी सोनारपारा मुंगेली तहसील एवं जिला मुंगेली के द्वारा ग्राम हरदीडीह स्थित भूमि खसरा नं. 139/2 1.7920 हे. रकबा आवेदक के पिता का नाम त्रुटि वश नंदूलाल आनलाईन बी-1 में दर्ज हो गया है। जबकि सही नाम नन्हूलाल है सुधार हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

उक्त संबंध में जिस किसी की व्यक्ति को किसी भी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति हो तो स्वयं या अभिभाषक या अधिवक्ता या प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 17/11/2025 को समय 11.00 बजे दिन के तहसील कार्यालय मुंगेली में स्वयं उपस्थित होकर लिखित दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

सील

तहसीलदार
मुंगेली (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) चारामा जिला- उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. 202511142400003/
अ-2/2024-25
साकिन कोटतरा प.ह.नं. 11

उद्घोषणा

एतद् सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक तेजवली पटेल पिता मोहनलाल पटेल जाति कुर्मी उम्र 55 वर्ष ग्राम कोकानपुर, तह. कांकेर जिला उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.) के द्वारा ग्राम कोटतरा प.ह.नं. 17 में स्थित उनके भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 1120/2 रकबा 0.04 हे. भूमि को आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण इस न्यायालय में प्रक्रियाधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को दावा आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से अपना दावा आपत्ति नियत सुनवाई दिनांक 28.11.2025 के पूर्व प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि के पश्चात प्राप्त दावा या आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जावेगी।

अतः आज दिनांक 12.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया जाता है।

सील

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
चारामा जिला-उ.ब. कांकेर

कार्यालय नगर पंचायत आमदी, जिला-धमतरी (छ.ग.)

ईमेल Id-cmoamdi@gmail.com

क्र./1419/लोनिवि/न.पं./2025-26/ आमदी, दिनांक 14/11/2025

// मैनुअल पद्धति निविदा सूचना //

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

स. क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि (लाख में)	निविदा हेतु आावेदन जमा करने की अंतिम तिथि
1	अधोसंरचना मद अंतर्गत निकाय क्षेत्रांतर्गत ट्यूबलर सी.सी. रोड ड्रेन कवर नाली, पेवर ब्लाक एवं सौंदर्यीकरण एवं जीर्णोधार कार्य	(3.37+6.05+1.13+2.31+4.82+9.61+9.61+9.61+9.36+7.21+2.20+5.46+2.58+4.82+4.11+4.10+7.69+1.98+5.90+0.98) कुल- 102.90 लाख	दिनांक 04.12.2025 समय- सायं 03.00 बजे तक।

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा से संबंधित सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज कार्यालयीन अवधि में कार्यालय नगर पंचायत आमदी से प्राप्त की जा सकती है, साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाइट www.uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है। निविदा आमंत्रण से संबंधित किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना विभाग की वेबसाइट में प्रसारित की जावेगी, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत आमदी
जिला धमतरी (छ.ग.)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

बिलासपुर मण्डल — अनुलग्न-अ

कार्य विवरण: तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए सक्ति (SKT) रेलवे स्टेशन के परिसंचारी क्षेत्र में निर्दिष्ट स्थान पर लगभग 5039 वर्ग फुट जगह पर दो पहिया, तीन पहिया और चार पहिया वाहनों के लिए मिश्रित पार्किंग स्थल के प्रबंधन और संचालन के लिए लाइसेंस।

तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए सक्ति (SKT) रेलवे स्टेशन के परिसंचारी क्षेत्र में निर्दिष्ट स्थान पर लगभग 5039 वर्ग फुट जगह पर दो पहिया, तीन पहिया और चार पहिया वाहनों के लिए मिश्रित पार्किंग स्थल के प्रबंधन और संचालन के लिए लाइसेंस आवंटन हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की गई है। कैटलॉग पहले ही दिनांक 12.11.2025 को आईआरईपीएस वेबसाइट (https://ireps.gov.in) पर प्रकाशित किया जा चुका है। विवरण इस प्रकार है:

कैटेलॉग क्र.	श्रेणी	नीलामी दिनांक एवं समय	लॉट क्रमांक	लॉट विवरण	अनुबंध अवधि
PARK-MIX-SKT	Parking-Mixed	27-11-25 12:30:00	PARKING-BSP-SKT-MX-52-25-2	सक्ति (SKT) रेलवे स्टेशन के परिसंचारी क्षेत्र में निर्दिष्ट स्थान पर लगभग 5039 वर्ग फुट जगह पर दो पहिया, तीन पहिया और चार पहिया वाहनों के लिए मिश्रित पार्किंग स्थल के प्रबंधन और संचालन के लिए लाइसेंस।	1096 दिन

सहायक वाणिज्य प्रबंधक (सीएचजी)
द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

सीपीआर/10/AM/460

South East Central Railway | @secrail

क्रेडिट लिमिट बढ़ाने के नाम पर 73 हजार ठगे

बिलासपुर/नवप्रदेश। क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर व्यापारी के खाते से ठग ने 73,743 रुपए निकाल लिए गए हैं। राजकिशोर नगर निवासी जोगेंद्र सिंह चावला व्यवसायी हैं। उन्हें 12 नवंबर को नए नंबर से कॉल आया। सामने वाले ने खुद को एचडीएफसी बैंक का अधिकारी बताया और क्रेडिट कार्ड की लिमिट कम होने और उसे सवा लाख तक बढ़ाने की बात कही। जिसके बाद जोगेंद्र ने उसके बताए अनुसार मोबाइल ऑपरेट किया, तभी अचानक उनका फोन हैक हो गया।

जिसके बाद उसके खाते से 11 किस्तों में कुल 73,749 रुपए निकाल लिया।

राजस्व की जमीन पर बन गया वन अधिकार पट्टा क्या जांच के पश्चात दोषियों के विरुद्ध होगी कार्यवाही!

- **कोरिया जिले में पट्टों पर गहराता संदेह, अभिलेखागार में नहीं है दस्तावेज**

कोरिया /नवप्रदेश। एमसीबी जिले के बाद कोरिया जिले के बैकुंठपुर विकासखंड के ग्राम चेरवापारा में एक ऐसा मामला सामने आया हैं जहां राजस्व की जमीन पर कुछ राजस्व के कर्मचारियों/अधिकारियों के साथ मिली भगत कर एक दंपत्ति ने वन अधिकार पट्टा बना लिया गया। यह वन अधिकार पट्टा राजस्व भूमि खसरा नम्बर 939 /1 के नाम पर बनवाया गया हैं जो कि कलेक्टर कार्यालय के ठीक पीछे नेशनल हाईवे मार्ग पर हैं आश्चर्य की बात यह रही की उक्त जमीन पर ना तो उस व्यक्ति का कभी कब्जा था और ना ही आज भी उस जमीन पर उस व्यक्ति का कब्जा है, लेकिन बावजूद इसके राजस्व की जमीन पर उस व्यक्ति के नाम पर वन अधिकार पट्टा जारी हो गया।जबकि जमीन पर पिछले 30 वर्षो से काबिज एक अन्य व्यक्ति द्वारा कुछ भूमि पर खेती किया जा रहा जबकि अचानक खाते में नाम चढ़ने पर काबिज व्यक्तियों को धमका कर खेती से रोका जा रहा हैं और प्रताड़ित किया जा रहा हैं। आपको बता दे की वन अधिकार पट्टा बनने के लिए ग्राम पंचायत से प्रस्ताव पारित करवाना पड़ता है लेकिन बिना प्रस्ताव के ही पटवारी से मिली भगत कर वन अधिकार पट्टा जारी हो गया।

विदित हैं कि मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले में वन अधिकार पट्टों में गड़बड़ी सामने आने के बाद अब कोरिया जिले में भी इसी प्रकार की अनियमितताओं के संकेत मिल रहे हैं। ग्राम पंचायत चेरवापारा में शासकीय भूमि पर जारी हुए एक वन अधिकार पट्टे ने जिला प्रशासन और विभागीय कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चेरवापारा की खसरा नंबर 939/1 शासकीय भूमि है, जिस पर वर्षों से कोई दावा-आपत्ति दर्ज नहीं थी। लेकिन हाल ही में एक व्यक्ति को यह जानकारी मिली कि उसके नाम पर साढ़े तीन एकड़ शासकीय राजस्व भूमि का वन अधिकार पट्टा जारी कर दिया गया है। हैरानी की बात यह है कि इस व्यक्ति ने न तो इस भूमि पर कभी खेती की, और न ही उसने वन अधिकार पट्टा पाने के लिए कोई आवेदन दिया था।

सबसे बड़ा सवाल यह कि जब जिला कार्यालय, आदिवासी विकास विभाग, एसडीएम कार्यालय और वन विभाग–चारों जगह इस पट्टे से जुड़े दस्तावेज उपलब्ध ही नहीं हैं, तो आखिर यह पट्टा जारी कैसे हुआ? वही वन अधिकार दस्तावेजों पर उस समय के कलेक्टर कोरिया, वन मंडलाधिकारी और आयुक्त के हस्ताक्षर बताए जा रहे हैं। लेकिन वर्ष 2012-13 में जो कलेक्टर पदस्थ थे, उनके हस्ताक्षर इन दस्तावेजों से मेल नहीं खाते, जिससे पूरा मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। सूत्रों का कहना है कि यह दस्तावेज फर्जी प्रतीत होते हैं और इनमें उच्चस्तरीय हस्ताक्षरों की भी कथित रूप से नकल की गई है।

मामले में पटवारी की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। बताया जा रहा है कि हाल ही में एक पटवारी के स्थानांतरण और एकतरफा भारमुक्त आदेश के बाद इस पूरी गड़बड़ी पर कब्जा करने व पट्टा बनवाने का दबाव के बाद यह राज खुलना शुरू हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते जांच न हुई तो शासकीय भूमि पर बड़े पैमाने पर अवैध कब्जे और फर्जी पट्टों का मामला सामने आ सकता है। ग्रामीणों व सूत्रों ने मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है ताकि दोषियों की पहचान कर उन्हें कार्रवाई के दायरे में लाया जा सके।

पुलिस आवास के लिए डीजीपी देंगे हलफनामा

बिलासपुर/नवप्रदेश। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरू की डीबी ने पुलिस आवासों की स्थिति सुधारने डीजीपी के जवाब के बाद शुक्रवार को छत्तीसगढ़ राज्य के पुलिस महानिदेशक को अगली सुनवाई की तारीख तक या उससे पहले नए पुलिस आवासों निर्माण के लिए प्रशासनिक अनुमोदन के संबंध में अपना व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने मामले को आगे की निगरानी के लिए 17 दिसंबर, 2025 को पुनः सूचीबद्ध करने और रजिस्ट्रार (न्यायिक) और साथ ही राज्य अधिवक्ता को निर्देश दिया है कि, वे इस आदेश की एक प्रति राज्य के पुलिस महानिदेशक को आवश्यक जानकारी और तत्काल अनुपालन के लिए उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

प्रदेश सरकार ने इस वर्ष 'मोदी की गारंटी' को पूरा करते हुए किसानों के हित में कई ऐतिहासिक निर्णय लिए

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने महराजपुर से धान खरीदी का किया शुभारंभ

रायपुर/नवप्रदेश। कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड स्थित महराजपुर धान उपार्जन केंद्र में आज उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी महापर्व का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने परम्परागत रूप से तौल यंत्रों की पूजा-अर्चना कर, किसानों का तिलक करते हुए श्रीफल भेंट किया। उन्होंने खरीदी प्रक्रिया की शुरुआत कर किसानों का उत्साहवर्धन किया।

इस दौरान ग्राम कांपा के किसान श्री भगत कौशिक से 36 क्विंटल धान का विक्रय किया गया। उन्होंने किसान के साथ मिलकर धान का तौल कराया एवं किसानों से चर्चा कर उनकी समस्याओं को जाना। उल्लेखनीय है कि महराजपुर उपार्जन केंद्र के अंतर्गत महराजपुर, कांपा, जीताटोला और डगनिया के कुल 769 पंजीकृत किसान हैं।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने किसानों से आत्मीय चर्चा कर उपार्जन केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, टोकन व्यवस्था एवं खरीदी प्रक्रिया का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने इस वर्ष 'मोदी की गारंटी' को पूरा करते हुए किसानों के हित में कई ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं, जिससे किसानों को लाभ, सुचारू व्यवस्था और समय पर भुगतान सुनिश्चित हो सकेगा।

उपमुख्यमंत्री ने सभी किसानों को

बलौदाबाजार जिले में समर्थन मूल्य में धान खरीदी की हुई शुरुआत

स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उपार्जन केंद्रों में पूजा अर्चना कर किया शुभारम्भ

किसानों को माला पहनाकर किया गया सम्मानित

रायपुर/नवप्रदेश। बलौदाबाजार जिले में आज धान खरीदी की शुरुआत हुई। स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियो ने उपार्जन केन्द्र में तौल मशीन एवं बांट का पूजा अर्चना धान खरीदी का शुभारंभ किया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने किसानों को माला पहनाकर उन्हें सम्मानित किया। धान खरीदी शुरू होने से किसानों में उत्साह का माहौल है।

धान खरीदी के पहले दिन कुल 79 टोकन कटे हैं, जिससे 3019 क्विंटल धान खरीदी की जाएगी। टोकन के अनुसार किसान उपार्जन केंद्रों में अपना धान बेचने पहुंच रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा जिले के सभी 129 समितियो एवं 166 उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी हेतु व्यापक इंतजाम सुनिश्चित किया गया है। पेयजल, शेड, शिकायत पेटी आदि व्यवस्थाए की गई है।कलेक्टर दीपक सोनी ने अपर कलेक्टर एवं डिप्टी कलेक्टर को धान खरीदी की तैयारी के सम्बन्ध में उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिये हैं।

राजस्व मंत्री ने कांकेर जिला के मालगांव खरीदी केन्द्र का किया शुभारंभ

रायपुर/नवप्रदेश। राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने आज कांकेर जिले के धान खरीदी केंद्र मालगांव पहुंचकर समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने धान खरीदी केन्द्र में इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन एवं विक्रय के लिए किसान द्वारा लाए गए धान की पारंपरिक रीति-रिवाज व परंपरानुसार पूजा अर्चना कर धान खरीदी की शुरूआत की। इस अवसर पर कांकेर विधायक श्री आशाराम नेताम, छत्तीसगढ़ राज्य मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री भरत मटियारा, जिला पंचायत के उपाध्यक्ष श्रीमती तारा ठाकुर, पूर्व विधायक श्रीमती सुमित्रा मारकोले, जिले के कलेक्टर श्री निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर, सीईओ श्री हरेश मण्डावी, एसडीएम कांकेर श्री अरूण वर्मा सहित श्री महेश जैन, श्री सतीश लाटिया, श्री बृजेश चौहान भी उपस्थित थे। धान खरीदी केन्द्र मालगांव में कृषक तीजूराम उसेण्डी के धान की तौल कराकर खरीदी कार्य की शुरूआत की गई।

उल्लेखनीय है कि कांकेर जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए 149 उपार्जन केन्द्र बनाए गए हैं तथा धान खरीदी केन्द्रो में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए खरीदी केन्द्र प्रभारी तथा पर्यवेक्षण व निगरानी के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति की गई है। जिले के सभी खरीदी केंद्रों में कम्प्यूटर ऑपरेटर की नियुक्ति कर ली गई।

किसानों को बताया, उत्पादों की गुणवत्ता जांचने का तरीका

रायपुर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय जैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान एवं भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा एक दिवसीय जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन संस्थान के निदेशक डॉ. पी. के. राय ने किया। उद्घाटन सत्र में डॉ. राय ने किसानों को एग्रो-टेक्सटाइल्स के उपयोग, उनकी आवश्यकता तथा आधुनिक कृषि में इनके बढ़ते महत्व के बारे में जानकारी प्रदान की। सेमिनार के संयोजक एवं संयुक्त निदेशक डॉ. पंकज शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया व सेमिनार के उद्देश्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही कृषि में उपयोग होने वाले मानक उत्पादों, एग्रो-टेक्सटाइल्स तथा गुणवत्ता नियंत्रण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों के बारे में बताया। भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा किसान जागरुकता एवं डेमोंस्ट्रेशन कार्यक्रम में विशेषज्ञ गौरव मिश्रा ने किसानों को एग्रो-टेक्सटाइल्स, सिंचाई पाइप, फसल सुरक्षा जाल, जल संरक्षण सामग्री तथा अन्य कृषि उत्पादों में भारतीय मानकों की अनिवार्यता के बारे में बताया। साथ ही किसानों को आईएसआई मार्क की पहचान, उसके लाभ तथा निन गुणवत्ता वाले उत्पादों से होने वाले नुकसान के बारे में भी जागरूक किया। 100 से ज्यादा प्रतिभागी किसानों ने इस कार्यक्रम को उपयोगी बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ममता चौधरी द्वारा किया गया।

एडवांस लेकर भी नहीं लगाई लिट, ब्याज समेत लौटाएं राशि

रायपुर/नवप्रदेश। एडवांस लेने के बाद भी लिट नहीं लगाने पर एजेंसी के संचालक को 6 फीसदी ब्याज सहित 4.6 लाख रुपए लौटाने कहा गया है। साथ ही सेवा में अनियमितता बरतने पर जिला फोरम ने अनुचित व्यापार और व्यवहार करने पर नाराजगी जताई। इस कृत्य से परिवादी को हुई परेशानी के एवज में 50 हजार रुपए और 5000 रुपए वाद व्यय देने का फैसला सुनाया। रायपुरा निवासी नीलम साहू ने अपने घर में लिट लगाने के लिए डीडी नगर की किंग्स्वे लिट कंपनी के संचालक से संपर्क किया। साथ ही 7 लाख 51 हजार रुपए की लिट लगाने के लिए अनुबंध किया। नियमानुसार 6 महीने में लिट लगाने का आश्वासन देने पर 3 लाख 51000 रुपए एडवांस दिया। निर्धारित अवधि में लिट नहीं लगाने और चक्कर लगवाने पर रायपुर जिला विवाद प्रतितोष आयोग में शिकायत की। जहां जिला आयोग के अध्यक्ष डाकेश्वर प्रसाद शर्मा, सदस्य निरूपमा प्रधान और अतुल कुमार अग्निहोत्री ने मामले की सुनवाई की। उपभोक्ता को हुई परेशानीः इस दौरान पता चला कि लिट कंपनी के एजेंसी संचालक की लापरवाही के चलते उपभोक्ता को परेशानियों का सामना करना पड़ा। लिट नहीं लगाने के कारण सीढ़ी का उपयोग करने स्वास्थ्यगत समस्या हुई। इसे देखते हुए फोरम अध्यक्ष ने 1 फरवरी 2021 से अदायगी दिनांक तक 6 फीसदी ब्याज के साथ 3.51 लाख रुपए और मानसिक कष्ट एवं वाद व्यय के रूप में 55000 रुपए लौटाने का आदेश

कचरा लेने गाड़ी न आए तो टोल फ्री नंबर 18002709992 पर करें फोन

रायपुर/नवप्रदेश। शहर की साफसफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए अधिकारी अब रामकी कंपनी पर शिकंजा कसने की तैयारी में हैं। अभी तक कंपनी मनमाने तरीके से व्यावसायिक क्षेत्रों से लेकर डोर टू डोर कचरा संग्रह कर रही है। इसका ठेका नगर निगम में पिछले 7 साल से चल रहा है। एग्रीमेंट के समय ही इस कंपनी ने सभी जगह टोल नंबर 18002709992 का बोर्ड लगाने का वादा किया था, लेकिन इसका पालन नहीं किया। ऐसे में रोज कचरा लेने नहीं आने वाली गाड़ियों की शिकायतें लोग नहीं कर पा रहे हैं। परंतु अब यह काम इस कंपनी से नगर निगम के अधिकारी कराएंगे, ताकि शहर के हर वार्ड के लोग शिकायत दर्ज करा सकें।

निगम के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार शहर से हर दिन 750 टन कचरा रोज निकल रहा है। इसमें 550 टन कचरा रामकी कंपनी को कलेक्शन करके संकरी डंपिंग यार्ड में पहुंचाना है। उसी के आधार पर निगम कंपनी को करोड़ों रुपए भुगतान करता है। बाकी 200 टन कचरा उठाव की जिमेदारी नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग की है, जिसमें सड़कों, वार्डों की नालियों की सफाई और फल-सब्जी बाजारों का कचरा शामिल है। लेकिन जमीनी स्तर पर कॉलोनियों, सड़कों और बाजारों में जहां तहां फैलता रहता है। क्योंकि गाड़ी रोज नहीं आने की वजह से लोग अपने घरों का कचरा फेंक देते हैं। इस पैटर्न पर अब पूरी तरह से रोक लगाने के प्लान पर निगम काम करेगा। बाहर कचरा फेंकने वालों पर निगम की टीमें अब सीधे जुर्माना लगाएंगी। इसलिए यदि डोर टू डोर गाड़ी नहीं आती है तो लोगों को टोल फ्री नंबर पर शिकायत दर्ज कराकर गाड़ी में ही कचरा देना पड़ेगा।

कई दिनों से नहीं पहुंची कचरा गाड़ी

महापौर मीनल चौबे शहर की सफाई व्यवस्था को इंदौर की तर्ज पर दुरुस्त करना चाहती हैं। इसके लिए जब उन्होंने हर जोन में सफाई की समीक्षा की तो सभी जगह खामियां सामने आईं कि रामकी कंपनी की डोर टू डोर गाड़ियों की कोई निगरानी नहीं हो रही है। जोन 6 के भाठागांव क्षेत्र में 15 दिन से कचरा लेने गाड़ी नहीं आई। इसी तरह जोन 8 के कबीर नगर क्षेत्र में 7 दिन से गाड़ी का पता नहीं है। महापौर के सत निर्देश पर अब पूरी प्लानिंग नए सिरे से तय की जा रही है।

धान खरीदी में लापरवाही,4 प्रभारी प्रबंधकों की सेवा समाप्त

सारंगढ़/नवप्रदेश। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे जिले के बिलाईगढ़ विकासखंड में आयोजित जिला स्तरीय शिविर में गए हुए थे, इस दौरान बिलाईगढ़ विकासखंड के धान खरीदी केंद्र प्रभारी प्रबंधक हड़ताल पर दिखे , कलेक्टर के निर्देश पर प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर से चार समिति प्रभारी प्रबंधक के ऊपर में गाज गिरा । इस अवसर पर जिले के 4 समिति प्रभारी प्रबंधक के द्वारा धान खरीदी कार्य में लापरवाही के कारण तत्काल प्रभाव से उनकी सेवा को समाप्त किया गया है । बिलाईगढ़ ब्लाक के प्रा. कृषि सहकारी समिति मर्यादित पवनी के रामेश्वर साहू , प्रा. कृषि सहकारी समिति भटगांव के राजेश कुमार आदित्य, समिति धनगांव के दयाराम यादव, समिति जोरा के गिरजा शंकर साहू शामिल है। यह आदेश प्राधिकृत अधिकारी ने जारी किया है।

तकनीकी सहायक को फील्ड से हटाकर जिपं अटैचः कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने जपं सारंगढ़ के ग्रापं डोमाडीह (अ) में चल रहे आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण किये , जिसमें उन्होंने पाया की निर्माण कार्य निर्धारित मापदंडो के अनुरूप नहीं किया जा रहा है । गुणवत्ता हीन कार्य होने के कारण कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की और मानक अनुरूप कार्य नहीं कराए जाने पर क्रियान्वयन एंजेसी, सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक एवं तकनीकी सहायक को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर जवाब मांगा है , साथ ही तकनीकी सहायक को जिपं सारंगढ़ में संलग्न किया गया है ।

स्वरोजगार से जोड़ने की विशेष पहल

मंत्री नेताम ने किया प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ

- **आवासीय सुविधा के साथ मिला स्वरोजगार का बेहतर अवसर**

रायपुर/नवप्रदेश। कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने आज बलरामपुर में ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण केंद्र (आरसेटी), संगवारी जेंडर संसाधन केंद्र (जीआरसी) तथा समुदाय प्रबंधित ट्रेनिंग सेंटर (सीएमसीटी) का उद्घाटन किया। मंत्री श्री नेताम ने केंद्र के प्रशिक्षण कक्षों, शयनकक्ष, भोजनकक्ष, रसोईकक्ष का बारीकी से अवलोकन किया और संचालित गतिविधियों की जानकारी ली।

मंत्री श्री नेताम ने उद्घघाटन कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहा कि सेंट्रल बैंक द्वारा संचालित आरसेटी एक ऐसा प्रशिक्षण केंद्र है जहाँ गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले सभी बेरोजगार युवाओं और महिलाओं को विभिन्न प्रकार के व्यावसायिक एवं कौशल विकास से जुड़े प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण के पश्चात बैंक से लिंकेज कराते हुए प्रशिक्षार्थियों को स्वरोजगार और आजीविका से जोड़ा जाएगा।

मंत्री ने कहा कि यह शुभारंभ विशेष अवसर पर किया जा रहा है, क्योंकि आज धरती आबा बिरसा मुंडा की जयंती है। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए केंद्रों में उपलब्ध प्रशिक्षण पूर्णतः आवासीय सुविधा के साथ प्रदान किए जा रहे हैं, ताकि प्रशिक्षार्थियों को सीखने में कोई बाधा न आए। उन्होंने प्रशिक्षार्थियों से कहा कि गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त करें और सीखे हुए कौशल का उपयोग करते हुए अपने रोजगार को व्यावसायिक रूप से विस्तार दें। उन्होंने जीआरसी केंद्र की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि इसके माध्यम से जेंडर असमानता, कुपोषण, लैंगिक हिसा, घरेलू हिंसा जैसे मुद्दे तथा विभिन्न समस्याओं के समाधान महिला बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं पुलिस विभाग के साथ समन्वय कर किए जाएंगे।

समुदाय प्रबंधित प्रशिक्षण केंद्र (सीएमटीसी) के माध्यम से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के विभिन्न प्रशिक्षण एवं महिला सशक्तिकरण से जुड़े कार्यक्रम भी संचालित किए जाएंगे। मंत्री श्री नेताम ने सभी से आग्रह किया कि वे स्वयं प्रशिक्षण से जुड़ें और अधिक से अधिक लोगों को भी इससे जोड़ें। कार्यक्रम के अंत में मंत्री श्री नेताम ने 10 चयनित व्यक्तियों को राजमिस्त्री प्रशिक्षण, बीमा सखी प्रशिक्षण सहित अन्य कौशलों के प्रमाण पत्र वितरित किया।

इस दौरान रेड क्रॉस सोसायटी अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश जायसवाल, पिछड़ा जाति आयोग सदस्य श्री कृष्णा गुप्ता, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री धीरज सिंहदेव, कृषि समिति अध्यक्ष श्री बद्री यादव, नगरपालिका अध्यक्ष श्री लोधी राम एक्का, कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती अनीता मरकाम, नरपालिका उपाध्यक्ष श्री दिलीप सोनी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण केंद्र (आरसेटी)- सेण्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया द्वारा संचालित एक प्रशिक्षण केन्द्र है, जहाँ 60 से अधिक प्रकार के स्वरोजगार मूलक प्रशिक्षण जैसे ब्यूटीपार्लर, फास्ट फूड मेकिंग, सिलाई, मुर्गीपालन, मधुमक्खीपालन, मशरूम उत्पादन, आदि प्रशिक्षण प्रदान किए जाते हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर तृतीय तल, सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, राजा रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर* (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी), स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com